राजनीति, युद्ध और इतिहास की सच्चाई 4

'हजारों ख्वाहिशें ऐसी' के 20 साल पूरे, चित्रांगदा सिंह ने बताया, कैसी थी शूटिंग के वक्त हालत 7

आगरा के पर्यटन स्थलों, मंदिरों व स्मारकों के निर्माण व सौन्दर्यीकरण के लिए लाखों रुपये मंजूर 8

तिथि-बैशाख, कृष्ण, चतुर्थी

सोना - 97,715

चांदी- 1,00,00

शेयर मार्केट- 77,044

निफ्टी- 23,427

अधिकतम -38 ºc

न्यूनतम -24 ºc

लखनऊ से प्रकाशित एवं उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों से एक साथ प्रचारित

चर्चित राजनीति

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

-: सर्वाधिक लोकप्रिय समाचार पत्र :-

www.charchitrajnit.com | वर्ष - 21 अंक-143 आर.एन.आई. नं.- UPHIN/2004/14385 | लखनऊ, गुरुवार 17 अप्रैल, 2025 | पृष्ठ-8 | मूल्य : दो रुपये

वक्फ कानून पर रोक लगाने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार, आज भी होगी सुनवाई

सीजेआई ने कहा-कानून हमारे सामने, हम ही सुनाएंगे फैसला

चर्चित राजनीति। एजेंसी.

- **वक्फ कानून को लेकर दायर याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान अहम टिप्पणी करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जो सम्पत्तियां वक्फ घोषित हो चुकी हैं, चाहे वह परम्परा से वक्फ हो या बाकायदा दस्तावेज से, उन्हें वापस सामान्य सम्पत्ति घोषित नहीं किया जाएगा, हालांकि केंद्र सरकार ने इस पर आपत्ति जताई**

नई दिल्ली। वक्फ संशोधित कानून के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सीजेआई संजीव खन्ना, जस्टिस पीवी संजय कुमार और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच इस मामले में दायर 70 याचिकाओं पर सुनवाई की। सुप्रीम कोर्ट में असदुद्दीन ओवैसी, कपिल सिब्बल, अभिषेक मनुसिंघवी, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता, सहित अन्य याचिकाकर्ता के वकीलों ने बहस की। वक्फ कानून पर लंबी सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट अंतरिम आदेश देने जा रहा था।

सीजेआई ने पहले कहा, हम अंतरिम आदेश जारी करने जा रहे हैं। हमारा अंतरिम आदेश इक्विटी को संतुलित करेगा। हम कहेंगे कि जो भी संपत्तियां कोर्ट ने वक्फ घोषित की हैं, उन्हें गैर-वक्फ नहीं माना जाएगा या उन्हें गैर-वक्फ नहीं माना जाएगा।। चाहे वह उपयोगकर्ता द्वारा वक्फ हो या नहीं। कलेक्टर कार्यवाही जारी रख सकते हैं, लेकिन प्रावधान प्रभावी नहीं होगा। बोर्ड और परिषद के संबंध में पदेन सदस्य नियुक्त किए जा सकते हैं लेकिन अन्य सदस्य मुस्लिम होने चाहिए। हालांकि बाद में कोर्ट ने इस पर कोई आदेश नहीं दिया। मामले की अगली सुनवाई गुरुवार को भी होगी। इन याचिकाओं में वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 की कई धाराओं को संविधान विरोधी बताते हुए उन्हें रद्द करने की मांग की गई है। वहीं वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 के समर्थन में कई राज्यों ने भी सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। छत्तीसगढ़, असम, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा और राजस्थान ने अर्जी दाखिल कर मामले में पक्षकार बनने की अनुमति मांगी है। इन राज्यों ने वक्फ कानून को चुनौती देने वाले याचिकाकर्ताओं की इस दलील का विरोध किया कि वक्फ संशोधन अधिनियम संविधान का उल्लंघन करता है। उधर केंद्र सरकार को भरोसा है कि सुप्रीम कोर्ट संसद से पारित इस कानून को गिराएगा नहीं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा मामला कोर्ट में है, और फैसला यहीं होगा। जमीयत उलमा-ए-हिंद की ओर से सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने सर्वोच्च न्यायालय में वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 पर बहस की। मौलाना अरशद मदनी ने कहा कि मौजूदा वक्फ कानून संविधान में दिए गए मौलिक अधिकारों के खिलाफ है और धार्मिक मामलों में दखलंदाजी करता है। यह देश की एकता और अखंडता के लिए बेहद खतरनाक है।

मुसलमान अपने धार्मिक मामलों में किसी भी तरह की दखलंदाजी बर्दाश्त नहीं कर सकते। इस बिल का फायदा उठाकर सांप्रदायिक ताकतें देश की शांति और एकता को भी नुकसान पहुंचा सकती हैं। यह कानून ऐसे समय लाया गया है जब पूरे देश में मुसलमानों के खिलाफ नफरत की आंधी चल रही है। सुप्रीम कोर्ट में वक्फ कानून पर सुनवाई के बाद अंतरिम आदेश जारी नहीं किया जाएगा। इस मामले की सुनवाई कल भी जारी रहेगी। उसके बाद ही सुप्रीम कोर्ट इस मामले में आगे का फैसला लेगी। शुक्रवार को 2 बजे इस मामले की सुनवाई होगी। सुप्रीम कोर्ट में सरकार ने कहा कि पहले वक्फ बोर्ड में सिर्फ शिया और सुन्नी थे। अब सभी संप्रदाय के लोगों को इसमें जगह मिलेगी। सरकार के वकील तुषार मेहता ने साफ कहा, वक्फ अभी भी निलम्बित है, लेकिन कोई भी यह नहीं कहता कि उपयोग बंद हो जाएगा। ये राजस्व कार्यवाही है और अगर कोई प्रतिकूल कब्जा करना चाहता है, तो वे उपाय की मांग कर सकते हैं। सीजेआई ने केद्र सरकार के वकील तुषार मेहता से पूछा, यदि आप उस रास्ते पर जा रहे हैं, तो क्या आप गैर हिंदुओं को भी हिंदू बंदोबस्ती बोर्ड का हिस्सा बनने की अनुमति देंगे। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से भी तीखे सवाल पूछे। सीजेआई ने एसजी तुषार मेहता से कहा, वक्फ बाई यूजर क्यों हटाया गया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 14,15वीं सदी की अधिकांश मस्जिदों में बिक्री विलेख नहीं होगा। अधिकांश मस्जिदें वक्फ बाई यूजर होंगी। इस पर एसजी ने कहा कि उन्हें इसे पंजीकृत करवाने से किसने रोका? सुप्रीम कोर्ट ने सवाल किया कि अगर सरकार कहने लगी कि ये जमीनें सरकारी हैं तो क्या होगा? एसजी मेहता ने कहा कि मैं कानून पर बात कर रहा हूं धार्मिक व्यवस्था पर नहीं।

सीजेआई ने कहा कि हम केवल उपयोगकर्ता द्वारा वक्फ पर हैं। जस्टिस विश्वनाथन ने पूछा कि ट्रस्ट का उदाहरण न दें, सबसे अधिक संभावना हिंदू बंदोबस्ती की होगी, हिंदू समुदाय ही इसका प्रशासन करता है। मेहता ने कहा कि वे किसी भी तरीके से शासित होते (शेष पृष्ठ 7 पर)

आर्टिकल 26 धर्मनिरपेक्ष, यह सभी पर लागू : सीजेआई

नयी दिल्ली, एजेंसी। वक्फ कानून को लेकर बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई जारी है। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष इस अहम मामले में वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने अपनी दलीलें रखनी शुरू कीं। याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने बहस की शुरुआत की, जिसके बाद अभिषेक मनु सिंघवी ने अपनी दलीलें पेश कीं। सिब्बल ने अनुच्छेद 26 का जिक्र किया। फिर कहा अगर मुझे वक्फ बनाना है तो मुझे सबूत देना होगा कि मैं 5 साल से इस्लाम का पालन कर रहा हूं, अगर में मुस्लिम ही जन्मा हूं तो मैं ऐसा क्यों करूंगा? मेरा पर्सनल लॉ यहां पर लागू होगा। अगर वक्फबनाने वाला कागजात देता है तो वक्फकायम रहेगा। इस पर सीजीआई ने कहा अनुच्छेद 26 धर्मनिरपेक्ष है और ये सभी समुदायों पर लागू होता है। वहीं, अधिवक्ता सिंघवी ने कोर्ट के समक्ष कहा कि देशभर में करीब आठ लाख वक्फसंपत्तियां हैं, जिनमें से चार लाख से अधिक संपत्तियां 'वक्फबाई यूजर' के तौर पर दर्ज हैं। उन्होंने इस बात को लेकर चिंता जताई कि वक्फ अधिनियम में किए गए संशोधन के बाद इन संपत्तियों पर खतरा उत्पन्न हो गया है। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने कहा कि जब वे दिल्ली हाईकोर्ट में थे, तब उन्हें बताया गया था कि वह जमीन वक्फ संपत्ति है। उन्होंने कहा, ष्हमें गलत मत समझिए, हम यह नहीं कह रहे हैं कि सभी वक्फबाई (शेष पृष्ठ 7 पर)

मोदी ने फिनलैंड के राष्ट्रपति से की बात

चर्चित राजनीति। एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को फिनलैंड गणराज्य के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब से टेलीफोन पर बातचीत की। इसकी जानकारी पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए दी। उन्होंने क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब के साथ उपयोगी बातचीत हुई। फिनलैंड यूरोपीय संघ का एक महत्वपूर्ण साझेदार देश है। हम अपने संबंधों को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमने यूक्रेन की स्थिति सहित क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर अपने विचारों का आदान-प्रदान किया। बताया गया है कि दोनों नेताओं ने डिजिटलीकरण, स्थिरता और गतिशीलता के क्षेत्रों सहित दोनों देशों के बीच जारी सहयोग की समीक्षा की। उन्होंने क्वांटम, 5जी-6जी, एआई और साइबर-सुरक्षा के क्षेत्रों सहित इस भागीदारी को और मजबूत तथा प्रगाढ़ करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इसके साथ दोनों नेताओं ने यूक्रेन की स्थिति सहित आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। राष्ट्रपति स्टब ने भारत-यूरोपीय संघ के घनिष्ठ संबंधों और जल्द से जल्द पारस्परिक रूप से लाभकारी एफटीए समझौते को पूरा करने के लिए अपने देश के समर्थन को व्यक्त किया। दोनों नेताओं ने संपर्क में बने रहने पर सहमति व्यक्त की। इससे पहले पीएम मोदी ने मंगलवार को डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन से फोन पर बातचीत की थी। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों के साथ-साथ वैश्विक विकास के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा था, प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन से बात करके खुशी हुई। भारत-डेनमार्क ग्रीन स्ट्रेटेजिक (शेष पृष्ठ 7 पर)

संक्षिप्त समाचार

अखिलेश यादव से दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने मांगी माफी

लखनऊ, चसं। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर दिए गए बयान को लेकर माफी मांग ली है। उन्होंने कहा कि मेरे बयान से किसी बड़े नेता को कोई तकलीफहुई है तो मैं क्षमा मांगती हूं, तकलीफ नहीं होनी चाहिए। रेखा गुप्ता ने कहा, श्दिल्ली की गलियों से निकली हूं, दिल्ली की तकलीफको समझती हूं। पीएम मोदी और पार्टी ने जिम्मेदारी दी है। जमीनी राजनीति से निकलकर आई हूं। शब्दों का चयन कई बार परफेक्ट नहीं हो सकता है, कई बार डिरेल हो जाते हैं,परंतु नियत और नीति स्पष्ट होनी चाहिए। रेखा गुप्ता से एक इंटरव्यू में अखिलेश यादव को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा टोटी चोर, इसको लेकर समाजवादी पार्टी ने तीखी प्रतिक्रिया दी। जब अखिलेश यादव से इसको लेकर सवाल किया गया तो, उन्होंने कहा, हमें इस मुद्दे पर कुछ नहीं कहना है। दलित अगर मंदिर चला जाए तो ये लोग मंदिर को धोते हैं।ये सच है, स्वीकार करो या नहीं करो। मैं मंदिर में चला गया था, तो बाद में वहां के ब्राह्मण मना कर रहे थे कि मंदिर को मत धोओ, लेकिन बीजेपी के लोगों ने पूरा मंदिर गंगाजल से धोया. मुख्यमंत्री आवास जब खाली किया तो, उसे भी गंगाजल से धोया गया। 2017 में अखिलेश यादव ने समाजवादी पार्टी की हार के बाद मुख्यमंत्री आवास खाली किया था, तब आवास में लगे पुराने नल हटा दिए गए।इसको लेकर सियासी बखेड़ा तब खड़ा हुआ जब बीजेपी नेताओं ने कई मौकों पर कहा कि अखिलेश यादव टोटी निकालकर ले गए।

देश को मिलेगा नया मुख्य न्यायाधीश

नयी दिल्ली, चसं। भारत के न्यायपालिका में एक महत्वपूर्ण बदलाव होने जा रहा है। जस्टिस बीआर गवई जो वर्तमान में सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीश हैं 14 मई को देश के अगले मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ लेंगे। उनका पदभार ग्रहण 13 मई को मौजूदा मुख्य न्यायाधीश जस्टिस(शेष पृष्ठ 7 पर)

सीएम योगी बोले-अब यूपी के कस्बों में शुरू होंगी सिटी और निजी ई-बस

- **मुख्यमन्त्री योगी ने नगर विकास विभाग की समीक्षा बैठक की**

चर्चित राजनीति। ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सिटी बस सेवा में निजी ई-बस संचालकों को भी मिले मौका देने का निर्देश दिया है। उन्होंने किराया, पार्किंग, रूट भी सुनिश्चित करने तथा बड़े शहरों के पास के कस्बों तक मिले निजी सिटी ई-बस सेवा शुरु करने को भी कहा, ताकि आमजन को इसका लाभ मिल सके। सीएम बुधवार को नगर विकास विभाग में संचालित परियोजनाओं की समीक्षा कर रहे थे।

उन्होंने भावी कार्य योजनाओं पर भी विचार-विमर्श कर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पर्यावरण अनुकूल स्वच्छ ईंधन वाली बसों को नगरीय परिवहन में प्रोत्साहित करने के अच्छे परिणाम मिल रहे हैं। वर्तमान में 15 शहरों में 700 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन हो रहा है। यह सुनिश्चित किया जाए कि 15 वर्ष से अधिक समय तक किसी भी डीजल एवं सीएनजी बसों का उपयोग न हो। इन्हें स्क्रैप कराएं। इनके स्थान पर ई-बसें लाई जानी चाहिए। उन्होंने प्रदेश में कहीं भी अवैध विज्ञापन होर्डिंग नहीं लगने का निर्देश देते हुए कहा कि खतरनाक होर्डिंग के स्थान पर इलेक्ट्रॉनिक डिस्प्ले बोर्ड को वरीयता दें। अवैध होर्डिंग तत्काल हटवाएं। सभी नगरीय निकायों के लिए स्पष्ट नियमावली होनी चाहिए, जो आय का अच्छा माध्यम भी बनेगा। यह सुनिश्चित कराएं कि विज्ञापन होर्डिंग किसी महापुरुष की प्रतिमा या चित्र को विकृत न करता हो। शहरों में वाहन पार्किंग बड़ी चुनौती है। पार्किंग को मांग, स्थान और समय के अनुरूप व्यवस्थित किए जाने की आवश्यकता है। शुल्क में समरूपता होनी चाहिए। स्थानीय व्यापारियों, दुकानों, कार्यालयों में काम करने वाले कर्मचारियों आदि का मासिक पास बने। यह सुनिश्चित कराएं कि कहीं भी पार्किंग के नाम पर अवैध वसूली न हो। उन्होंने जिला मुख्यालय वाली नगर पालिकाओं को स्मार्ट नगर निकाय के रूप में अपडेट करने का निर्देश भी दिया। इनमें डिजिटल गर्वनेंस, वैल्यू एडेड सिटीजन सर्विस जैसे वायु और जल प्रदूषण की मॉनीटरिंग, जलभराव की समस्या, स्मार्ट पार्किंग, स्मार्ट लाइट मैनेजमेंट, प्रदर्शनी स्थल, ऑडिटोरियम, वेंडिंग जोन, डिजिटल लाइब्रेरी, नवीकरणीय ऊर्जा को प्रोत्साहन जैसे ईज ऑफ लिविंग के दृष्टिगत उपयोगी कार्य होंगे। इन निकायों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा हो। इस संबंध में बजट आवंटित किया गया है। विस्तृत कार्ययोजना तैयार करें। साथ ही, सभी नगर निकायों में नामांतरण, पंजीयन और वसीयत आदि की समान प्रक्रिया और शुल्क सुनिश्चित कराने का निर्देश भी दिया। सीएम ने कहा कि सभी नगर निकायों को अपनी आय ब?ाने के ठोस प्रयास करने होंगे। लखनऊ, गाजियाबाद और आगरा के बाद इसी माह (शेष पृष्ठ 7 पर)

चुनाव आयोग ने पहली बार बीएलए को दिया प्रशिक्षण

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने आगामी बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर बूथ लेवल एजेंटों (बीएलए) का प्रशिक्षण शुरू कर दिया है। भारत निर्वाचन आयोग ने एक प्रेस नोट जारी कर यह जानकारी दी। ईसीआई की ओर से जारी प्रेस नोट के अनुसार, भारत निर्वाचन आयोग ने बिहार में आगामी विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए पहली बार बूथ लेवल एजेंट्स (बीएलए) के लिए प्रशिक्षण शुरू कर दिया है। नयी दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट (आईआईआईडीईएम) में आयोजित इस दो दिवसीय प्रशिक्षण में बिहार के 10 मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों से जुड़े लगभग 280 बीएलए हिस्सा ले रहे हैं। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार, निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधु और डॉ. विवेक जोशी ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में एजेंट्स को संबोधित किया। यह प्रशिक्षण 4 मार्च, 2025 को आयोजित मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) के सम्मेलन में तय किया गया था। आयोग ने चुनाव प्रक्रिया में बीएलए की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम उन्हें जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 और 1951, मतदाता पंजीकरण (शेष पृष्ठ 7 पर)

हैदराबाद में पेड़ों की कटाई पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

- **तेलंगाना सरकार को लगाई कड़ी फटकार**

चर्चित राजनीति। संवाददाता

हैदराबाद। हैदराबाद के कांचा गाचीबोवली वन क्षेत्र में बड़े पैमाने पर की गई पेड़ों की कटाई को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने गहरी नाराजगी जताई। पर्यावरण और जैव विविधता पर पड़ रहे प्रतिकूल प्रभाव को देखते हुए कोर्ट ने स्पष्ट किया कि उसकी प्राथमिकता 100 एकड़ जंगल की बहाली है।

कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि अगली सुनवाई तक इस क्षेत्र में एक भी पेड़ नहीं काटा जाए। सुप्रीम कोर्ट की बेंच, जिसमें जस्टिस बी.आर. गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह शामिल हैं, ने पेड़ों की अंधाधुंध कटाई को लेकर तेलंगाना सरकार से तीखे सवाल पूछे। कोर्ट ने कहा कि सरकार को पेड़ काटने से पहले उचित अनुमति लेनी चाहिए थी। बिना अनुमति इस तरह की गतिविधि न केवल अवैध है बल्कि यह पर्यावरणीय कानूनों की भी अवहेलना है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने बार-बार इस बात पर जोर दिया कि 100 एकड़ जंगल की बहाली सर्वोच्च प्राथमिकता है। कोर्ट ने कहा कि पर्यावरण की रक्षा के लिए आवश्यकता पड़ने पर परंपरागत कानूनों से हटकर भी निर्णय लिए जा सकते हैं। कोर्ट ने चेताया कि कोई भी ऐसा कानून या आदेश जो सुप्रीम कोर्ट की दिशा-निर्देशों के विरुद्ध हो, मान्य नहीं होगा। सुप्रीम कोर्ट ने वीडियो फुटेज का हवाला देते हुए कहा कि पेड़ों की कटाई से वन्यजीव बेघर हो गए हैं और आश्रय की तलाश में भटकते दिख रहे हैं। कोर्ट ने तेलंगाना के वन्यजीव वार्डन को निर्देश दिया कि वह तत्काल ऐसे कदम उठाएं जिससे इन जानवरों को सुरक्षित आश्रय मिल सके। कोर्ट ने कहा कि पेड़ों की कटाई से सिर्फहरियाली ही नहीं जाती, बल्कि जीव-जंतुओं का जीवन भी खतरे में पड़ जाता है। सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना सरकार को केंद्रीय पर्यावरण समिति (सीईसी) की रिपोर्ट पर जवाब दाखिल करने के लिए चार सप्ताह का समय दिया है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि इस बीच कोई भी निर्माण या पेड़ कटाई की गतिविधि नहीं होनी चाहिए। यह मामला तब सुर्खियों में आया जब हैदराबाद विश्वविद्यालय के छात्रों ने 400 एकड़ क्षेत्र को विकसित करने की राज्य सरकार की योजना का विरोध किया। छात्रों ने आरोप लगाया कि इससे कैंपस के आस-पास के प्राकृतिक जंगल (शेष पृष्ठ 7 पर)

फारूख अब्दुल्ला ने अनुच्छेद 370 हटाने का किया था समर्थन

श्रीनगर, एजेंसी। देश की खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) के पूर्व प्रमुख ए.एस. दुलत ने अपनी नई किताब में दावा किया है कि जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस के संरक्षक एवं पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने अनुच्छेद 370 हटाने का निजी तौर पर समर्थन किया था और भरोसे में लिए जाने पर मदद की पेशकश भी की थी। इस खुलासे पर राजनीतिक विरोधियों ने तीखी प्रतिक्रियाएं दी हैं। दुलत ने अपनी किताब 'द चीफ मिनिस्टर एंड द स्पाई' में अब्दुल्ला के हवाले से लिखा है, हम (प्रस्ताव पारित कराने में) मदद करते। हमें विश्वास में क्यों नहीं लिया गया। गौरतलब है कि पांच अगस्त 2019 को मोदी सरकार ने अनुच्छेद 370 अचानक हटा दिया। इससे कुछ घंटे पहले अब्दुल्ला सहित कई बड़े नेताओं को नजरबंद कर दिया गया था, जो कई महीनों तक जारी रहा। दिलचस्प बात यह है कि अनुच्छेद 370 हटाये जाने से कुछ दिन पहले, अब्दुल्ला और उनके पुत्र उमर अब्दुल्ला ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की थी। श्री दुलत की किताब में इस मुलाकात का जिक्र है। उन्होंने लिखा, ÷ असल में क्या हुआ, कोई कभी नहीं जान पायेगा। इस खुलासे पर नेशनल कॉन्फ्रेंस के (शेष पृष्ठ 7 पर)

फरार चल रहे 29 अपराधियों की लिस्ट जारी

चर्चित राजनीति। संवाददाता

गाजीपुर। उत्तर प्रदेश पुलिस अपराध और अपराधियों को लेकर सख्त एक्शन में नजर आ रही है, इसी कड़ी में गाजीपुर पुलिस भी सख्त कार्रवाई करती हुई नजर आ रही है दरअसल, जिला पुलिस ने मुख्तार अंसारी की पत्नी आफ्सा अंसारी समेत फरार चल रहे 29 अपराधियो की लिस्ट जारी की है।

मुख्तार अंसारी की फरार पत्नी आफ्सा अंसारी पर गाजीपुर की पुलिस ने 50000 का इनाम घोषित कर रखा है। जबकि मऊ पुलिस ने पहले ही आफ्सा अंसारी के खिलाफ 50 हजार का इनाम घोषित किया है। आफ्सा अंसारी पर अब तक गाजीपुर पुलिस की तरफ से 50 हजार और मऊ पुलिस की तरफ से कुल 50 हजार का ईनाम घोषित किया जा चुका है। गाजीपुर में पुलिस द्वारा इनामिया अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर 15 दिवसीय विशेष अभियान आज से शुरू किया गया है। गाजीपुर में अपराध और अपराधियों के विरुद्ध सख्त रुख अपनाते हुए पुलिस ने 15 दिवसीय विशेष अभियान की शुरुआत की है। यह अभियान उच्चाधिकारियों के निर्देशानुसार चलाया जा रहा है, जिसमें पुरस्कार (शेष पृष्ठ 7 पर)

कांग्रेस नेता का दावा-भाजपा डर के कारण प्रतिशोध की और ओछी राजनीति कर रही है

कांग्रेस ने ईडी के खिलाफ किया प्रदर्शन

चर्चित राजनीति। एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने नेशनल हेराल्ड से जुड़े कथित धन शोधन मामले में कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और पार्टी के अन्य नेताओं के खिलाफआरोपपत्र दाखिल किये जाने के विरोध में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के खिलाफबुधवार को यहां प्रदर्शन किया।

पार्टी महासचिव सचिन पायलट ने यहां पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि नेशनल हेराल्ड मामले में कोई तथ्य नहीं है और ईडी की कार्रवाई 'राजनीति से प्रेरित' है। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार के पास कोई सबूत नहीं है और वह केवल विपक्ष की छवि खराब करने की कोशिश कर रही है। इसके अलावा, कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने पूरे मामले को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा रची गई 'साजिश' करार दिया। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि भाजपा डर के कारण प्रतिशोध की और ओच्छी राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि देश की सबसे पुरानी पार्टी भाजपा के दुष्प्रचार को अदालत में चुनौती देगी। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि मोदी सरकार झूठे आरोपपत्र दाखिल करके श्री गांधी या फिर कांग्रेस पार्टी को डरा नहीं सकती। उन्होंने कहा, इस लड़ाई में पार्टी का हर कार्यकर्ता मजबूती से खड़ा रहेगा। आज देश में हालात ऐसे हैं कि जो भी सरकार के खिलाफ आवाज उठाता है, उसकी आवाज को दबाने की कोशिश की जाती है। गौरतलब है कि कांग्रेस ने पार्टी नेतृत्व के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किए जाने की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए राज्यों में ईडी के कार्यालयों और केंद्र सरकार के कार्यालयों के सामने विरोध प्रदर्शन की घोषणा की थी।

नेशनल हेराल्ड को लेकर सरदार पटेल क्यों थे चिंतित, भाजपा ने किया बड़ा दावा, कांग्रेस की नीयत पर उठाए सवाल : नेशनल हेराल्ड मामले में चल रही प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई को राजनीतिक प्रतिशोध बता रही कांग्रेस पर पलटवार में भाजपा ने गंभीर आरोप लगाए हैं। वरिष्ठ नेता व पूर्व कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद और सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने कानूनी बिंदुओं को अपने पलटवार में शामिल करने के साथ ही सरदार वल्लभ भाई पटेल व पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रभानु गुप्ता जैसे वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के लिखित संदर्भों के सहारे (शेष पृष्ठ 7 पर)

गांधी परिवार ने रायबरेली और अमेठी को हमेशा अपना परिवार माना है : केएल शर्मा

चर्चित राजनीति। संवाददाता

शिवगढ़, रायबरेली। क्षेत्र के सुहागमती का पुरवा मजरे ऐमापुर स्थित रामजानकी हनुमान मन्दिर में सामाजिक समन्वय संगोष्ठी सम्पन्न हुई। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित अमेठी सांसद किशोरी लाल शर्मा ने वीरांगना अवंतीबाई लोधी की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कार्यक्रम की शुरुआत की।

श्री शर्मा ने कहा कि सामाजिक उत्थान के लिए शिक्षा बहुत जरूरी है। सामाजिक कार्यों में हतोत्साहित कभी नहीं होना चाहिए, क्योंकि समाज के काम बड़े कठिन काम होते हैं। समाज को एकत्रित करना संगठित करना बड़ी बात है। व्यस्ततम समय में एक छोटे से गांव में इतने लोग इक्टठा हुए यह ग्रामीणों के शिक्षित और संगठित होने का संदेश देता है। श्री शर्मा ने कहा कि रायबरेली से कांग्रेस का 103 साल पुराना नाता है। गांधी परिवार ने रायबरेली और अमेठी को हमेशा अपना परिवार माना है। इसके साथ ही उन्होंने सांसद निधि से हैदरग?-महराजगंज हाईवे से दरियागंज कसना लिंक रोड आदि कई सम्पर्क मार्गो का निर्माण एवं विकास कार्य कराने का आश्वासन दिया। वहीं संगोष्ठी में फिरोजाबाद जनपद से पधारे विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित ऑल इंडिया किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष कैलाश लोधी ने शिक्षित एवं संगठित होकर राजनीति में हस्तक्षेप करने की बात कही।

- **कांग्रेस का रायबरेली से 103 साल पुराना नाता है**
- **शिवगढ़ में सामाजिक समन्वय संगोष्ठी सम्पन्न**

उन्होंने कहा कि समाज में जिसकी जितनी भागीदारी उसको उतनी हिस्सेदारी मिलनी चाहिए। किसानों के लिए कल्याणकारी योजनाएं चलाई जाएं ताकि किसानों को आत्महत्या के लिए मजबूर ना होना पड़े। वहीं लखनऊ हाईकोर्ट के अधिवक्ता रामकुमार लोधी ने कहा कि बाबा साहब ने कहा था कि शिक्षा वह शेरनी का दूध है इसे जो पीता है वह सिंह की तरह दहाड़ने लगता है, अर्थात शिक्षा समाज में सम्मान प्रदान करने के साथ ही मंजिल तक जाने की राह आसान कर देती है।

कार्यक्रम का सफल संचालन रामेश्वर लोधी द्वारा किया गया। वहीं कार्यक्रम के आयोजक एवं सामाजिक कार्यकर्ता रामेश्वर लोधी ने संगोष्ठी में उपस्थित सभी के प्रति आभार प्रकट किया। इस मौके पर कांग्रेस के जिलाध्यक्ष पंकज तिवारी, कांग्रेस के कार्यवाहक शिवगढ़ ब्लॉक अध्यक्ष एडवोकेट गौरव मिश्रा, रामकिशोर मौर्य, दिनेश यादव, गिरिजेश श्रीवास्तव, संतोष शुक्ला, विमल त्रिवेदी, पप्पू द्विवेदी, रामू रावत, गया प्रसाद लोधी, छीटूलाल कश्यप, चेतराम लोधी, अंकित कुमार लोधी, लक्ष्मी नारायण लोधी, अयोध्या प्रसाद लोधी, रामकुमार रावत, राकेश कुमार यादव,चन्द्रपाल रावत आदि लोग उपस्थित रहे।

कस्टमर केयरकर्मी बनकर दंपति के खाते से निकाले 4.90 लाख

लखनऊ, चसं। साइबर जालसाज लगातार लोगों के खातों में सेंध लगा रहे हैं। गोमतीनगर में बैंक का कस्टमर केयर कर्मी बनकर जालसाज ने दंपति के खाते से 4.90 लाख रुपये उड़ा लिए। वहीं, बीबीडी और गुडंबा इलाके में साइबर ठग ने युवती समेत दो के खाते से करीब 70 हजार रुपये पार कर दिए। पुलिस तीनोंा मामलों को दर्ज कर साइबर क्राइम सेल की मदद से जांच कर रही है। गोमतीनगर के एल्डिको ग्रीन निवासी विनोद कुमार खन्ना और उनकी पत्नी का बचत खाता केनरा बैंक में है। उनकी सास कुसुम सिंह का खाता इंडियन बैंक पाटिलपुत्र बिहार में है।

उक्त खाते को बंद कराने के लिए विनोद ने 11 अप्रैल को गूगल पर सर्च कर बिहार स्थित बैंक का नंबर हासिल किया। विनोद ने कॉल की। इसके बाद उनके पास व्हाट्सएप पर कॉल आयी। जालसाज ने कस्टमर केयर एप का लिंक भेजकर जानकारी ली और फ्रि दंपति के खाते से कई बार में 4,89,972 रुपये पार कर दिए। साइबर सेल में शिकायत के बाद पीड़ित ने गोमतीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज करायी।

संक्षिप्त समाचार

हरचंदपुर सीएचसी को मिली जीवन रक्षक एंबुलेंस

हरचंदपुर/रायबरेली, चसं। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने तीन आधुनिक एंबुलेंस प्रदान की हैं। सीएचसी अधीक्षक डॉ. राजीव गौतम ने फीता काटकर एंबुलेंस को रवाना किया। इन एंबुलेंस में वेंटिलेटर, पंप सेक्शन मशीन, ब्लड शुगर मशीन और ऑक्सीजन की सुविधा उपलब्ध है। साथ ही जीवन रक्षक दवाइयां भी मौजूद हैं। डॉ. गौतम ने कहा कि यह सुविधा क्षेत्र के गंभीर मरीजों के लिए वरदान साबित होगी। हरचंदपुर सीएचसी में रोजाना 200 से 300 मरीजों की ओपीडी होती है। इस मौके पर बीपीएम आरती सिंह, फार्मासिस्ट दिनेश, मनीष मिश्रा, भास्कर समेत पूरा स्टाफ मौजूद रहा।

वाहन की टक्कर से पोस्टमैन हुआ घायल

हरचंदपुर/रायबरेली, चसं। थाना क्षेत्र के थाना गेट के पास उस समय अफरा तफरी का माहौल हो गया जब साइकिल से आ रहे पोस्टमैन को एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया स्थानीय लोगों ने आनन फानन घायल पोस्टमैन को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया जहां उसका इलाज चल रहा है। दरअसल पूरा मामला हरचंदपुर थाना गेट का है जहां पर रामखेलावन पुत्र औसान निवासी बाबू खेड़ा जोकि ओई डॉकखाने में पोस्टमैन है वह किसी काम से साइकिल से हरचंदपुर डाकखाने आ रहे थे तभी पीछे से किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी और टक्कर मार कर वाहन फरार हो गया स्थानीय लोगों ने आनन फानन घायल रामखेलावन को नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया जहां पर उसका इलाज चल रहा है।

बंथरा में 3 युवकों ने दुकानदार को पीटा

लखनऊ, चसं। बंथरा में बुधवार को पुरानी रंजिश के चलते एक युवक की तीन लोगों ने पिटाई कर दी। पीड़ित आयुष साहू ने आरोपियों पर एक लाख रुपए और सोने की चेन लूटने का आरोप लगाया है। बंथरा के रामचौरा गांव निवासी आयुष की बंथरा बाजार में कॉस्मेटिक की दुकान है। दोपहर करीब 11.30 बजे वह दुकान से एक लाख रुपए लेकर बैंक ऑफइंडिया जा रहा था। पंजाब नेशनल बैंक की शाखा के सामने अभय यादव, साहिल यादव और कुनाल यादव ने उसे रोक लिया। तीनों ने मिलकर आयुष की पिटाई की। आयुष का कहना है कि मारपीट के दौरान आरोपियों ने उसके पास से एक लाख रुपए और सोने की चेन छीन ली। उसे रिपोर्ट दर्ज कराने पर जान से मारने की धमकी भी दी गई। पीड़ित ने बताया कि 10 मार्च को दोनों पक्षों के बीच पुराने विवाद का समझौता हुआ था। बंथरा थाना प्रभारी अजय नारायण सिंह ने लूट की घटना से इनकार किया है। उनके अनुसार यह पुरानी रंजिश का मामला है। स्थानीय लोगों के मुताबिक कुछ समय पहले आयुष ने अपने साथियों के साथ मिलकर दूसरे पक्ष के एक युवक को पीटा था। इसी का बदला लेने के लिए आज उसे अकेला पाकर पीट दिया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सड़क हादसे में एक की मौत, दो गंभीर रूप से घायल

लखनऊ, चसं। राजधानी के बिजनौर में भीषण हादसा हो गया। एक कार ने तीन बाइक सवारों को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही तीनों बाइक सवार दूर जा गिरे। इनमें से एक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो की हालत गंभीर है। हादसा मंगलवार रात करीब 11 बजे हुआ। घायल और मृतक मजदूरी करते थे। तीनों एक ही बाइक से जा रह थे। स्कूटर इंडिया-बिजनौर रोड पर अमर मिलन लॉन के पास कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मारी। इसके बाद ड्राइवर कार लेकर फ्रार हो गया। मृतक की पहचान सीतापुर निवासी अनिल कुमार (28) के रूप में हुई है। घायलों में उन्नाव के बांगरमऊ निवासी चंदन (30) और सीतापुर निवासी गौतम (28) शामिल हैं। मजदूर सरोजनी नगर के गौरी बाजार में किराए के कमरे रहते थे। राहगीरों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। बिजनौर थाना प्रभारी अरविंद कुमार राणा तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने घायलों को अपनी गाड़ी से सरोजनी नगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। अस्पताल में डॉक्टरों ने अनिल को मृत घोषित कर दिया। चंदन और गौतम को गंभीर हालत में ट्रॉमा सेंटर रेफ्र किया गया। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। घायलों का ट्रॉमा सेंटर में इलाज जारी है। पुलिस अज्ञात वाहन और चालक की तलाश कर रही है।

'अर्थ एंड एम्ब्रॉयडरी डिजाइनर फैशन स्टूडियो का शुभारंभ'

लखनऊ, चसं। प्रकृति में रची-बसी, आत्मा से सिली कला। इसी भाव को आत्मसात करते हुए 'अर्थ एंड एम्ब्रॉयडरी' ने अपने नए डिजाइनर स्टूडियो का शुभारंभ किया। 1/6 विक्रांत खंड गोमतीनगर में इसका उदघाटन खाद्य आयोग की सदस्य सरोज प्रसाद ने किया। इस मौके पर स्टूडियो की निदेशक आस्था सिंह और शिवांगी सिंह ने बताया कि एक ही छत के नीचे लखनऊ की चिकनकारी और अन्य पारंपरिक परिधानों का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। यह एक प्रयास है कि लखनऊ की विरासत फैशन के साथ कदतमताल करे। यहां सभी फैशन की परंपरा मिलेगी। यह स्टूडियो न सिर्फएक फैशन स्पेस है, बल्कि यह उन भावनाओं और परंपराओं का उत्सव है, जो हाथों से बनी हर कढ़ाई में बसती हैं। यहां आधुनिक डिजाइन की समझ और पारंपरिक कारीगरी का अद्भुत मेल देखने को मिलेगा। 'अर्थ एंड एम्ब्रॉयडरी' प्राकृतिक वस्त्रों, हस्तनिर्मित डिजाइनों और पर्यावरण के प्रति सजग फैशन के क्षेत्र में एक नई दिशा की शुरुआत कर रहा है। स्टूडियो के उद्घाटन अवसर पर आप न केवल उनकी नवीनतम कलेक्शन देख सकेंगे, बल्कि हर उस कहानी को महसूस कर पाएंगे, जो हर धागे में बुनी गई है।

कानपुर रोड पर ट्रक ने चाचा-भतीजे को रौंदा, मौत, ट्रक ड्राइवर फरार

लखनऊ, चसं। लखनऊ-कानपुर रोड पर तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार चाचा-भतीजे की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान बंथरा के खाण्डे देव गांव निवासी राजितराम (40) और उनके चाचा लल्लन राजपूत (50) के रूप में हुई है। बाबू मजदूरी करते थे, जबकि लल्लन किसान थे। दोनों मंगलवार रात नाका थाना क्षेत्र के राजेंद्र नगर में अपने फुफ्रेरे भाई गोलू के तिलक समारोह में शामिल होने गए थे। बुधवार सुबह 9 बजे एक ही बाइक से वापस लौट रहे थे। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को सरोजनी नगर सीएचसी ले गई। यहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद ट्रक चालक फ्रार हो गया। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में ले लिया है। एक ही परिवार के दो लोगों की एक साथ मौत होने से पूरे गांव में मातम है। बाबू के परिवार में पत्नी उमा, विवाहित बेटी सपना, अविवाहित बेटी कोमल और दो बेटे शिवम और लवकुश हैं। लल्लन के दो बेटे अंकित और करन हैं। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए ट्रॉमा सेंटर भेज दिया है।

बछरांवा और एसओजी पुलिस की मिली बड़ी सफलता

चर्चित राजनीति। अमित चौधरी

बछरांवा/रायबरेली। ऑनलाइन फ्रॉड करके आईपीएल मैच में सट्टा खिलाने वाले एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वहीं उसके चचेरे भाई समेत पांच आरोपी फरार हैं। पुलिस का दावा है कि यह लोग झांसा देकर बैंक खाता खुलवाते थे। खाते में अपना नंबर लिखाने के साथ एटीएम भी रख लेते थे। इसके बाद पैसों का लेनदेन करते थे।

पुलिस कार्यालय स्थित किरण हाल में बुधवार को आयोजित प्रेस कान्फ्रेंस में अपर पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार सिन्हा ने बताया कि बछरावां इलाके के पश्चिमगांव निवासी चंद्रप्रकाश ने इचौली गांव निवासी राहुल सिंह उर्फ अभिषेक सिंह उर्फ छोटू और उसके चचेरे भाई सोनू सिंह पर मंगलवार की शाम धोखाधड़ी करने का केस दर्ज कराया था। एसओजी प्रभारी विजेंद्र शर्मा, कोतवाली प्रभारी पंकज कुमार त्यागी ने टीम के साथ मिनी स्टेडियम इचौली के पास से राहुल सिंह को दबोच लिया। एएसपी के मुताबिक जांच और पूछताछ में खुलासा हुआ है कि राहुल ने चचेरे भाई सोनू के साथ मिलकर पीड़ित चंद्रप्रकाश का पंजाब नेशनल बैंक में खाता खुलवाया था। खाते में राहुल ने अपना मोबाइल नंबर डलवा दिया था। एटीएम भी ले लिया था। राहुल ने चंद्रप्रकाश के नाम से कार भी खरीद ली।

- **ऑनलाइन फ्रॉड कर आईपीएल मैच में सट्टा खिलाने वाला आरोपी गिरफ्तार, 40 लाख का लेनदेन पकड़ा**

पीड़ति के ज्यादा पढ़ा लिखा न होने का फायदा आरोपियों ने उठाया। राहुल और उसके साथी ऑनलाइन फ्रॉड कर आईपीएल मैच में सट्टा खिलाने का कार्य करते थे। मामले में राहुल के चचेरे भाई सोनू, अनिकेत सिंह, स्वप्निल सोनी, राजकुमार गुप्ता, सलाउद्दीन भी शामिल थे, जिन गिरफ्तारी के लिए प्रयास किया जा रहा है। राहुल के पास से 5510 रुपये की नकदी के अलावा दो मोबाइल, दो आधार कार्ड, एक पैन कार्ड, एक कार बरामद की गई है। आरोपी राहुल ने पूछताछ में बताया कि वह डेरी अन्ना नामक ऑनलाइन वेबसाइट पर महादेव 7255 प्रोफाइल डैशबोर्ड बनाकर टेलीग्राम एप से लोगों से संपर्क कर ऑनलाइन अवैध गेमिंग का संचालन करता है। उसने कुल 11 बैंक खातों का इस्तेमाल कर ग्राहकों के साथ ठगी का कार्य किया है। एएसपी के मुताबिक जांच में पाया गया कि राहुल और उसके साथियों ने 11 बैंक खातों में करीब 40 लाख रुपये का लेनदेन किया है। राहुल के कुछ साथी पुलिस से बचने के लिए दूसरे जनपदों में रहकर इस तरह का कार्य कर रहे हैं।

राहुल ने बनवा रखे हैं दो आधार कार्ड एएसपी के मुताबिक जांच में पाया गया है कि आरोपी राहुल ने दो आधार कार्ड बनवा रखे हैं। एक आधार कार्ड उसने राहुल, जबकि दूसरा आधार कार्ड अभिषेक के नाम से बनवा रखा है। राहुल के अन्य साथियों की गिरफ्तारी के बाद इस प्रकरण से जुड़ी कई अह्म जानकारी सामने आ सकेंगी।

शेयर ट्रेडिंग में फंसाकर व्यवसायी से ट्रांसफर कराए 36 लाख रुपये

लखनऊ, चसं। साइबर ठगों ने यूएसडीटी की शेयर ट्रेडिंग के फेर में फंसाकर व्यवसायी से 36 लाख रुपये ट्रांसफर करा लिए। जालसाज ने लिंक भेजकर व्हाट्सएप चौनल पर जोड़ा। फिर निवेश पर मुनाफे का झांसा देकर 18 बार ट्रांजक्शन कराए। मुनाफा निकालने पर पीड़ित से टैक्स की मांग की गयी। पीड़ित ने साइबर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। इंस्पेक्टर बृजेश कुमार यादव ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। इंदिरानगर सेक्टर-11 निवासी व्यवसायी अखिलेश वर्मा ने बताया कि 10 मार्च को फेसबुक मैसेंजर पर अद्विका थामस नाम की महिला ने मैसेज किया। उसके बाद व्हाट्सएप पर संपर्क कर एक लिंक भेजकर एक एकाउंट चालू किया। समझाया कि यूएसडीटी की ट्रेडिंग में निवेश करने पर मोटा मुनाफ्ग मिलता है। जाल में फंसाने के लिए उन्हें फ्यूचरडी वीआईपी ग्रुप में जोड़ा गया। अखिलेश ने बताया कि शुरुआत में 5 अप्रैल को उन्होंने आठ हजार का निवेश किया तो 1836 रुपये मुनाफा मिला। अगले दिन एक लाख लगाने पर 9 हजार रुपये मिले।

वर्ल्ड लिवर डे पर लिवर डोनेशन के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए अपोलोमेडिक्स ने ट्रांसप्लांट से जुड़ी भ्रांतियों पर खुलकर की चर्चा

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। वर्ल्ड लिवर डे के अवसर पर अपोलोमेडिक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ ने एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य लिवर डोनेशन और ट्रांसप्लांट से जुड़े मिथकों और डर को लेकर लोगों को जागरूक करना था। इस कार्यक्रम में लिवर ट्रांसप्लांट कराने वाले मरीजों और उनके डोनर्स ने भी हिस्सा लिया, जो ट्रांसप्लांट के बाद सामान्य जीवन जी रहे हैं और ऑर्गन डोनेशन के लिए एक प्रेरणास्त्रोत बने हैं।

अपोलोमेडिक्स ने 2021 में लिवर ट्रांसप्लांट की शुरुआत की थी और तब से इस प्रक्रिया में लगातार सफ्लताएँ प्राप्त की हैं। अपोलोमेडिक्स ने उत्तर प्रदेश में पहला लिविंग डोनर लिवर ट्रांसप्लांट और पहला कैडेवेरिक लिवर ट्रांसप्लांट करने की उपलब्धि हासिल कर चुका है। अपोलोमेडिक्स के सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टरों ने बताया कि लिवर एक ऐसा अंग है, जो ट्रांसप्लांट के बाद कुछ ही हफ्तों में अपना आकार पूरी तरह से पुनः प्राप्त कर लेता है। इससे यह भ्रम भी समाप्त होता है कि डोनर की सेहत पर इसका कोई गंभीर असर पड़ता है। डॉ. आशीष मिश्रा, सीनियर कंसल्टेंट एवं हेड दृ लिवर ट्रांसप्लांट, एचपीजी एवं जीआई सर्जरी, अपोलोमेडिक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ ने बताया, ष्लिवर एक ऐसा अंग है जिसे शरीर के बाहर डोनर से रिसीपिएंट तक ट्रांसप्लांट किया जा सकता है और यह बहुत जल्दी ठीक हो जाता है। ट्रांसप्लांट के बाद डोनर को कोई गंभीर समस्या नहीं होती। यह प्रक्रिया पूरी तरह से सुरक्षित और प्रभावी है। लिवर ट्रांसप्लांट के बाद मरीजों को सामान्य जीवन में लौटने में लगभग 3 महीने का समय लगता है और डोनर को केवल 1 महीने के भीतर अपनी सामान्य गतिविधियाँ फ्रि से शुरू करने का अवसर मिलता है। डॉ. आशीष मिश्रा ने लिवर ट्रांसप्लांट की स्थिति पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा, देशभर में ऑर्गन डोनेशन की स्थिति अभी भी बेहद चिंताजनक है। भारत में हर साल 25,000 से 30,000 मरीजों को लिवर ट्रांसप्लांट की जरूरत होती है, लेकिन केवल 3,000 को ही यह सुविधा मिल पाती है। और इनमें भी केवल 10 प्रतिशत ट्रांसप्लांट कैडेवेरिक डोनर से संभव हो पाते हैं। यह गंभीर अंगदान की कमी को दर्शाता है, जिसे दूर करने के लिए समाज में व्यापक जागरूकता और सहभागिता की आवश्यकता है। उन्होंने मृतक अंगदाता (कैडेवेरिक डोनेशन) कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए सरकार और प्राइवेट अस्पतालों के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा, उत्तर प्रदेश, अन्य राज्यों की तुलना में अंगदान में काफी पीछे है। इस अंतर को कम करने के लिए जागरूकता बढ़ाने और अस्पतालों के बीच सहयोग को मजबूत करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में इस तथ्य पर भी प्रकाश डाला गया कि भारत में अधिकांश अंगदान लिविंग डोनर्स द्वारा किया जाता है, और खासकर महिलाएँ, जैसे पत्नियाँ और बेटियाँ, ट्रांसप्लांट के लिए प्रमुख डोनर बनती हैं। यह भी बताया गया कि अंगदान के लिए जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है, ताकि लोग इस प्रक्रिया को लेकर अपने डर और संकोच को छोड़ सकें। साथ ही, एक उल्लेखनीय तथ्य यह भी निकलकर सामने आया कि लिवर ट्रांसप्लांट के लिए दिल्ली, मुंबई या हैदराबाद जैसे अन्य शहरों में जाने पर मरीजों को अतिरिक्त खर्चों का सामना करना पड़ता है। ट्रांसप्लांट के बाद मरीज को 1.5 से 2 महीने तक उस शहर में रहना पड़ता है, जिससे कुल खर्च बढ़ जाता है। इसके विपरीत, अपोलोमेडिक्स में लखनऊ में यह प्रक्रिया किफायती है और यहां मरीज ऐसे अतिरिक्त खर्चों के बोझ से मुक्त रहते हैं। डॉ. मयंक सोमानी, एमडी एंड सीईओ, अपोलोमेडिक्स ने बताया, हमारे अस्पताल में अब तक 25 से अधिक लिवर ट्रांसप्लांट सफ्लतापूर्वक किए जा चुके हैं, जिनमें से 23 लिविंग डोनर से और 2 कैडेवेरिक डोनर से हुए हैं। यह उपलब्धि हमारी टीम की विशेषज्ञता, अत्याधुनिक मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर और मरीजों की सेवा के प्रति हमारे समर्पण का प्रमाण है। डॉ. मयंक सोमानी ने कहा, अंगदान को बढ़ावा देने के लिए हमें समाज में मानसिकता बदलने की आवश्यकता है। अंगदान से जुड़े मिथकों को दूर करना बहुत जरूरी है, ताकि अधिक से अधिक लोग इस जीवन रक्षक प्रक्रिया का हिस्सा बन सकें। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस का मुख्य उद्देश्य लिवर ट्रांसप्लांट की सफ्लता दर, डोनर्स और रिसीपिएंट्स के अनुभव और अंगदान के महत्व को बढ़ावा देना रहा। साथ ही, अपोलोमेडिक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल ने ट्रांसप्लांट सरकारी में अपनी 95: सफ्लता दर को भी प्रमुखता से साझा किया, जो इसके लिवर ट्रांसप्लांट प्रोग्राम की प्रभावशीलता को प्रमाण है।

- **कार्यक्रम में लिवर ट्रांसप्लांट कराने वाले मरीजों और उनके डोनर्स ने भी हिस्सा लिया**

इस कार्यक्रम में लिवर ट्रांसप्लांट से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की गई, ताकि समाज में अंगदान के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित किया जा सके और इस जीवन रक्षक प्रक्रिया को और अधिक बढ़ावा दिया जा सके।

पहले महिलाएं बात रखने में भी डरती थीं, अब नहीं : अपर्णा यादव

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। उपाध्यक्ष राज्य महिला आयोग अपर्णा यादव ने पुलिस लाइन सभागार में जनुसनवाई के दौरान लगभग एक दर्जन से अधिक पीड़ित महिलाओं की समस्याओं की सुनवाई की। जनुसनवाई के दौरान उपाध्यक्ष ने कहा कि पीड़ित महिलाओं एवं बालिकाओं को त्वरित न्याय देने के लिए देश एवं प्रदेश सरकार सदैव प्रतिबद्ध है।

जनसुनवाई में उपस्थित महिलाओं की समस्याओं को सुनकर उनका निस्तारण किया गया है और शेष समस्याओं के निस्तारण हेतु सम्बन्धित को निर्देशित भी किया गया है। महिला उत्पीड़न, दहेज से सम्बन्धित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर सुनकर उनका निराकरण किया गया है। एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में महिलाओं के मामलों में स्थिति पहले से बेहतर हुई है। पहले महिलाएं अपनी बात रखने में भी डरती थीं, लेकिन अब नही, स्थिति बदल चुकी है।श्रीमती यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है कि महिलाओं से जुड़े कोई भी मामले हो, उसे गम्भीरता से लेकर उसका निवारण किया जाए। उन्होने कहा कि इन सभी मामलों में अशिक्षा और जागरूकता का अभाव होना एक बड़ा कारण है। इसे तभी रोका जा सकता है, जब समाज पूर्ण रूप से शिक्षित हो। इसके लिए देश एवं प्रदेश सरकार द्वारा विभिन्न योजनाएं जैसे-कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, मिशन शक्ति आदि संचालित की जा रही है। जिससे महिलाओं को सशक्त बनाया जा सके।जनुसनवाई के दौरान पूर्व पंजीकृत मामलों में आज उपस्थित हुए लगभग 01 दर्जन से अधिक फरियादियों के मामलों का सुलह-समझौता के आधार पर मौके पर निस्तारण किया गया।इससे पूर्व उपाध्यक्ष श्रीमती यादव जिले के अधिकारियों के साथ बैठक में निर्देश दिया कि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाय ताकि पात्रता रखने वाले असंतृप्त पात्र योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देश दिया गया कि आंगनबाड़ी केन्द्रों का रंग-रोगन कराया जाय तथा लक्षित गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों को मानक के अनुसार योजनाओं से आच्छादित किया जाय। बेसिक शिक्षा विभाग को निर्देश दिया कि कस्तूरबा आवासीय विद्यालयों में अध्ययनरत बालिकाओं के लिए बेहतर प्रबन्ध किये जायें। उन्होंने यह भी कहा कि अभिभावकों को इस बात के लिए जागरूक करें कि ड्रेस की धनराशि से बच्चों के लिए यूनीफार्म तैयार कर उन्हें नियमित रूप से विद्यालय भेजें। उपाध्यक्ष श्रीमती यादव ने जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी को निर्देश दिया कि जिले के मान्यता प्राप्त व गैर मान्यता प्राप्त मदरसों की सूची उपलब्ध करा दें। श्रीमती यादव ने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि थानों पर महिलाओं की समस्याओं की सुनवाई प्राथमिकता पर की जाय ताकि उन्हें त्वरित गति से न्याय मिल सके। किसी भी स्तर पर महिलाओं के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए और महिला उत्पीड़न से सम्बन्धित कोई भी प्रकरण संज्ञान में आने पर तत्काल कार्यवाही की जाय।इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण दुर्गा प्रसाद, नगर मजिस्ट्रेट शालिनी प्रभाकर, सीओ हर्षिता, इस्पेक्टर शीला यादव, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी बी.पी. सत्यार्थी, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी संजय मिश्रा, जिला कार्यक्रम अधिकारी राज कपूर, महिला थानाध्यक्ष मंजू यादव, जिला प्रोबेशन अधिकारी विनोद राय सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

- **महिला आयोग की उपाध्यक्ष ने पुलिस लाइन में सुनी समस्याएं**

सदस्य राज्य महिला आयोग ने की महिला जनसुनवाई : प्रदेश के राज्य महिला आयोग की सदस्य प्रियंका मौर्या जनपद में महिला उत्पीड़न की रोकथाम एवं पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाये जाने तथा महिला जनसुनवाई एवं समीक्षा किये जाने हेतु एक दिवसीय दौरे पर श्रावस्ती पहुंची।

सदस्य ने विकास भवन सभागार पहुंचकर महिला उत्पीड़न से पीड़ित महिलाओं की समस्याओं को सुना। सदस्य को 20 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिसमें कुछ न्यायालय से सम्बन्धित प्रकरण थे। शेष अन्य प्रार्थना पत्रों के निस्तारण के लिए सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। सदस्य ने महिलाओं एवं बालिकाओं की समस्याओं व शिकायतों से रूबरू होते हुए कहा कि समस्याओं से पीड़ित महिलाओं एवं बालिकाओं को त्वरित न्याय देने के लिए प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होने कहा कि आज मुझे बुद्ध की नगरी में आने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है, उनका संदेश है कि सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलकर जीवन को सफ्ल बनाया जाए। इसी उद्देश्य से मैं यहां की महिलाओं को भी यही कहना चाहती हूं कि अपने जीवन में प्रेम और विश्वास बढ़ायें, जिससे उनका पारिवारिक जीवन सुखी ढंग से चल सके। उन्होने सभी अभिभावकों से भी अपील करते हुए कहा कि लड़का-लड़की में भेदभाव न करें, दोनों को समान शिक्षा दें, जिससे बेटियां भी अपने पैरों पर खड़े होकर परिवार, समाज एवं देश का नाम रोशन करें। इसके लिए बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान भारत सरकार एवं प्रदेश सरकार की महात्वाकांक्षी योजनाओं में से एक है। इस योजना का उद्देश्य महिलाओं को शिक्षित कर उन्हें बराबरी का अधिकार दिलाना है।

अधिकारियों का भी दायित्व बनता है कि वे महिलाओं एवं बालिकाओं की छोटी-बड़ी शिकायतों को गम्भीरता से लें और त्वरित कार्यवाही कर उन्हे न्याय शुलभ करायें ताकि समस्याओं से ग्रसित महिलाओं एवं बालिकाओं को न्याय के लिए इधर-उधर भटकना न पड़े और उनका मान-सम्मान प्रत्येक दशा में कायम रहे।इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक प्रवीण कुमार यादव, जिला प्रोबेशन अधिकारी सुबोध कुमार सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी पी के दास जिला समन्वयक बेसिक शिक्षा अजीत उपाध्याय, महिला थाना प्रभारी सहित सम्बन्धित अधिकारी एवं फ्रयादी महिलाएं उपस्थित रहीं।

संक्षिप्त समाचार

एयरपोर्ट पर यात्रियों ने किया हंगामा, समय से लगेज न मिलने पर जाहिर की नाराजगी

लखनऊ, चसं। लखनऊ एयरपोर्ट पर समय से लगेज न मिलने से यात्रियों ने जमकर हंगामा कर दिया। उन्होंने इंडिगो एयरलाइंस की व्यवस्था पर सवाल उठाए। दरअसल, बुधवार को यात्री इंडिगो की फ्लाइट से भोपाल से लखनऊ पहुंचे थे। वे सभी अपने सामान का इंतजार कर रहे थे, लेकिन काफी देर हो गई उन्हें लगेज नहीं सौंपा गया। इससे नाराज यात्रियों ने एयरपोर्ट पर जमकर विरोध किया। इससे हंगामे का माहौल पैदा हो गया।

गरीबी दूर करने के प्रयास में जुटी है प्रदेश सरकार : मुख्य सचिव

लखनऊ, चसं। एचसीएलफाउंडेशन ने अपने प्रमुख कार्यक्रम समुदाय के माध्यम से उत्तर प्रदेश में 2.9 मिलियन लोगों के जीवन पर एक दशक के परिवर्तनकारी प्रभाव का जश्न मनाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव, आईएएस मनोज कुमार सिंह उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में एक कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया गया, जिसमें अन्य सम्मानित गणमान्य व्यक्तियों के साथ मुख्य सचिव को भी दिखाया गया। जीएस प्रियदर्शी, आईएएस, ग्रामीण विकास आयुक्त, उत्तर प्रदेश सरकार, डॉ. निधि पुंधीर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष और एचसीएलफाउंडेशन में ग्लोबल सीएसआर हेड, और आलोक वर्मा, परियोजना निदेशक-समुदाय, एचसीएलफाउंडेशन शामिल हैं, जो स्मारक पुस्तक का अनावरण करते हैं। यह कार्यक्रम पिछले दस वर्षों में समुदाय द्वारा लाई गई उल्लेखनीय उपलब्धियों और सकारात्मक बदलावों को रेखांकित करता है।

टैरिफ विवाद पर मायावती बोलीं-भारत के करोड़ों गरीबों की समस्याओं का ध्यान रखे सरकार

लखनऊ, चसं। अमेरिका के शुल्क विवाद को लेकर दुनिया भर में मची आर्थिक खलबली के बीच बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने बुधवार को कहा कि भारत के करोड़ों गरीबों की अपनी विशेष समस्याएं और चिंताएं हैं जिनका सरकार को अपनी नीति बनाते समय ध्यान रखना चाहिये। उन्होंने आरोप लगाया कि 'डबल इंजन की उप्र सरकार सर्वसमाज के गरीबों के हित के लिए कार्य न करके, सपा सरकार की तरह ही, केवल कुछ क्षेत्र और समूह विशेष के लिए समर्पित रहना चाहती है। मायावती ने आज यहाँ उत्तर प्रदेश व पड़ोसी उत्तराखंड राज्य में पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों व जिला अध्यक्षों की अहम बैठक में दोनों राज्यों में पार्टी संगठन की समीक्षा की। पार्टी द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि मायावती ने अमेरिका के शुल्क विवाद को लेकर कहा कि भारत के करोड़ों गरीबों की अपनी विशिष्ट समस्याएं और चिंताएं हैं जिनका सरकार को अपनी नीति बनाते समय ध्यान रखना चाहिये। उन्होंने कहा, आर्थिक चुनौतियों का सामना करते समय भारत को अपने आत्म-सम्मान पर कोई आँच नहीं आने देना चाहिये। ऐसे में भारत की जनता के हित को प्रथम रखकर फैसला किया जाना देशहित में बेहतर होगा। मायावती ने कहा, ऐसे विकट समय में भाजपा, उसकी राज्य सरकारों तथा उसके नेताओं को संकीर्ण राजनीति त्याग कर केन्द्र सरकार के कंधे से कंधे मिलाकर सहयोग करने की पहल करनी चाहिये। बसपा नेता ने कहा, यह ध्यान में रखते हुए उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में भाजपा सरकारों के लिए सही संवैधानिक दायित्व निभाना जरूरी है।

पिकप भवन पर प्रदर्शन, आईटीआई अनुदेशक रिजल्ट की मांग

लखनऊ, चसं। राजधानी लखनऊ में बुधवार को रिजल्ट घोषित करने की मांग को लेकर प्रदर्शन। उत्तर प्रदेश में आईटीआई अनुदेशक भर्ती का परिणाम घोषित न होने से अभ्यर्थियों में नाराजगी उतरी। गोमतीनगर स्थित यूपीएसएसएससी के दफ्तर का घेराव किया। अभ्यर्थियों ने बताया कि पीईटी 2021 में आईटीआई अनुदेशक की भर्ती निकली थी। 2406 पदों पर भर्ती होनी थी। मगर अधिकारियों की लापरवाही के कारण भर्ती अधूरी है। अभ्यर्थी फ़ोह खान ने बताया कि वो मेरठ के रहने वाले हैं। 500 किलोमीटर का सफ़र तय करके लखनऊ नियुक्ति की मांग करने आए हैं। परीक्षा और डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन होने के बावजूद परिणाम घोषित नहीं किया गया है। पिछले 4 साल से नौकरी के इंतजार में बैठे हैं। इससे पहले भी कई बार प्रदर्शन कर चुके हैं मगर सुनवाई नहीं हो रही है। गोरखपुर से आई ऐश्वर्या ने बताया कि इंतजार करके हम लोग थक चुके हैं। सरकार से हमारी एक ही मांग है कि परिणाम घोषित करते हुए सभी लोगों को नियुक्ति पत्र दिया जाए। बार-बार लखनऊ और गोरखपुर का सफर करना बहुत मुश्किल साबित हो रहा है। 25 मार्च को अंतिम रिजल्ट घोषित करने की बात कही गई थी। 25 मार्च को जब प्रदेश से विभिन्न जनपदों के अभ्यर्थियों पिकअप भवन पहुंचे तो अगली तारीख दे दी गई। वाराणसी से आए धनंजय ने कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री कहते हैं कि उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा स्किल वाले युवा है। इनके लिए कौशल विकास और स्कूलों में आईटीआई चलाया जा रहा है। मगर आईटीआई स्कूलों की स्थिति यह है कि वहां पर अनुदेशक नहीं हैं। एक से दो कर्मचारी मिलकर सभी सब्जेक्ट पढ़ा रहे हैं। सरकार को यह सोचना नहीं है कि छात्रों के अंदर स्किल डेवलप हो। हमें तारीख पर तारीख मिल रही है मगर रिजल्ट नहीं मिल रहा है। (उत्तर प्रदेश सबऑर्डिनेट सर्विस सेलेक्शन कमीशन) कार्यालय पर बड़ी संख्या में अभ्यर्थी जमा हुए। नाराज अभ्यर्थियों ने जमकर नारेबाजी किया। अभ्यर्थियों के आक्रोश को देखते हुए मौके पर पुलिस बल तैनात की गई। प्रदर्शन कर रहे सभी अभ्यर्थियों को पुलिस ने हिरासत में लेकर इको गार्डन भेज दिया। इको गार्डन में भी अभ्यर्थियों का लगातार प्रदर्शन जारी है।

दुबई से आ रही फ्लाइट की लखनऊ में इमरजेंसी लैंडिंग

लखनऊ, चसं। लखनऊ एयरपोर्ट पर दुबई से आ रही फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। 157 यात्रियों को लेकर फ्लाइट काठमांडू जा रही थी, तभी पायलट को ईंधन कम होने का सिग्नल मिला। इसके बाद उसने लखनऊ में लैंडिंग की परमिशन मांगी। एयरपोर्ट अथॉरिटी से अनुमति मिलने के बाद फ्लाइट (एफ्झेड 1133) को बुधवार सुबह 9.40 बजे लैंड कराया गया। इसके बाद फ्लाइट में ईंधन भरा गया। करीब साढ़े 10 बजे विमान काठमांडू के लिए रवाना हुआ। एयरपोर्ट से मिली जानकारी के मुताबिक, यूएई समयानुसार, फ्लाइट ने 16 अप्रैल को सुबह 2.05 बजे उड़ान भरी थी। बीच में कहीं भी कोई स्टॉप नहीं था। नेपाल समयानुसार, यह फ्लाइट 2,990 किलोमीटर की दूरी तय करके 16 अप्रैल की सुबह 8 बजे काठमांडू पहुंचनी थी।

मनरेगा : मानव दिवस सृजन में यूपी देश में अव्वल

गांवों का बहुमुखी विकास हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता : केशव प्रसाद मौर्य

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि गांवों के समग्र व चहुंमुखी विकास के लिए संचालित योजनाओं का क्रियान्वयन और अधिक बेहतर ढंग से किया जाय, क्योंकि गांवों के समग्र विकास से ही विकसित भारत बनेगा। श्री मौर्य अपने कैम्प कार्यालय 7-कालिदास मार्ग पर ग्राम्य विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा कर रहे थे।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित भारत बनाने ग्रामीण क्षेत्र का समग्र व चहुंमुखी विकास किया जाना बहुत जरूरी है और इस दिशा में उत्तर प्रदेश में बहुत ही उल्लेखनीय व उत्कृष्ट कार्य हुए हैं। वर्ष 2024-25 में मनरेगा में 26 करोड़ मानव दिवस सृजन के लक्ष्य के सापेक्ष प्रदेश में 33 करोड़ 64 लाख से अधिक मानव दिवस का सृजन किया गया है और मानव दिवस सृजन में उत्तर प्रदेश, देश में प्रथम स्थान पर है। मानव दिवस सृजन में महिला सहभागिता 42 प्रतिशत है।वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्रदेश में मनरेगा के तहत 6.22 लाख परिवारों को 100 दिवस का रोजगार उपलब्ध कराया गया है, जोकि देश में सर्वाधिक है।उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि मनरेगा में महिला श्रमिकों को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ने के कार्य में और तेजी लायी जाय, महिलाओं के आजीविका संवर्धन में मदद मिलेगी। 100 दिन कार्य करने वाले श्रमिकों को बीओसीडब्ल्यू बोर्ड में पंजीयन कराया जाय। 70 प्रतिशत श्रमिकों का पंजीयन करा दिया गया है। श्रम मंत्रालय से पत्राचार किया जाय और ऐसी व्यवस्था बनायी जाय कि 100 दिन कार्य करने वाले परिवारों का बीओसीडब्ल्यू बोर्ड में आटोमेटिक पंजीयन हो जाय।गांवों की आन्तरिक गलियों के निर्माण व जल निकासी

● पानी से लबालब भरे नजर आयें अमृत सरोवर

कार्यों की कुछ जिलों की रिपोर्ट मंगाकर उपलब्ध करायी जाय। ग्राम्य विकास विभाग में जिन जिलों में विशेष उल्लेखनीय व उत्कृष्ट कार्य किया गया है, वहां के सम्बन्धित अधिकारियों,कर्मचारियों को सम्मानित किया जाय। सोशल आडिट के कार्य में तेजी लायी जाय।अमृत सरोवर पानी से लबालब भरे नजर आने चाहिए। मनरेगा कन्वर्जेंस के कार्यों का रेण्डम परीक्षण कराया जाय।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि गांवों का बहुमुखी विकास हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।गांव-गरीब के लिए संचालित योजनाएं धरातल पर दिखनी चाहिए ।सरकार ग्रामीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है।गांवों को गरीबी मुक्त करना है ।गांवों का हर व्यक्ति किसी न किसी आजीविका मूलक काम से जुड़े , इसके पुख्ता प्रबन्ध किये जांय।गांवों के विकास के लिए तकनीकी का भरपूर उपयोग किया जाय, लोगों को जागरूक किया जाय।ग्रामीणो को खेती के साथ उद्यमो से जोड़ने के लिए प्रेरित किया जाय।प्रधानमंत्री आवास योजना- ग्रामीण के सर्वे कार्य में कोई भी पात्र व्यक्ति छूटने न पाये। गांवों के सड़कों से कनेक्टिविटी के कार्य में तेजी लायी जाय ।गांवों की आन्तरिक गलियां व नालियों के कार्य मनरेगा से कराये जांय और गांवों से जल निकासी के पर्याप्त प्रबंध किये जांय।राज्य ग्राम्य विकास संस्थान में प्रशिक्षण पूरी क्षमता के अनुरूप कराया जाय, इसकी कार्य-योजना तैयार कर कार्यवाही की जाय।बैठक में राज्य मंत्री ग्राम्य विकास विभाग विजय लक्ष्मी गौतम,अपर मुख्य सचिव ग्राम्य विकास विभाग हिमांशु कुमार, प्रमुख सचिव उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण व रेशम विभाग बीएल मीणा, आयुक्त ग्राम्य विकास विभाग जीएस प्रियदर्शी,यूपीआरआरडीए के मुख्य कार्यपालक अधिकारी अखण्ड प्रताप सिंह, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग के निदेशक ईशम सिंह, निदेशक उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग विजय बहादुर द्विवेदी, राज्य ग्राम्य विकास संस्थान के प्रभारी अपर निदेशक बीडी चौधरी, राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के संयुक्त मिशन निदेशक जन्मेजय शुक्ला सहित अन्य प्रमुख अधिकारी मौजूद रहे।

लखनऊ में 7.5 एकड़ में बायोगैस प्लांट बनेगा

लखनऊ, चसं। लखनऊ में बनने वाले बायोगैस प्लांट की जमीन का मंडलायुक्त ने बुधवार को निरीक्षण किया। नगर निगम ने सरोजनी नगर के अमौसी ग्राम में 7.5 एकड़ भूमि जेबीएम कंपनी को बायोगैस प्लांट स्थापना के लिए दी है। इस प्लांट में कान्हा गोशाला समेत नगर निगम की गोशालाओं से निकलने वाले गोबर और मंडियों के वेजिटेबल वेस्ट से बायोगैस बनाई जाएगी मंडलायुक्त डॉ. रोशन जैकब ने जेबीएम कंपनी के प्रतिनिधियों से विस्तृत चर्चा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मंडलायुक्त ने बताया कि इस भूमि पर पहले कुछ विवाद था। अब टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद यह भूमि निगम सदन से पारित हो चुकी है। जेबीएम कंपनी को निर्देश दिए गए हैं कि वह साइट पर स्पष्ट साइनबोर्ड लगाए। साथ ही शासन द्वारा की जाने वाली लीज डीड की प्रक्रिया को जल्द पूरा करें। राज्यपाल द्वारा जल्द ही इस परियोजना का भूमि पूजन किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह, अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव और जेबीएम कंपनी के प्रतिनिधि मौजूद रहे। यह प्लांट न सिर्फ पर्यावरण संरक्षण में मदद करेगा, बल्कि शहर की स्वच्छता व्यवस्था को भी बेहतर बनाएगा।

हर जिले में होगा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का दफ्तर

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार का प्रदूषण नियंत्रण को लेकर रूख सख्त है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने आज कहा कि प्रदेश के अब हर जिले में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के कार्यालय होंगे और मंडल स्तर पर क्षेत्रीय कार्यालय होंगे।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि वर्तमान में प्रदेश के 75 जिलों में 28 क्षेत्रीय कार्यालय हैं। इन्हें 18 मंडलों पर पुनर्गठित किया जाए, प्रत्येक जनपद में एक-एक कार्यालय स्थापित किया जाए। जिन मंडलों में औद्योगिक गतिविधियां अधिक हैं, वहां एक से अधिक क्षेत्रीय कार्यालय बनाये जा सकते हैं। नए दौर की पर्यावरणीय चुनौतियों के समुचित समाधान के लिए बोर्ड में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, तरल अपशिष्ट प्रबंधन, हैजार्ड्स

● योगी सरकार प्रदूषण को लेकर गम्भीर, सख्ती के मूड में

वेस्ट, ई-वेस्ट, बायोमेडिकल वेस्ट प्रबंधन सेल का गठन करे। लोकशिकायत निवारण हेतु अनुसंधान एवं विकास संबंधी अध्ययन हेतु, पर्यावरणीय जन-जागरूकता तथा प्रकाशन हेतु आई.टी तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग हेतु विशेष यूनिट का गठन किया जाना चाहिए। इससे बोर्ड की प्रभावशीलता पर सकारात्मक असर पड़ेगा। मुख्यमंत्री ने उद्योगों से संबंधित अनापत्ति आवेदन सीटीओ,सीटीई निस्तारण के समय को और कम करने की जरूरत बताई। लाल,नारंगी तथा हरी श्रेणी के लिए अनापत्ति आवेदन का निस्तारण 120 दिनों में किया जा रहा है। इसे क्रमशः 40, 25 और 10 दिनों में किया जाना चाहिए। रिक्त पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ाई जाए।

यूपी के 15 जिलों में खुलेंगे रीजनल ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर

चर्चित राजनीति। संवाददाता

● सड़क सुरक्षा को न्यूनतम करने, व्यावसायिक चालकों को प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से आरडीटीसी की स्थापना की जाएगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देशन में परिवहन विभाग ने रीजनल ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर यानि आरडीटीसी की स्थापना की कार्यवाही शुरू दी है। आरडीटीसी की स्थापना उन्हीं जनपदों में होगी, जहां इंस्टीट्यूट ऑफड्राइविंग ट्रेनिंग एंड रिसर्च यानिआईडीटीआर प्रस्तावित नहीं है। प्रदेश में सड़क सुरक्षा को संस्थागत रूप देने और व्यावसायिक चालकों को आधुनिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए आरडीटीसी की स्थापना कराई जाएगी। ट्रांसपोर्ट कमिश्नर बीएन सिंह ने कहा कि सड़क सुरक्षा को न्यूनतम करने, व्यावसायिक चालकों को प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से आरडीटीसी की स्थापना की जाएगी। आरडीटीसी की स्थापना उन्हीं जनपदों में होगी, जहां इंस्टीट्यूट ऑफ ड्राइविंग ट्रेनिंग एंड रिसर्च आईडीटीआर प्रस्तावित नहीं है। 9 जनपदों में आईडीटीआर के लिए पहले ही पत्र लिखा गया था, अभी 15 जनपदों में आरडीटीसी की स्थापना के लिए जिलाधिकारी को पत्र भेजा है। इसकी स्थापना से स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर भी मुहैया होंगे।परिवहन आयुक्त ब्रजेश नारायण सिंह ने 15 जनपदों के डीएम को भूमि उपलब्ध कराने के लिए पत्र लिखा है।वाराणसी, अयोध्या, मुरादाबाद, गोंडा, मेरठ, अलीगढ़, मथुरा, आजमगढ़, बांदा, मीरजापुर, इटावा, सहारनपुर, सीतापुर, जौनपुर व बिजनौर में आरडीटीसी की स्थापना प्रस्तावित है। प्रस्ताव केंद्र सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय यानि मोर्थ द्वारा वित्तपोषित योजना के अंतर्गत आता है। मोर्थ ने उन 15 जनपदों में आरडीटीसी की स्थापना के लिए प्रस्ताव उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।उत्तर प्रदेश में वर्तमान में 30,37,166 व्यावसायिक वाहन हैं, जबकि व्यावसायिक वाहन चालकों की संख्या 27,48,523 है। 20 प्रतिशत व्यावसायिक वाहन चालकों की कमी पूरा करने, प्रशिक्षित करने, सड़क सुरक्षा सुधारने व रोजगार के अवसर सृजन के उद्देश्य से आरडीटीसी की स्थापना की जाएगी। आरडीटीसी की स्थापना उन्हीं जनपदों में होगी, जहां इंस्टीट्यूट ऑफड्राइविंग ट्रेनिंग एंड रिसर्च आईडीटीआर प्रस्तावित नहीं है।रीजनल ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर यानि आरडीटीसी भारत सरकार वित्तपोषित सार्वजनिक सेवा योजना परियोजना है, जिसका उद्देश्य सड़क सुरक्षा में सुधार, कुशल व प्रशिक्षित वाहन चालकों को तैयार करना तथा सड़क दुर्घटनाओं को न्यूनतम स्तर तक लाना है। यह योजना न केवल सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ करेगी बल्कि युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित करेगी। परिवहन आयुक्त के माध्यम से योजना निष्पादित की जाएगी।

उत्तर प्रदेश टिम्बर एसोसिएशन का 8वां स्थापना दिवस मनाया गया

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। आज उत्तर प्रदेश टिम्बर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष मोहनीश त्रिवेदी ने बताया कि 16 अप्रैल 2017 यह वह ऐतिहासिक दिन है जब उत्तर प्रदेश टिम्बर एसोसिएशन की नींव पड़ी। यह केवल एक संगठन की स्थापना नहीं थी, बल्कि सैकड़ों पुश्तैनी टिंबर व्यापारियों के अस्तित्व और अधिकारों के लिए एक सामूहिक संघर्ष का आरंभ था। उसी दिन लखनऊ के ऐशबाग सहित पूरे प्रदेश में सैकड़ों पुश्तैनी टिंबर व्यापारियों को उनके वर्षों पुराने व्यापार स्थल से उजाड़ दिया गया था।

इस अन्याय के विरोध में उत्तर प्रदेश टिंबर एसोसिएशन ने वर्षों तक अपने ही स्थापना दिवस को 'काला दिवस' के रूप में मनाया एक ऐसा संगठन जो अपने जन्मदिवस को खुशी नहीं, बल्कि न्याय की पुकार के रूप में मनाता रहा।हम उत्तर प्रदेश सरकार के

प्रति अपनी गहन कृतज्ञता व्यक्त करते हैं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा,वन मंत्री डॉ. अरुण कुमार सक्सेना,सदस्य विधान परिषद मुकेश शर्मा,नगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी जिन्होंने न केवल पुश्तैनी टिंबर व्यापारियों की पीड़ा को समझा, बल्कि ठोस कदम उठाकर उनके जख्मों पर मरहम भी लगाया। प्रदेश महासचिव अख्तर खान ने कहा ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 के अंतर्गत उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पुश्तैनी टिंबर व्यापारियों को जो अवसर प्रदान किया गया, वह न केवल एक नीति परिवर्तन था, बल्कि हजारों परिवारों की आशा और पुनर्निर्माण का मार्ग बन गया। प्रदेश मीडिया प्रभारी दिवाकर प्रताप सिंह ने बताया आज प्रदेश भर के व्यापारी लगभग सभी जिलों में लाइसेंस प्राप्त कर सरकार को राजस्व प्रदान कर रहे हैं और हजारों लोगों को रोजगार के अवसर भी दे रहे हैं। यह संघर्ष जरूर लंबा रहा, लेकिन इसने हमें दृढ़, जागरूक और संगठित किया। आज हम गर्व से कह सकते हैं कि उत्तर प्रदेश टिंबर एसोसिएशन केवल एक संगठन नहीं, बल्कि हर उस व्यापारी की आवाज है जो अपने हक और सम्मान के लिए खड़ा हुआ।वही प्रदेश उपाध्यक्ष एजाज खान ने बताया कि आज प्रांतीय कार्यालय में केक काट कर मुख्य पदाधिकारियों ने स्थापना दिवस मनाया व राज्य सभा सांसद डॉ दिनेश शर्मा को अंगवस्त्र पहना कर उनका आभार व्यक्त किया जिस पर डॉ दिनेश शर्मा ने उत्तर प्रदेश टिंबर एसोसिएशन के स्थापना दिवस की बधाई दी व हर समस्या को दूर करने में अपना सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया।

ट्रैफिक जाम से मुक्ति और निर्बाध बिजली आपूर्ति की व्यवस्था हो सुनिश्चित

चर्चित राजनीति। संवाददाता

● रक्षामंत्री व लखनऊ सांसद राजनाथ सिंह के प्रतिनिधि ने किया निरीक्षण

लखनऊ। भारत सरकार के रक्षामंत्री और लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह के जनसंपर्क अधिकारी डॉक्टर राघवेंद्र शुक्ला बुधवार को पुराने लखनऊ के हैदरगंज चौराहे पर पहुंचे और यहाँ लगने वाले जाम की यथास्थिति का निरीक्षण किया।

हैदरगंज को जाम से मुक्त कराने के लिए चौराहे पर लगे ट्रांसफार्मर को स्थांतरित करने व सड़क के बीच लगे बिजली के पोल हटाने के साथ ही सड़क चौड़ीकरण का निर्देश दिया। इस मौके पर बिजली विभाग के चीफ इंजीनियर (मध्य) रवि अग्रवाल पश्चिम विधान सभा सीट के उपविजेता अंजनी श्रीवास्तव के साथ ही भवानीगंज की पार्षद रीता राय न्यू लेवर कालोनी वार्ड के पार्षद अजय दीक्षित पूर्व पार्षद ऐशबाग साकेत शर्मा, गनेश कनौजिया के साथ ही सतेंद्र सिंह व गौरव वाजपेयी व अन्य कार्यकर्ता व जनप्रतिनिधियों के साथ ही बिजली विभाग के कई अधिकारी भी उपस्थित रहे। इसके बाद डॉक्टर राघवेंद्र शुक्ला ने पार्षदों और बिजली विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की जिसमे गर्मी के मौसम में जनमानस को निर्बाध बिजली आपूर्ति पर चर्चा की। बैठक में मौजूद चीफइंजीनियर ने बताया की सभी जगह ट्रांसफार्मरों का लोड बढ़ाया जा रहा है जिससे इनकी क्षमता मे वृद्धि होगी। रवि अग्रवाल ने बताया कई जगह पर नए 5 एमवीए हेवी ट्रासफार्मर भी लगाए जा रहे हैं जिसमे ओल्ड राजाजीपुरम, अपट्रान और ऐशबाग मे इन ट्रांसफार्मरों के लगने का काम लगभग पूरा कर लिया गया है।

फुले फिल्म पर रोक दलित समाज का अपमान, भाजपा का दोहरा चेहरा उजागर

चर्चित राजनीति। संवाददाता

गौतमबुद्धनगर। राज्यसभा सांसद व यूपी प्रभारी संजय सिंह ने गौतमबुद्धनगर में आम आदमी पार्टी द्वारा आयोजीत प्रेसवार्ता में कहा कि सावित्रीबाई फुले और ज्योति फूले के जीवन पर आधारित बहुचर्चित फिल्म 'फूले' को सेंसर बोर्ड द्वारा 16 कट्स लगाने के बाद 11 अप्रैल को रिलीज़ होने से रोक दिया गया, जो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर सीधा हमला है। अब यह फिल्म 25 अप्रैल को रिलीज़ होगी। यह निर्णय उन महान समाज सुधारकों की विरासत और संघर्ष को दबाने की कोशिश है, जिन्होंने देश में समानता और शिक्षा की लड़ाई लड़ी।

उन्होंने कहा कि यह घटना भारतीय जनता पार्टी की असल सोच को उजागर करती है। एक ओर वे संविधान, बाबा साहेब और दलित अधिकारों की बातें करते हैं, और दूसरी ओर जब कोई फिल्म समाज के शोषण के खिलाफ आवाज़ उठाती है, तो उसे सेंसर के बहाने रोका जाता है। यह दोहरापन अब देश से छुपा नहीं है। संजय सिंह ने स्पष्ट किया है कि यह सेंसरशिप केवल एक फिल्म पर नहीं, बल्कि पूरे दलित आंदोलन और सामाजिक न्याय के मूल्यों पर हमला है। जब 'कश्मीर फाइल्स' और 'केरल स्टोरी' जैसी नफरत फैलाने वाली फिल्मों को सरकार प्रचारित करती है, तब 'फूले' जैसी ऐतिहासिक, संवेदनशील और प्रेरणादायक फिल्म को रोका जाना एक सोची-समझी राजनीतिक साज़िश है। खास बात यह है कि इस फिल्म के निर्देशक ब्राह्मण समुदाय से हैं और उन्होंने समाज के सभी पक्षों को निष्पक्ष रूप से दिखाया है – पीड़ा भी और सहयोग भी। उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि हाल ही में कासगंज में हुए गैंगरेप की जघन्य घटना, जिसमें भाजपा का नेता शामिल है, यह साबित करती है कि योगी सरकार अपराधियों को खुली छूट दे रही है। ऐसे में वक़्फ़ बोर्ड जैसे असंवैधानिक बिल लाकर भाजपा प्रदेश का सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ने का प्रयास न करें। आम आदमी पार्टी ने यह स्पष्ट किया है कि वह इस तरह की नफरत की राजनीति और संविधान विरोधी सोच का हर स्तर पर विरोध करेगी।

राजधानी में आज गरज व चमक के साथ बारिश संभव

लखनऊ, चसं। राजधानी लखनऊ में मंगलवार को तापमान सामान्य से अधिक रहा। बुधवार सुबह से मौसम साफ बना हुआ है। 10 से 20 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से ठंडी पूर्वी हवा चल रही है। दोपहर में पारा बढ़ेगा। इससे सड़क पर आवाजाही करने वालों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा। मौसम विभाग का अनुमान है कि आज लखनऊ का अधिकतम तापमान 36 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री के आसपास दर्ज किया जाएगा। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि कल से फिर यूपी में मौसम बदलने की संभावना है। उनका कहना है कि पूर्वी उत्तर प्रदेश से मौसम बदलेगा। बारिश गरज चमक के साथ बौछार पड़ सकती है। इसके बाद 18 अप्रैल से पूरे प्रदेश में मौसम बदलेगा। इस दौरान 20 अप्रैल तक तेज हवा, बादलों की गरज चमक के साथ बारिश की संभावना है। वहीं, मानसून में बारिश पर उन्होंने कहा कि इस बार सामान्य से 5 फीसदी अधिक वर्षा का अनुमान देश में है। 87 सेमी की बारिश का अनुमान है जो सामान्य से 5 फीसदी अधिक है। उत्तर प्रदेश में ज्यादातर स्थानों पर मानसूनी बारिश सामान्य अथवा सामान्य से ज्यादा रहने की सम्भावना है।

ईडी जैसी संस्था को समाप्त कर देना चाहिए-नेशनल हेराल्ड मामले में अखिलेश यादव का आया रिएक्शन

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। नेशनल हेराल्ड मामले को लेकर उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने ही ईडी बनाई थी और आज ईडी की वजह से उन्हें भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ईडी जैसे विभाग को समाप्त कर देना चाहिए। देश में इनकम टैक्स जैसे कई इकोनामिक संस्थाए हैं ऐसे में ईडी क्या जरूर है इसे बंद कर देना चाहिए।

बता दें कि ईडी ने नेशनल हेराल्ड मामले में धन शोधन के आरोप में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अन्य के खिलाफ आरोप-पत्र दाखिल किया है। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने नौ अप्रैल को दाखिल आरोप-पत्र के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर पड़ताल की और सुनवाई की अगली तारीख 25 अप्रैल निर्धारित की। वहीं भाजपा ने आरोप लगाया कि सोनिया गांधी के दामाद रॉबर्ट वाद्रा पर हरियाणा में तत्कालीन कांग्रेस सरकार

● कांग्रेस ने ही बनाई थी ईडी

की मिलीभगत से जमीन सौदे में भारी मुनाफा कमाने के आरोप का जिक्र किया। आरोप लगाया कि 'नेशनल हेराल्ड की शुरुआत 1930 के दशक में स्वतंत्रता संग्राम की आवाज के रूप में 5,000 शेयरधारकों के साथ की गई थी, लेकिन इसे नेहरू-गांधी परिवार की जागीर बना दिया गया। ईडी ने कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी तथा अन्य के खिलाफ'नेशनल हेराल्डश् मामले में यहां एक विशेष अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया है, जिसमें उन पर कथित तौर पर 988 करोड़ रुपये के धनशोधन का आरोप लगाया गया है। कांग्रेस ने ईडी के आरोपपत्र को राजनीतिक प्रतिशोध बताया है।

उत्तर प्रदेश सरकार पर अखिलेश यादव ने साधा निशाना : समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को इटावा में सुमेर सिंह किले के पास चंबल के बीहड़ों में बड़े पैमाने पर अवैध खनन और पर्यावरण विनाश का आरोप लगाया। उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार के अधिकारियों पर भ्रष्टाचार और मिलीभगत के जरिए पूरी पहाड़ी का अस्तित्व मिटाने में मदद करने का आरोप लगाया। अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखे गए पोस्ट में सवाल उठाया कि इटावा में सुमेर सिंह किले के पास वाले बड़े-छोटे पहाड़ क्या बड़े-छोटे अधिकारी के साथ ही बस्ती-गोरखपुर की तरफ 'ट्रांसफर' कर दिये गये हैं?

उन्होंने एक वीडियो क्लिप साझा की जिसमें उस जगह पर अब आंशिक रूप से समतल परिदृश्य दिख रहा है, जहां कभी पहाड़ियां हुआ करती थीं। उन्होंने कहा, ''अधिकारी तो नये आ जाएंगे लेकिन भ्रष्टाचार के फावड़े से काटकर गुम कर दिया गया और मिलीभगत से काट-बांटकर गायब कर दिया गया चंबल के बीहड़ का पहाड़ कैसे वापस आएगा।'' उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''पर्यावरण कहे आज का, नहीं चाहिए भाजपा!'

सपा ने अखिलेश यादव के लिए मांगी एनएसजी सुरक्षा

लखनऊ, चसं। समाजवादी पार्टी (सपा) ने केंद्र सरकार से पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव के लिये एनएसजी सुरक्षा बहाल करने की मांग की है। पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता फखरुल हसन चांद द्वारा केंद्रीय गृह मंत्री को बुधवार को भेजे एक पत्र में कहा गया है कि सपा देश की तीसरी सबसे बड़ी पार्टी है, जिसके अध्यक्ष को पिछले दिनो जानलेवा हमलों की धमकी खुलेआम दी गई है जिस पर राज्य सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की है। प्रदेश प्रवक्ता ने कहा, पार्टी अध्यक्ष उत्तर प्रदेश के अलावा अन्य राज्यों में भी आते जाते रहते हैं, इसलिए उनकी जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा के साथ साथ एनएसजी कवर भी दिया जाना जरुरी है। उन्होंने कहा कि पूर्व में अखिलेश यादव को जेड प्लस सुरक्षा के साथ साथ एनएसजी सुरक्षा कवर भी दिया गया था मगर कतिपय कारणों से एनएसजी कवर सुरक्षा हटा ली गई। पिछले दिनों एक न्यूज चौनल के सामने एक व्यक्ति ने खुलेआम यादव को जान से मारने की धमकी दी थी, इसके अलावा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक नेता द्वारा भी सपा अध्यक्ष को मारने की धमकी दी गयी।

ईश्वर ने संसार को कर्म प्रधान बना रखा है, धर्म, मित्र, धैर्य और नारी की परीक्षा आपात स्थिति में ही होती है, हमें अपने कद से ज़्यादा पांव नहीं फैलाना चाहिए, दूसरों की बुराई करने से आपकी मान-प्रतिष्ठा खो जाती है : तुलसीदास

संपादकीय

चोकसी पर चौकसी

हाल ही में मुंबई हमले के मुख्य साजिशकर्ता तहव्वुर राणा को भारत लाने और अब बेल्जियम में सबसे बड़ी बैंकिंग धोखाधड़ी करके फरार हुए हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी की गिरफ्तारी के गहरे निहितार्थ हैं। इससे देश में अपराध करके भागने वालों के लिये सख्त संदेश जाएगा कि वे साफबचकर नहीं निकल सकते। जांच एजेंसियों की सतर्कता, अधिकारियों की तत्परता और सत्ताधीशों की सजगता स्थितियां बदल सकती है। बहरहाल, चोकसी की गिरफ्तारी से यह उम्मीद जरूर जगी है कि देर-सवेर भारत लाकर उस पर मुकदमा चलाया जा सकेगा। उल्लेखनीय है कि साल 2018 में देश के सबसे बड़े बैंक घोटाले के जरिये चोकसी एंड पार्टी ने पूरे देश की बैंकिंग व्यवस्था को हिलाकर रख दिया था। चोकसी पर आरोप है कि उसने पंजाब नेशनल बैंक के साथ करीब तेरह हजार करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की थी। आरोप है कि इस धोखाधड़ी में कथित तौर पर बैंक अधिकारियों और अन्य लोगों की भी गहरे तक मिलीभगत थी। दरअसल, इस बड़े घोटाले के सार्वजनिक होने से पहले ही मेहुल चोकसी और सह-आरोपी उनका भतीजा नीरव मोदी भारत से भागने में सफल हो गए थे। नीरव को वर्ष 2019 में ब्रिटेन में गिरफ्तार कर लिया गया था। वह अभी भी वहीं हिरासत में है। लेकिन येन-केन-प्रकारेण तथा लगातार नयी दलीलें देकर अपना प्रत्यर्पण टालने में सफल रहा है। दरअसल, पश्चिमी देशों में सशक्त नागरिक व मानव अधिकारों का दुरुपयोग ये अभियुक्त अपनी खाल बचाने के लिये बखूबी करते हैं। दूसरे उनके पास घोटाले का पर्याप्त पैसा है, जिससे वे महंगी कानूनी लड़ाई के जरिये अपना बचाव करने में कामयाब होते रहे हैं। बहरहाल, भले ही चोकसी की बेल्जियम में गिरफ्तारी हो गई है,लेकिन उसकी जल्दी वापसी इतनी भी आसान नहीं है। इस मामले को देख रहे अधिकारियों को अभी लंबी कानूनी लड़ाई के लिये तैयार रहना होगा। यह तय है कि चोकसी अपनी रिहाई सुनिश्चित करने तथा अपना प्रत्यर्पण टालने के लिये कानूनी मोर्चे पर कोई कसर नहीं छोड़ने वाला है। निश्चित रूप से हमें बचाव पक्ष के वकीलों की रणनीति को लेकर कोई आश्चर्य न होगा कि चोकसी के खराब स्वास्थ्य को आधार बनाकर जमानत लेने का प्रयास किया जाए। खबरों में बताया जा रहा है कि चोकसी कैंसर का इलाज करा रहा है। वहीं दूसरी ओर देश में अपराध करके भागने वाले लोग विदेशी अदालतों में यह दलील देने से नहीं चूकते कि भारत में जेलों के हालात खराब है और वे उन स्थितियों में नहीं रह सकते। ऐसे में भारतीय जांच एजेंसियों को इस तरह के कुतर्कों का पुख्ता तरीके से मुकाबला करने के लिये पूरी तैयारी के साथ विदेशी अदालतों में अपना पक्ष सशक्त ढंग से रखना होगा। यह भी महत्वपूर्ण है कि इस प्रकरण में भारत के सबसे बड़े बैंक घोटाले की जांच दांव पर है। इसके अलावा इस मामले में भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम की प्रभावशीलता की भी कसौटी शामिल है। जिसे राजग सरकार ने वर्ष 2018 में मेहुल चोकसी व नीरव मोदी के देश से भागने के बाद लागू किया था। यह विडंबना ही कही जाएगी कि चोकसी को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित करने तथा अधिनियम के प्रावधानों के तहत उसकी संपत्ति जब्त करने की प्रवर्तन निदेशालय की याचिका पिछले सात सालों से मुंबई की एक अदालत में लंबित है। बहरहाल, देश के सबसे बड़े बैंकिंग घोटाले में चोकसी के खिलाफ कार्रवाई तेज की जानी चाहिए। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के सख्त कानूनी प्रावधानों के चलते पिछले कुछ सालों में बैंकिंग धोखाधड़ी में शामिल राशि में उल्लेखनीय कमी आई है।

राजनीति, युद्ध और इतिहास की सच्चाई

> इतिहास एक स्थिर तथ्य नहीं, बल्कि व्याख्या का विषय होता है। अलग-अलग ऐतिहासिक स्रोतों में बाबर और राणा सांगा की भूमिका को अलग-अलग तरीकों से प्रस्तुत किया गया है। इतिहास का राजनीतिकरण समाज में विभाजन और टकराव को बढ़ा सकता है। ऐतिहासिक घटनाओं का उपयोग किसी विशेष समूह को श्रेष्ठ या निम्न दिखाने के लिए किया जाता है, जिससे समाज में वैमनस्य बढ़ता है। राणा सांगा और बाबर दोनों ही इतिहास में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं। जहां एक ओर राणा सांगा को हिंदू राष्ट्रवाद का प्रतीक माना जाता है, वहीं बाबर को एक आक्रांता या साम्राज्य निर्माता के रूप में देखा जाता है। राणा सांगा की वीरता और उनकी युद्धनीति का वर्णन बाबर स्वयं बाबरनामा में किया है।

इतिहास केवल घटनाओं का संकलन नहीं, बल्कि उन व्यक्तित्वों का जीवंत दस्तावेज है, जिन्होंने अपने साहस, पराक्रम और दूरदृष्टि से समय की धारा को मोड़ा। इतिहास के पृष्ठों में वीरता और धैर्य के अनेक उदाहरण मिलते हैं, किंतु कुछ चरित्र ऐसे होते हैं जो अपने साहस और रणनीतिक चातुर्य से एक युग को परिभाषित कर जाते हैं। राजस्थान की धरती वीरता, त्याग और शौर्य की अमर गाथाओं से सजी हुई है, और इसी भूमि ने इतिहास के स्वर्णिम पृष्ठों पर अनेक महानायकों को जन्म दिया है। ऐसे ही एक यशस्वी और पराक्रमी शासक थे राणा सांगा, जिनका नाम भारतीय इतिहास में अदम्य साहस और अप्रतिम युद्धकौशल के प्रतीक के रूप में दर्ज है। उनका जीवन केवल युद्धों और संघर्षों की गाथा नहीं, बल्कि वीरता, कूटनीति और संगठन शक्ति की अनुपम मिसाल भी है। राणा सांगा केवल मेवाड़ के गौरवशाली सिसोदिया वंश के स्वाभिमानी शासक थे, बल्कि समूचे हिंदुस्तान में हिंदू शक्ति के अंतिम सशक्त प्रहरी के रूप में प्रतिष्ठित हुए। उनका जीवन संघर्ष, कूटनीति और रणकौशल की अद्वितीय मिसाल है, जिसने भारतीय उपमहाद्वीप की राजनीति को नया मोड़ दिया। उनका शासनकाल (1508-1528) न केवल युद्धों और संघर्षों से भरा था, बल्कि भारतीय राजनीति के महत्वपूर्ण मोड़ों में से एक था। उनके नेतृत्व में राजपूतों ने दिल्ली, गुजरात, और मालवा के सुल्तानों के विरुद्ध अनेक विजय प्राप्त कीं। आज भी, राणा सांगा के चरित्र पर ऐतिहासिक व्याख्याओं और राजनीतिक मतभेदों की छाया देखी जा सकती है।

समकालीन घटनाएं सिद्ध करती हैं कि इतिहास केवल बीते समय का दस्तावेज नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य की राजनीति का दर्पण भी है। आवश्यक है कि हम इतिहास को निष्पक्ष दृष्टि से देखें, ताकि राष्ट्र की गौरवशाली धरोहर को सही परिप्रेक्ष्य में समझ सकें और उससे प्रेरणा प्राप्त कर सकें। हाल में समाजवादी पार्टी के एक सांसद द्वारा राणा सांगा और बाबर को लेकर दिया गया एक विवादास्पद बयान सुर्खियों में आ गया। इस बयान ने ऐतिहासिक घटनाओं की व्याख्या के बहस को फिर से जीवंत कर दिया, जिससे विभिन्न राजनीतिक और सामाजिक समूहों में आक्रोश फैल गया। सांसद ने अपनी टिप्पणी में बाबर को एक विजेता और राणा सांगा को पराजित योद्धा के रूप में प्रस्तुत किया, जिससे कुछ लोगों ने इसे ऐतिहासिक तथ्यों का विकृतिकरण माना, जबकि कुछ ने इसे इतिहास के पुनर्पाठ

की आवश्यकता से जोड़ा। यह विवाद दरअसल इतिहास की भिन्न व्याख्याओं और उनके राजनीतिक उपयोग का एक उदाहरण बन गया। इस बयान पर राजनीतिक दलों की तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आईं। भाजपा और कुछ अन्य राष्ट्रवादी संगठनों ने इसे भारतीय परंपराओं और गौरवशाली अतीत के अपमान के रूप में देखा, वहीं कुछ विपक्षी नेताओं ने इसे नए नजरिए से इतिहास को देखने की वकालत के रूप में प्रस्तुत किया। सोशल मीडिया पर भी यह मुद्दा गरमाया, जहां कुछ लोगों ने सांसद के बयान को ऐतिहासिक तथ्यों का तोड़ मरोड़कर प्रस्तुत करने वाला बताया, तो कुछ ने इसे इतिहास के पुनर्मूल्यांकन के रूप में उचित ठहराया। यह घटनाक्रम बताता है कि इतिहास न केवल अतीत का दस्तावेज़ होता है, बल्कि वह समसामयिक राजनीति का भी हिस्सा बन जाता है। यह इतिहास का राजनीतिकरण नया नहीं है। राणा सांगा और बाबर के संघर्ष की व्याख्या कभी धार्मिक, कभी सांस्कृतिक, तो कभी राष्ट्रीय गौरव के परिप्रेक्ष्य में की जाती रही है। सत्ता और विचारधाराओं की राजनीति में ऐतिहासिक घटनाओं का प्रयोग अक्सर अपनी अनुकूल व्याख्या के लिए किया जाता है। यह आवश्यक है कि इतिहास को तटस्थ और अकादमिक दृष्टिकोण से देखा जाए, न कि उसे समसामयिक राजनीतिक लाभ के लिए तोड़ा-मरोड़ा जाए।ऐतिहासिक पात्रों और घटनाओं का विश्लेषण तथ्यों के आधार पर हो, न कि वर्तमान राजनीतिक हितों के अनुरूप। संविधान के अनुच्छेद 19(1)(a) के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार दिया गया है, लेकिन यह पूर्णतः निरंकुश नहीं है। यदि कोई बयान सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ने वाला हो, तो सरकार कार्रवाई कर सकती है। ऐतिहासिक घटनाओं पर चर्चा करने की स्वतंत्रता होनी चाहिए, लेकिन यह सामाजिक शांति और एकता को प्रभावित न करे, इसका भी ध्यान रखा जाना चाहिए।।यदि कोई बयान धर्म या जाति के आधार पर समाज में विद्वेष फैलाने का प्रयास करता है, तो भारतीय दंड संहिता की धारा 153(A) और 295(A) के तहत कार्रवाई हो सकती है। इतिहास एक स्थिर तथ्य नहीं, बल्कि व्याख्या का विषय होता है। अलग-अलग ऐतिहासिक स्रोतों में बाबर और राणा सांगा की भूमिका को अलग-अलग तरीकों से प्रस्तुत किया गया है। इतिहास का राजनीतिकरण समाज में विभाजन और टकराव को बढ़ा सकता है। ऐतिहासिक घटनाओं का उपयोग किसी विशेष समूह को श्रेष्ठ या निम्न दिखाने के लिए किया जाता है, जिससे समाज में वैमनस्य बढ़ता है। राणा सांगा और बाबर दोनों ही इतिहास में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं। जहाँ एक ओर राणा सांगा को हिंदू राष्ट्रवाद का प्रतीक माना जाता है, वहीं बाबर को एक आक्रांता या साम्राज्य निर्माता के रूप में देखा जाता है। राणा सांगा की वीरता और उनकी युद्धनीति का वर्णन बाबर स्वयं बाबरनामा में किया है । बाबर लिखता है कि राणा सांगा उस काल के सबसे शक्तिशाली हिंदू राजा थे, जिनकी सेना में 80,000 घुड़सवार और 500 युद्ध हाथी थे। उनके अधीनस्थ सात राजा, नौ राव, और 104 छोटे सरदार थे, जो उनकी शक्ति और प्रभाव का परिचायक है। इतिहासकार सतीश चंद्र अपनी पुस्तक मध्यकालीन भारत का इतिहास में लिखते हैं कि सांगा ने राजपूतों को संगठित कर एक मजबूत गठबंधन तैयार किया था, जो दिल्ली सल्तनत के मुस्लिम शासकों के लिए एक गंभीर चुनौती था। आर.सी. मजूमदार का मत है कि राणा सांगा और बाबर के बीच कोई औपचारिक समझौता नहीं हुआ था। वे इस धारणा को नकारते हैं कि सांगा ने बाबर को भारत आने का निमंत्रण दिया था। बाबर का यह दावा केवल उसकी जीत को वैध ठहराने के लिए किया गया एक राजनैतिक औचित्य हो सकता है। इसी मत को हरीश चंद्र वर्मा भी अपनी पुस्तक मध्यकालीन भारत में दोहराते हैं, जिसमें वे स्पष्ट करते हैं कि राणा सांगा बाबर को केवल एक बाहरी आक्रमणकारी मानते थे, जो संभवतः तैमूर की भांति भारत में लूटपाट कर वापस चला जाएगा। **:: एजेंसी**

स्वास्थ्य की रक्षा व भारत की आत्मनिर्भरता

भारत के बारे में एक आम धारणा यह है कि भारत भयंकर भूख से पीड़ित देश है। अगर हम वेल्टहंगरहिल्फ की रिपोर्ट पर यकीन करें तो आज भी भारत 127 देशों की सूची में भूख के मामले में 105वें स्थान पर है। लेकिन सच यह है कि आज भारत में बड़ी संख्या में लोग वजन कम होने से कम, बल्कि मोटापे की समस्या से ज्यादा पीड़ित हैं। यही वजह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के लोगों से खाद्य तेलों का इस्तेमाल कम से कम 10 प्रतिशत कम करने की अपील की है।

प्रधानमंत्री ने चेतावनी दी है कि साल 2050 तक भारत में 44 करोड़ लोग मोटापे की समस्या से पीड़ित होंगे, जो कई बीमारियों की जड़ है। गौरतलब है कि स्वास्थ्य क्षेत्र के विशेषज्ञों का कहना है कि टाइप-2 डायबिटीज, हृदय रोग, कैंसर और स्ट्रोक समेत कई बीमारियां मुख्य रूप से मोटापे की वजह से होती हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण 2015-16 और 2020-21 के अनुसार, इन 5 वर्षों में मोटापे से पीड़ित महिलाओं की संख्या 20.6 प्रतिशत से बढ़कर 24 प्रतिशत हो गई, जबकि पुरुषों में यह 18.9 प्रतिशत से बढ़कर 22.9 प्रतिशत हो गई। यानी हमारी लगभग एक-चौथाई आबादी मोटापे से पीड़ित है। मोटापे की समस्या आम तौर पर जीवनशैली से जुड़ी होती है। इसके कई कारण हैं, जिनमें शारीरिक श्रम की कमी, वसा (खाद्य तेल), चीनी और नमक का अधिक सेवन शामिल है। अगर हम खाद्य तेलों के उपयोग की बात करें तो हम देखते हैं कि खाद्य तेलों की प्रति व्यक्ति खपत, जो 1950 से 1960 के दशक में प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष केवल 2.9 किलोग्राम थी, अब उद्योग रिपोर्ट के अनुसार बढ़कर 19.4 किलोग्राम प्रति व्यक्ति वार्षिक हो गई है। ध्यान देने वाली बात यह है कि यह विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष 13 किलोग्राम की अनुशंसित खपत और आईसीएमआर (भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद) की सिफारिश, प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष 12 किलोग्राम से कहीं अधिक है। गौरतलब है कि जनसंख्या 1951 में 35.4 करोड़ से बढ़कर 2023 तक 143.8 करोड़ हो गई और इस अवधि के दौरान खाद्य तेलों की घरेलू उपलब्धता 13.8 लाख टन से बढ़कर 114 लाख मीट्रिक टन हो गई। लेकिन इसी अवधि के दौरान 1951 में खाद्य तेलों के नगण्य आयात की तुलना में, 2022-23 तक यह 164.7 लाख टन तक पहुंच गया। घरेलू उत्पादन में आयात को जोड़कर, खाद्य तेलों की कुल उपलब्धता 2022-23 तक 278.7 लाख मीट्रिक टन तक पहुंच गई। यह ध्यान देने योग्य है कि यदि खाद्य तेलों की खपत आईसीएमआर द्वारा अनुशंसित सीमा के भीतर हो तो भले ही घरेलू उत्पादन मौजूदा स्तर पर बना रहे, भारत को खाद्य तेलों के आयात की आवश्यकता केवल 56.64 लाख मीट्रिक टन होगी। देश को खाद्य तेलों में

> **2030 में 151 करोड़ की अपेक्षित आबादी के साथ, यदि देश में खाद्य तेलों की प्रति व्यक्ति वार्षिक खपत 10 प्रतिशत कम हो जाती है, वहीं दूसरी ओर खाद्य तेल मिशन के उद्देश्यों के अनुसार देश में खाद्य तेलों का उत्पादन 2022-23 में 114 टन से 78 प्रतिशत बढ़कर वर्ष 2030 तक 203 लाख टन हो जाता है, तो इसका कुल प्रभाव यह होगा कि देश में खाद्य तेलों का आयात वर्तमान 164.7 लाख टन से घटकर मात्र 60.7 लाख टन रह जाएगा, यानी आयात में 63 प्रतिशत की कमी आएगी।**

आत्मनिर्भर बनाने तथा आयात पर बोझ कम करने के लिए भारत सरकार द्वारा अक्टूबर 2024 में खाद्य तेल मिशन शुरू किया गया, जिसके अनुसार 10103 करोड़ रुपए का व्यय किया जाएगा तथा प्राथमिक तिलहनों का उत्पादन वर्ष 2022-23 में 390 लाख टन से बढ़ाकर अगले 7 वर्षों में 697 लाख टन करने का लक्ष्य रखा गया है। कहा जा सकता है कि इससे आयात पर निर्भरता कम होगी। और यदि प्रधानमंत्री की अपील भी कारगर रही तो आयात और भी कम हो जाएगा। घटिया तेलों की खपत भी कम होगी ¬वर्तमान में भारत में उत्पादित खाद्य तेलों का 67.4 प्रतिशत विभिन्न प्राथमिक तिलहनों से, 5.1 प्रतिशत नारियल से, 2.2 प्रतिशत ताड़ से, 11.0 प्रतिशत कपास के बीजों से, 9.8 प्रतिशत चावल की भूसी से, 3.1 प्रतिशत तिलहनों के सॉल्वेंट निष्कर्षण से तथा 1.4 प्रतिशत वनों एवं वृक्षों से प्राप्त होता है। देश में विभिन्न प्रकार के तिलहनों का उत्पादन पारंपरिक तरीके से किया जाता है। भारत के पारंपरिक खाद्य तेल काफी हद तक स्वास्थ्य के लिए अच्छे माने जाते हैं। लेकिन विदेशों पर हमारी निर्भरता के कारण देश में बड़ी मात्रा में ऐसे तेल आयात और उपयोग होने लगे, जिन्हें स्वास्थ्य के लिए हानिकारक माना जाता है। यह भी माना जाता है कि जीएम खाद्य तेलों का भी अवैध रूप से बड़ी मात्रा में आयात किया जा रहा है। आज जब भारत में खाद्य तेलों की कुल खपत का 57 फीसदी आयात से पूरा होता है, जिसमें से 59 फीसदी पाम ऑयल से आता है। इसके अलावा सूरजमुखी तेल, सोयाबीन तेल, पाम ऑयल का भी आयात किया जाता है। भारत के अपने उत्पादित तेलों में सरसों तेल की हिस्सेदारी 33 फीसदी, मूंगफली तेल की 25.4 फीसदी और सोयाबीन की 19 फीसदी है।

सरसों तेल का भारतीय खानपान में काफी महत्व है और यह सबसे ज्यादा लोकप्रिय भी है। लेकिन खाद्य तेलों के अपर्याप्त उत्पादन और प्रति व्यक्ति खपत में लगातार वृद्धि तथा बढ़ती जनसंख्या के कारण स्वास्थ्य के लिए हानिकारक पाम ऑयल जैसे तेल भी बड़ी मात्रा में भारत में प्रवेश कर चुके हैं। भारत में बड़ी मात्रा में आयात किया जाने वाला पाम ऑयल, जो अब हमारी खाद्य श्रृंखला का एक प्रमुख हिस्सा बन चुका है, वास्तव में स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक है। इसमें संतृप्त वसा की उच्च मात्रा के कारण हानिकारक एलडीएल कोलेस्ट्रॉल बढने की संभावना है, जिससे हृदय रोग, मोटापा और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। लेकिन सस्ता होने के कारण इसका आयात लगातार बढ़ रहा है। यह भी माना जाता है कि भारत में सरसों के तेल में ब्लेंडिंग के नाम पर बड़ी मात्रा में पाम ऑयल मिलाकर बेचा जाता है। इसके अलावा जीएम तेलों के स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव की चिंता भी महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भारत के लोगों को दी गई यह सलाह कि उन्हें अपने भोजन में खाद्य तेलों का उपयोग कम करना चाहिए, एक नेक सलाह है। यह अनुभव किया गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी लोकप्रियता के कारण लोगों को जो भी सलाह या अपील करते हैं, उसका लोगों पर निश्चित रूप से महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। चाहे खुले में शौच से जुड़ी अपील हो, या स्वच्छता की बात हो, या कोविड के दौरान टीका लगवाने की सलाह हो, या गैस सब्सिडी छोड़ने की बात हो, ऐसे कई उदाहरण हैं जहां लोगों ने प्रधानमंत्री की बातों को बहुत गंभीरता से लिया और देश तथा समाज को इससे बहुत लाभ हुआ। **:: एजेंसी**

कथा हमारे समाजवाद की

ऐसा नहीं कि अपने समय में मैं चीज नहीं था। था तो सही, पर मेरे दोस्तों ने मुझे नाचीज बनाकर ही रखा। कभी इस नाचीज को चीज बनने का मौका ही नहीं दिया। दोस्त होते ही ऐसे हैं दोस्तो ! जो आप बनना चाहें वे अगर आपको वह बनने में आपकी सहायता करें तो वे दोस्त ही काहे के। कभी मुझ नाचीज को बीज पर तावीज से अधिक भरोसा था। मैं मानता था कि तावीज असर दिखाए या न, पर बीज जरूर असर दिखाते हैं। उन दिनों जो यों ही सूखी क्यारियों में विश्वास के बीज फेंक देता था तो समय से पहले ही बीजों से विश्वास के अंकुर फूट जाते थे। प्रेम के बीज बीजता था तो प्रेम उग आता था। ईमानदारी के बीज यों ही कहीं भी फेंक देता था तो उम्मीद से अधिक ईमानदारी उग आती थी। पर पिछले कुछ अर्से से हो यह रहा है कि मेरे बीजे बीज बेअसर हो रहे हैं। पता नहीं ये बीज सही नहीं, या फिर मेरे हाथों को ही अब कुछ हो गया है।

इन दिनों अपनी क्यारी में ईमानदारी के बीज लगाता हूं तो उनकी जगह घास उग आती है। विश्वास के बीज लगाता हूं तो उनकी जगह घास उग आती है। सच के बीज लगाता हूं तो सच उगने की जगह घास उग आती है। बड़ी उम्मीद के साथ बाजार से बीजों की प्रमाणित दुकान से प्रमाणित प्रेम के बीज खरीद कर लगाता हूं तो कुछ दिन बाद वहां पर प्रेम के बीज में अंकुर आने की बजाय घास उग आती है। ऐसे बिगड़े माहौल में सच कहूं तो अब मैंने बीज लगाने ही बंद कर दिए हैं। दूसरी ओर जिन तावीजों पर पहले मेरा कतई विश्वास न था, आजकल उनका जादू मेरे अड़ोस पड़ोस में हर सिर पर सिर चढ़ कर बोल रहा है। राजनीति में तो तावीजों के बिना पक्ष-विपक्ष का कोई भी जनसेवक घर से बाहर निकलता ही नहीं। उनके लिए उनके अंगरक्षक उनके कवच नहीं, तावीज ही उनके कवच होते हैं, टू मच होते हैं, वैरी वैरी मच होते हैं। सच कहूं तो आज तावीजों का कारोबार बीजों से बहुत अधिक बड़ा है। कदम-कदम पर अप्रत्याशित संभावनाओं के दौर में गले में कुछ और हो या न, पर आपको हर गले में, हाथ की उंगलियों में एक ठो तावीज जरूर लटका मिल जाएगा। तावीजों की महिमा का बखान अब कहां तक करूं जनाब ! सच कहूं तो मेरी लिखी मौलिक कविताएं बड़े दिनों से कहीं छप नहीं रही थीं। मैंने अपने एक खास एक रचना दस दस जगह छपवाने वाले रचनात्मक मित्र को जब अपना रचनात्मक दर्द सुनाया तो उन्होंने मुझे कविताएं छपने को भेजने से पूर्व कविताएं छपने को भेजने वाले लिफाफे को अपने तावीज से टच करने के बाद पोस्ट करने का सुझाव दिया। कवि जिंदगी में और कुछ नहीं चाहता। बस, यही चाहता है कि उसकी पूर्व में छपी रचनाएं दस दस जगह मौलिक, अप्रकाशित, अप्रसारित का प्रमाणपत्र देने के बाद भी छपती रहें। मैंने ऐसा ही किया। और मजे की बात ! हफ्ते बाद उन कविताओं के प्रकाशन की चार जगहों से सूचनाएं मेरे द्वार पर पोस्टमैन गिरा गया। ऐसे में अब तो यही लगता है कि ज्यों विश्वास, प्रेम, ईमानदारी, सच के बीज उगाने के लिए उनके गले में भी तावीज बांधने पड़ेंगे।

समय से पहले आई खूबसूरती से क्यों भयभीत हैं पहाड़ के लोग

हिमाचल प्रदेश या पूरे हिमालय क्षेत्र में सौंदर्य के प्रतीक से इन दिनों क्यों भयभीत है लोग? क्यों उन्हें यह सुंदरता रास नहीं आ रही? खूबसूरती से क्यों नाखुश है पर्वतीय इलाकों के रहवासी और प्राकृतिक सौंदर्य के उपासक क्यों नहीं चाहते असमय प्रकृति की नेमत? ये ऐसे कुछ सवाल हैं जिनके जवाब हमें केवल पर्वतीय इलाकों के जानकार ही दे सकते हैं। आखिर, कोई तो बात होगी जिसके फलस्वरूप यहां के लोगों को प्राकृतिक सुंदरता रास नहीं आ रही? हम बात कर रहे हैं कि पर्वतीय राज्यों के एक सुंदर वरदान की जिसका नाम है - बुरांश। बुरांश का पेड़ और इसके फूल हिमाचल सहित देश के तमाम पर्वतीय राज्यों के सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक और प्राकृतिक संस्कारों से जुड़े हैं।

बुरांश न केवल खूबसूरत है बल्कि सेहत की अनेक नेमतों से परिपूर्ण भी है। यह अर्थव्यवस्था का भी एक अनिवार्य हिस्सा है। बुरांश के महत्व को इस बात से समझा जा सकता है कि आईआईटी मंडी और इंटरनेशनल सेंटर फॉर जेनेटिक इंजीनियरिंग एंड बायोटेक्नालॉजी (आईसीजीईबी) के शोधकर्ताओं ने बुरांश की पंखुड़ियों में मौजूद फाइटोकेमिकल्स की पहचान की है जो कोविड 19 वायरस को रोक सकते हैं। एक अध्ययन में पाया गया है कि बुरांश के फूल में एंटीवायरल के गुण होते हैं, जो सार्स-सीओवी 2 से संक्रमित कोशिकाओं के इलाज में मदद कर सकते हैं। कुछ शोधों में यह भी पाया गया है कि बुरांश के रस

> **यदि फूल समय से पहले या अनियमित रूप से खिलते हैं, तो यह खाद्य श्रृंखला गड़बड़ा जाती है। बुरांश के फूलों का उपयोग रस और शरबत आदि बनाने में होता है। अनियमित फूलों की वजह से इनमें रस कम बनता है और किसानों और स्थानीय लोगों की कमाई भी प्रभावित होती है। यही लोगों की चिंता का कारण है।**

का सेवन दिल और लिवर के लिए फायदेमंद हो सकता है। लेकिन हिमालय को मिला प्रकृति का यही उपहार यहां खतरे का संकेत दे रहा है। पिछले कुछ सालों से यह फूल समय से पहले खिलने लगा है और यही पर्वतीय लोगों के साथ-साथ वैज्ञानिकों के लिए भी चिंता का सबब है। बुरांश का समय से पहले खिलना बर्फबारी कम होने का संकेत है और कम वर्षा का भी। शिमला या इस जैसे तमाम पर्यटन स्थलों का सौंदर्य और आर्थिक प्रगति वहां होने वाले हिमपात पर निर्भर है। बीते कुछ सालों में न केवल शिमला सहित अधिकतर पर्वतीय इलाकों की सर्दी कम हुई है बल्कि बर्फबारी के दिन भी कम होते जा रहे हैं। पहले शिमला शहर में ही जमकर बर्फ गिरती थी लेकिन अब बर्फबारी कुफरी, ठियोग और नारकंडा की ओर खिसकते जा रही है। इससे पर्यटन पर भी असर पड़ रहा है। इस समस्या को विकराल बनाने में पहाड़ों का सीना चीरकर दौड़ रहे हजारों वाहनों ने भी अहम भूमिका निभाई है। इस सबसे, मौसम बदल रहा है और इसलिए बुरांश भी समय से पहले खिलने लगा है। डाउन टू अर्थ पत्रिका में प्रकाशित एक शोध के मुताबिक तापमान, वर्षा और बर्फबारी में आए बदलावों के प्रति बुरांश की संवेदनशीलता और प्रतिक्रियाओं ने चिंता बढ़ा दी है। फूलों के खिलने के समय में बदलाव के लिए काफी हद तक बढ़ते हुए वैश्विक तापमान को जिम्मेदार माना जा रहा है। इसके फलस्वरूप बदल रहे मौसम के तेवरों का नुकसान बुरांश के फूलों को उठाना पड़ रहा है। मसलन बारिश की कमी के कारण इनमें रसीलेपन का अभाव हो जाता है। बुरांश के फूलों के फूलने की प्रक्रिया को समझे तो सामान्य रूप से जनवरी से फरवरी माह में वे कलियों के रूप में रहते हैं। चूंकि उस समय तापमान बहुत कम होता है और बहुत कम तापमान में कलियां खराब न हो जाए, इसके लिए प्राकृतिक तौर पर पंखुड़ियां सुरक्षा घेरे के रूप में कलियों को बाहर से ढंके रहती हैं। वे तभी हटती हैं, जब तापमान 20 से 25 डिग्री पर पहुंच जाता है। अनुकूल तापमान पाकर पेड़ का आंतरिक सूचना तंत्र (डीएनए) कोशिकाओं को संकेत भेजता है और फूलों के फूलने की प्रक्रिया के लिए हार्मोन्स सक्रिय हो जाते हैं। यदि समय से पहले ही तापमान अधिक हो जाता है तो फूल के विकास पर असर पड़ता है और उसके रंग-रूप से लेकर आर्थिक और स्वास्थ्यप्रद गुणों पर भी असर पड़ता है। इसके अलावा, अगर ये फूल समय से पहले यानी सर्दियों के अंत में ही खिलने लगते हैं तो उस समय मधुमक्खियां या परागण करने वाले कीड़े सक्रिय नहीं होते इसलिए परागण पूरी तरह नहीं हो पाता, जिससे पौधों के बीज या फल विकसित नहीं हो पाते। तापमान में उतार-चढ़ाव से पहले से खिले फूल मुरझा जाते हैं या मर जाते हैं। बुरांश के फूलों के जल्दी खिलने का असर पारिस्थितिकी तंत्र पर भी पड़ता है। दरअसल, बुरांश के फलों पर कई पक्षी, कीड़े और अन्य जीव आश्रित होते हैं। **:: चर्चित डेस्क**

आज का राशिफल

मेषः- महत्वाकांक्षाएं मन पर प्रभावी होंगी। घरेलू कार्यो में अत्याधिक व्यय का योग है। कार्यक्षेत्र में व्यस्तता बढ़ेगी। परिवार में सुखद स्थिति प्रसन्नता लाएगी। जीवन साथी के साथ मधुरता कायम रखें।

वृषभः- परिश्रम का समुचित लाभ प्राप्त होगा। पारिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा। महत्वपूर्ण योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा। आर्थिक क्षेत्र में लाभ के अवसर मिलेंगे।

मिथुनः- मन सुंदर कल्पनाओं से प्रभावित होगा। नये संबंधों के प्रति निकटता बढ़ेगी। उपस्थित साधनों में संतुष्ट व तृप्त रहने का प्रयत्न करें। रोजगार में अपनी क्षमताओं का भरपूर लाभ उठाएंगे। आलस्य कतई न करें।

कर्कः- बीती बातों को भूलने की कोशिश करें। रोजगार में लाभ के अच्छे अवसर मिलेंगे। भौतिक इच्छाएं बलवती होंगी। अभिभावकों के भावनात्मक सहयोग से उत्साह बढ़ेगा। आकांक्षाओं की पूर्ति होगी।

सिंहः- नौकरी का वातावरण सुखद होगा। भावनात्मक समस्याओं पर सगे-संबंधियों के बीच खुलकर बात करें। कुछ नये उत्साह व क्षमता की अनुभूति करेंगे। रोजगार क्षेत्र में लाभकारी स्थिति मन को प्रसन्न रखेगी।

कन्याः- महत्वपूर्ण कार्यो को कल पर न टालें। नकारात्मक चिंताओं का त्याग करें। महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां अपनी पूर्ति हेतु मन पर दबाव बनाएंगी। भावावेश में किये गये कार्य से कष्ट संभव।

तुलाः- निकट संबंधों में शंकाओं को न हावी होने दें। भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति होने के आसार बनेंगे। नौकरी का वातावरण सुखद होगा। संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। परिवार में खुशहाली स्थिति रहेगी।

वृश्चिकः- अवरोधित कार्य हल होंगे। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। विद्यार्थियों के लिए ग्रहों की अनुकूलता लाभप्रद होगी। जरूरी कार्यो में आलस्य न करें। किसी मेहमान के आगमन से व्यय संभव।

धनुः- सगे-संबंधों में कटु वचनों का प्रयोग न करें। माता के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। अच्छे कार्यो के द्वारा प्रशंसा के पात्र बनेंगे। राजनीति से जुड़े लोगों को ग्रहों की अनुकूलता का लाभ मिलेगा। रोजगार में व्यस्तता रहेगी।

मकरः- विभागीय परिवर्तन से कुछ दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। अपने अंदर धैर्य व वाणी में मधुरता लायें। कुछ नई अभिलाषाएं मन में जागृत होंगी। प्रियजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। गुप्त विरोधियों से सतर्क रहें।

कुम्भः- राजनीति से जुड़े लोगों के लिए समय अनुकूल रहेगा। अच्छे कार्यो के लिए प्रशंसनीय होंगे। शासन-सत्ता से लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। आलस्य कतई न करें।

मीनः- किसी नये कार्य की ओर आपका रुझान बढ़ेगा। किसी महत्वपूर्ण फैसले के लिए मन केंद्रित होगा। नवीन योजनाओं द्वारा प्रगति के आसार बनेंगे।

राशि रत्न

विवाहिता ने पति सहित आठ पर लगाया जानलेवा हमले का आरोप

हरदोई, चसं। बिलग्राम कोतवाली क्षेत्र के ग्राम हीरापुर निवासी विवाहिता ने पति सहित आठ लोगों के विरुद्ध जानलेवा हमला करने का आरोप लगाते हुए एसपी को लिखित तहरीर दी। एसपी नीरज कुमार जादौन के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है।पीड़िता राबिया पत्नी गुलफाम के अनुसार उसने 25 अक्तूबर 24 को विपक्षी गुलफाम से पिता की बिना मर्जी के कोर्ट मैरिज कर विवाह किया था।वह घर से 56000 रुपए लेकर गुलफाम के साथ गई थी। जिस पर उसकी मां ने माधौगंज थाने में पति के विरुद्ध बहला फुसलाकर भगा ले जाने की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी।माधौगंज पुलिस ने उसे बरामद कर उसके पति से 40000 रुपए पिता को वापस करवाए थे।इसी बात की रंजिश में उसका पति,ससुर जाकिर,जेठ यूसुफ, इरफान, जेठानी सायरा, मायसा,ननद नूरी सबा व तकदीरू विवाह के तीन माह बाद से उसे मानसिक और शारीरिक प्रताड़ित करते हैं।6 अप्रैल को विपक्षियों ने उसे मारपीट कर दुपट्टे से उसका गला दबा दिया वह बेहोश हो गई।विपक्षी उसे मरा जानकर भाग गए।उसने घटना की लिखित तहरीर कोतवाली में दी लेकिन पुलिस ने कोई कार्यवाही नहीं की न ही उसका मेडिकल परीक्षण करवाया। एसपी श्री जादौन के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर और बुद्ध प्रतिमा तोड़ी, दो गुटों में मारपीट, जमकर पत्थरबाजी

रामायण मंडप को किया तहस नहस, सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

चर्चित राजनीति। संवाददाता

हरदोई। जनपद के थाना बेहटा गोकुल क्षेत्र के ग्राम सुरजीपुर में अराजक तत्वों ने भीमराव अंबेडकर और बुद्ध की क्षतिग्रस्त कर दी जिसके बाद दोनों पक्षों में जमकर बवाल हुआ और पुलिस के सामने पथराव भी हुआ। मामले के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वायरल वीडियो में पुलिसकर्मी भी खुद का बचाव करते हुए दिख रहे हैं।

पुलिस ने कहा कि बुद्ध प्रतिमा पहले से खण्डित थी दोनो पक्ष सहमत हैं तहरीर लेकर कार्यवाई की जा रही है। गांव में पुलिस तैनात है और सतर्क दृष्टि रखी जा रही है। पुलिस के सामने हंगामा पत्थर बाजी और भागने भगाने के वीडियो बेहटा गोकुल थाना इलाके के सूरजीपुर गांव के हैं।बताया जाता है कि सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने के उद्देश्य से मूर्तियों पर पत्थर बाजी हुई जिसके बाद तनाव फैल गया। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय ग्रामीणों में नाराजगी फैल गई। लोगों ने बताया कि यह कृत्य सोच-समझकर किया गया है ताकि जातीय तनाव भड़काया जा सके।सूचना मिलते ही भारी संख्या में पुलिस बल गांव में तैनात कर दिया गया है ताकि कोई अप्रिय घटना न हो।अपर पुलिस अधीक्षक मार्तंड प्रकाश सिंह ने बताया कि थाना बेहटा गोकुल के सूरजीपुर गांव में कल दो पक्षों में कहा सुनी हो गई थी उसी को लेकर आज दोनों पक्षों में पुनः विवाद हुआ। इस विवाद में एक पक्ष का आरोप है कि महात्मा बुद्ध की प्रतिमा को दूसरे पक्ष द्वारा खंडित की गई है असत्य है प्रतिमा पूर्व से ही खंडित थी जिसकी फोटोग्राफ पूर्व की उपलब्ध है और दोनों पक्ष इस बात पर सहमत हैं कि पहले से खंडित थी।पुलिस द्वारा दोनों पक्षों की तरफ से एक तहरीर प्राप्त करके वैधानिक कार्रवाई की जा रही है यहां पर पर्याप्त फोर्स मौजूद है दोनों पक्षों में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस द्वारा दृष्टि रखी जा रही है।

अंबेडकर जयंती पर दो पक्षों में मारपीट, तीन घायल, चार गिरफ्तार : बिलग्राम कोतवाली क्षेत्र के डाभा गांव में मंगलवार रात अंबेडकर जयंती के दौरान दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प हो गई, जिसमें तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने 11 नामजद और चार अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर चार आरोपियों को हिरासत में ले लिया है।

जानकारी के अनुसार, 15 अप्रैल की शाम करीब 5:30 बजे डाभा निवासी दाताराम, ब्रजेश, कलावती और अमरपाल अपने घर के बाहर अंबेडकर जयंती मना रहे थे।तभी दूसरा पक्ष भाला, कुल्हाड़ी, लोहे की रॉड और तलवार जैसे हथियारों के साथ पहुंचा। आरोप है कि उन्होंने जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए जयंती मनाने से मना किया। विरोध करने पर हमला कर दिया, जिससे अमरपाल, कलावती और ब्रजेश घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को बिलग्राम के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां से कलावती (60) और अमरपाल (48) की गंभीर हालत के कारण जिला अस्पताल रेफर किया गया। पुलिस ने प्रथम पक्ष की तहरीर के आधार पर शंकर तिवारी, दीपू तिवारी, अनिल तिवारी, बड़े मुन्ना, छोटे मुन्ना, अतुल सिंह, दरोगा तिवारी, कन्हैया तिवारी, राजवीर सिंह, घनश्याम सिंह, सोनू सिंह और चार अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया। प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार ने बताया कि चार नामजद आरोपियों को हिरासत में लिया गया है, जबकि अन्य की तलाश जारी है। घायलों की हालत खतरे से बाहर है। सूत्रों के अनुसार, विवाद की शुरुआत 14 अप्रैल को एक बर्फ विक्रेता की ठेलिया पर नीला झंडा बांधने से हुई थी, जिसे एक आरोपी ने उतरवा दिया। इसी बात को लेकर तनाव बढ़ा और यह घटना घटी। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

अखिल भारतीय क्षत्रिय कल्याण परिषद ने राणा सांगा पर की गई विवादित टिप्पणी को लेकर दिया ज्ञापन

चर्चित राजनीति। संवाददाता

हरदोई। अखिल भारतीय क्षत्रिय कल्याण परिषद हरदोई द्वारा सपा सांसद रामजीलाल सुमन द्वारा वीर शिरोमणि राणा सांगा पर की गई अभद्र टिप्पणी को लेकर राष्ट्रपति को सम्बोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा गया।

हरदोई जनपद के अखिल भारतीय क्षत्रिय कल्याण परिषद् द्वारा सांसद राम जी लाल सुमन के द्वारा संसद में विगत माह 21 मार्च 2025 को देश के अमूल्य धरोहर वीर शिरोमणि राणा सांगा के बारे में अभद्र एवं अमर्यादित टिप्पणी की गई है जिससे पूरे देश में आक्रोश क्षोभ एवं हताशा व्याप्त हो गई। इस राष्ट्र विरोधी कृत्य के लिए रामजी लाल सुमन द्वारा मांगी मांगे जाने व उन्हें दण्डित किये जाने के लिए राष्ट्रपति को सम्बोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को दिया गया। अखिल भारतीय क्षत्रिय कल्याण परिषद् द्वारा राष्ट्रपति महोदया से की गई मांगों के तहत क्या संसद में किसी ऐसे व्यक्ति पर टिप्पणी की जा सकती है, जो संसद में नही हैं यदि नही की जा सकती तो सांसद माफी मांगे या फिर उनको सदस्यता रद्द की जाये। सांसद ने एक ऐसे महापुरुष के बारे में टिप्पणी की है जो आज से 500 वर्ष पूर्व ही स्वर्गवासी हो चुके हैं यह टिप्पणी नैतिक एवं सामाजिक रूप से उचित नही है। क्या सांसदों को यह विशेषाधिकार प्राप्त है कि जब चाहे वे किसी भी महापुरुष देवी-देवता, स्त्री जाति या धर्म विशेष पर अभद्र एवं अमर्यादित टिप्पणी कर दें, अगर नहीं तो फिर इनको सार्वजनिक रूप से अपनी गलती का पश्चाताप करना चाहिए।इस राष्ट विरोधी कृत्य के लिए दंडित किया जाए अन्यथा परिषद पूरे देश में जन आन्दोलन के लिए बाध्य होगा। इस मौके पर गंगा सिंह चौहान (पूर्व विधायक) राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष अखिल भारतीय क्षत्रिय कल्याण परिषद व राजवर्धन सिंह राजू अधिवक्ता समाजसेवी (राष्ट्रीय अध्यक्ष युवा) ने कहा जल्द से जल्द इन पर इस कृत्य के लिए कार्यवाही की अन्यथा संगठन संगठन पूरे देश में जन आंदोलन के लिए बाध्य होगा।

इस दौरान परिषद के देवेन्द्र सिंह (प्रदेश सचिव),शोभित सिंह (प्रदेश सचिव),रीता सिंह (प्रदेश उपाध्यक्ष महिला),ज्ञानेन्द्र सिंह (जिला अध्यक्ष,हरदोई),अंकित सिंह परमार (जिला अध्यक्ष युवा), ममता सिंह (जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा)मुकेश विक्रम सिंह,मुन्ना सिंह मदारा,वीरेन्द सिंह, विनय सिंह, आलोक सिंह आदि तमाम लोग मौजूद रहे।

महिलाओं से अभद्रता करने वालो की सूचना पुलिस को दें

हरपालपुर/ हरदोई, चसं। कोतवाली क्षेत्र के पलिया के उच्च प्राथमिक विद्यालय में महिला पुलिस कर्मियों ने छात्र-छात्राओं को मिशन शक्ति अभियान के तहत जागरूक किया। हरपालपुर कोतवाली की महिला उप निरीक्षक अंजना सचान ने कहा कि आज के दौर में बेटियां किसी से कम नहीं है। वह पुलिस, पीएसी आर्मी,रेलवे एवं उच्च पदों पर जाकर अपने माता-पिता एवं क्षेत्र का नाम रोशन कर रही हैं। उन्होंने कहा कि स्कूल आते-जाते समय यदि कोई परेशान करता है तो इसकी सूचना 1090 ,112 1098 या थाने के सीयूजी नंबर पर दें।शिकायत दर्ज कराने वाले का नाम गोपनीय रखा जाएगा।इस मौके पर महिला कांस्टेबल आशा, शशि भारती, स्वाति, अभिषेक त्यागी व अंकित यादव मौजूद रहे।

गहा नदी पुल बनकर तैयार उद्घाटन का इंतजार

बिलग्राम/हरदोई, चसं। बिलग्राम क्षेत्र में ग्राम पंचायत रहुला के गनीपुर में गहा नदी पर नया पुल बनकर तैयार हो गया है। पुराना पुल, जो लगभग 40 साल पुराना था, 5 जनवरी 2024 को एक मौरंग लदे डंपर के गुजरने से ढह गया था, जिससे कई गांवों का संपर्क टूट गया था। यह पुल गंगा नदी के राजघाट पर कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए भी वैकल्पिक रास्ता था। पुराने पुल की लागत साढ़े आठ लाख रुपये थी, जबकि नया पुल करोड़ों रुपये की लागत से बना है और इसे काफी मजबूत बताया जा रहा है। पुल का निर्माण हाल ही में शुरू हुआ था, और अब यह पूरा हो चुका है। इससे स्थानीय लोग उत्साहित हैं, क्योंकि अब उन्हें बारिश में लंबा रास्ता तय नहीं करना पड़ेगा। साथ ही, गंगा स्नान के लिए जाने वाले श्रद्धालु भी जाम से बच सकेंगे। हालांकि, पुल का औपचारिक उद्घाटन अभी बाकी है, लेकिन लोग और वाहन इसका उपयोग शुरू कर चुके हैं।

सेवानिवृत्त कर्मचारी और पेंशनर्स एसोसिएशन शाखा हरदोई के पदाधिकारियों की बैठक सम्पन्न

चर्चित राजनीति। संवाददाता

हरदोई। सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन शाखा हरदोई के पदाधिकारियों की बैठक एस0पी0सिंह,जिलाध्यक्ष की अध्यक्षता में पेंशनर सभागार (कोषागार परिसर)में हुई।

इस बैठक में दिनांक 22.04.2025 को आयोजित होने वाले विशाल धरना प्रदर्शन के संबंध में विचार - विमर्श के साथ ही अभी तक पेंशन राहत का शासनादेश जारी न होने,पेंशन राशिकरण की कटौती 15 वर्ष के स्थान पर 10 वर्ष न करने,आठवें वेतन आयोग का गठन न करने,वेतन आयोग के लाभों से पेंशनरों को वंचित किए जाने आदि विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई तथा रोष प्रकट किया गया।ऐसी ही अनेक पेंशनरों की ज्वलंत समस्याओं को हल न करने के कारण ही प्रान्त द्वारा प्राप्त निर्देशों के क्रम में प्रदेश के प्रत्येक जनपद की भांति इस जनपद में भी दिनांक 22.04.2025 को पेंशनरों द्वारा विशाल धरना प्रदर्शन कर मांगों से संबंधित ज्ञापन जिला प्रशासन के माध्यम से प्रधानमंत्री जी व मुख्यमंत्री जी को भेजा जाएगा।बैठक में गजेंद्र पाल सिंह, बी के सिंह,डॉ एस केसिंह, डॉ बी के गुप्त,एन के मिश्र,संतोष कुमार सिंह,कामनी श्रीवास्तव,राम लली मिश्रा,आनंद प्रकाश,भारत सिंह,उमेश पाल सिंह,चंद्र हास द्विवेदी,शिव नारायण लाल,जय प्रकाश यादव,राजेश चंद्र यादव,राज कुमार मिश्र,मेवा लाल वर्मा,लेखराज सिंह,विश्वनाथ,राम गोपाल,गुड्डी देवी,भारत सिंह,चेत राम दोहरे आदि पदाधिकारी गण उपस्थित रहे।बैठक का संचालन एस के मिश्र,जिला मंत्री द्वारा किया गया।

7 बच्चों की मां का शव बबूल के पेड़ पर लटका मिला, पुलिस जांच में जुटी

बिलग्राम/हरदोई, चसं। बिलग्राम कोतवाली क्षेत्र में एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। पुन्ना पुरवा गांव में 40 वर्षीय सोमवती का शव उनके घर के पास बबूल के पेड़ पर रस्सी के फंदे से लटका मिला। घटना बुधवार की सुबह की है। सोमवती की बड़ी बेटी संध्या को जब मां घर पर नहीं मिलीं, तो उसने तलाश शुरू की। खोजबीन के दौरान उसने मां का शव पेड़ पर लटका देखा। उसके शोर मचाने पर पति विजयपाल समेत अन्य परिजन मौके पर पहुंचे। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया। पति विजयपाल ने बताया कि सोमवती शाम को घर पर थीं और परिवार में किसी से कोई विवाद नहीं हुआ था। सब कुछ सामान्य चल रहा था। करीब 11 साल पहले विजयपाल से शादी करने वाली सोमवती का मायका भूड़ मड़ैया गांव में है। दंपति के सात बच्चे हैं। प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार ने बताया कि अभी तक मौत का कोई कारण सामने नहीं आया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। शव का पंचनामा करके पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

श्री कृष्ण जन्म सेवा दल ने हरदोई के कई मंदिरों में आयोजित किया 101वाँ हनुमान मंगल पाठ

चर्चित राजनीति। संवाददाता

हरदोई। श्री हरि के प्रिय भक्त प्रहलाद की जन्म कर्म पावन भूमि हरदोई में मंगल पाठ के अवसर अपने निरंतर एक सौ एकवे मंगलपाठ के क्रम में श्री कृष्ण जन्म सेवा दल के सदस्यों ने भक्त प्रहलाद नगरी हरदोई के कई मंदिरो में एक साथ धार्मिक आयोजन कर माहौल को भक्ति मय कर दिया।

आज श्री कृष्ण जन्म सेवा दल के सदस्यों ने श्री बैजनाथ धाम, श्री शिव श्याम परिवार मंदिर कांशीराम कालोनी, श्री खाटू श्याम मंदिर रेलवेगंज, श्री हनुमान मंदिर कमालगंज, श्री महादेव मंदिर ग्राम काईमाऊ, श्री महावीर मंदिर गंज जलालाबाद मल्लावां में हनुमान चालीसा, अष्टक आरती कर माहौल को भक्ति पूर्ण बना दिया। महिला प्रकोष्ठ जिला प्रमुख विनीता पांडे के नेतृत्व में श्री बैजनाथ धाम सरायथोक में बहनों ने काफी संख्या में भाग लेकर हनुमान चालीसा, सुंदर कांड व् आरती के साथ हनुमान जी के भजनो का गुणगान किया। इस अवसर पर जिला महिला प्रभारी विनीता पांडेय ने कहा कि हरदोई भक्त प्रहलाद की नगरी है जिसकी पुष्टि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं अपने हरदोई दौरे के दौरान कर चुके है इसीलिए अतिशीघ्र हरदोई को भक्त प्रहलाद नगरी घोषित किया जाना चाहिए। इस मौके पर महिला संगठन की संयोजक अनीता मिश्रा, बीना त्रिपाठी, रंजना मिश्रा, अर्चना दुबे, सोनिका गुप्ता, शशि गुप्ता, रामवती देवी, सोनू गुप्ता मिंटू गुप्ता, पुष्पा मिश्रा, बॉबी ओमर, अलका गुप्ता, अमृता सिंह, नीलम गुप्ता, अमृता सिंह, संगीता गुप्ता, सुमन गुप्ता, अनुराधा गुप्ता, चन्दा पांडेय, आर्या गुप्ता, मोनिका गुप्ता, विद्या पांडेय, आरती गुप्ता, राधा गुप्ता, आरती मिश्रा, रानी शुक्ला आदि बहनों समेत भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे। कांशीराम कालोनी में श्री शिव श्याम मंदिर में युवा प्रभारी संध्या श्रीवास्तव के नेतृत्व में काफ़ी संख्या में लोगो ने मंगल पाठ में भाग किया। महिला प्रभारी मंजू गुप्ता के नेतृत्व में श्री खाटू श्याम मंदिर रेलवे गंज में गायक पंकज गुप्ता एव मंदिर पुजारी अनिरुद्ध तिवारी ने सभी को हनुमान चालीसा, हनुमान अष्टक का पाठ करवाया।मंदिर पंडित रवि मिश्रा ने पूजा अर्चन कराया। इस अवसर पर भजन गायक वेद प्रकाश गुप्ता राजू ने एक से ब?कर एक भजन माता रानी संग हनुमत भी आना, हनुमत संग पधारो माँ हमारे कीर्तन में, पक? लो हाथ बनवारी नहीं तो डूब जायेगे, दीननाथ मेरी बात, जब जब संकट कोई गहरा होता है आदि भजन सुना लोगो को झूमने पर मजबूर कर दिया।

इस मौके पर विजय अग्रवाल, गौरव अग्रवाल, बेटियाँ फाउंडेशन की जिला अध्यक्ष रेशमा गुप्ता, नीलम जिंदल, अंशिका अग्रवाल, मुस्कान अग्रवाल, अवध राज, अक्षत गुप्ता, सचिन शुक्ला, आदित्य सिंह, मोहित शुक्ल, संदीप श्रीवास्तव, गौरव गुप्ता, शोभित गुप्ता, आस्था श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे। ग्राम काईमाऊ में युवा प्रभारी सुमित तिवारी के नेतृत्व में मंगल पाठ हुआ।मल्लावां में आकाश गुप्ता व् वंश कटियार के नेतृत्व में काफी संख्या में मौजूद लोगो ने सामूहिक मंगल पाठ किया।

संक्षिप्त समाचार

दो पक्षों में जमकर चले लाठी डंडे 10 लोगों पर पुलिस ने मुकदमा किया दर्ज

हरपालपुर/हरदोई, चसं। कोतवाली क्षेत्र के भदौरियनपुरवा मजरा मुर्चा गांव में दो पक्षों के बच्चों में हुई मारपीट के मामले में दोनों पक्षों की ओर से रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। थाना क्षेत्र के मुर्चा भदौरियनपुरवा शिव वीर सिंह 32 पुत्र सर्वेश सिंह ने थाने में दी गई तहरीर में बताया कि अपने चाचा अखिलेश 60 वर्ष अवधेश 62 वर्ष,मॉ सावित्री देवी 65 वर्ष, चचेरे भाई रमन 25 वर्ष, दरवाजे पर मौजूद थे।

तभी परिवार के ही राजकुमार,आशीष सिंह उर्फ सोनू, अवनीश सिंह, सुबोध सिंह, विमल सिंह, मोहित उर्फ मोनू ने गाली गलौज करते हुए लाठी डंडों एवं कुल्हाड़ी से हमला बोल कर सभी को घायल कर दिया। उधर दूसरे पक्ष के अवनीश कुमार सिंह 35 वर्ष पुत्र रविंद्र सिंह ने थाने में दी गई तहरीर में बताया कि वह अपनी मां शीला देवी 55 वर्ष,भाई रविकुमार 28 वर्ष ,चाची रागिनी 52 वर्ष,चचेरो भाई राजकुमार 38 बर्ष के साथ दरवाजे पर मौजूद थे।तभी रमन सिंह, हर्ष उर्फ राजू,शिव वीर सिंह व अखिलेश सिंह ने लाठी डंडे से हमला बोल दिया। जिससे सभी लोग गंभीर रूप से घायल हो गए ।जिसमें अखिलेश व सावित्री को गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया था ।प्रभारी निरीक्षक बालकृष्ण मिश्र ने बताया कि दोनों पक्षों की ओर से मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

देखरेख के अभाव में सड़क बनी तालाब, लोक निर्माण विभाग की लापरवाही उजागर

बिलग्राम/हरदोई, चसं। बिलग्राम क्षेत्र में माधौगंज ब्लॉक के फत्तेपुर गांव से गुजरने वाला रहुला-जफरपुर मार्ग लोक निर्माण विभाग की लापरवाही के कारण बदहाल हो गया है। यह सड़क जलभराव और गड्ढों के कारण तालाब में तब्दील हो चुकी है। वाहनों के आवागमन से गड्ढे और गहरे हो रहे हैं, जिससे भविष्य में दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क के किनारे नाली नहीं बनाई गई, जिसके चलते गांव के घरों का गंदा पानी सड़क पर जमा हो जाता है। इससे गड्ढे बन गए हैं, और वाहनों के गुजरने से पानी की छींटें लोगों के कपड़ों पर पड़ रही हैं। कुछ महीने पहले लोक निर्माण विभाग ने इस सड़क पर पैचवर्क किया था, लेकिन कई टूटी जगहों को छोड़ दिया गया, जिससे सड़क की हालत और खराब हो गई। यदि जल्दी मरम्मत और जल निकासी की व्यवस्था नहीं की गई, तो सड़क पूरी तरह बर्बाद हो जाएगी। विभाग की यह लापरवाही न केवल सड़क को नुकसान पहुंचा रही है, बल्कि सरकार को भी बड़ा आर्थिक नुकसान हो रहा है।

गोवंश तस्करी मामले में वांछित आरोपी अंजू अली गिरफ्तार, तीन गायों की मौत का है आरोप

बिलग्राम/हरदोई, चसं। बिलग्राम में गोवंश तस्करी के एक गंभीर मामले में पुलिस ने वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। फतेहपुर जिले के गाजीपुर गांव का रहने वाला अंजू अली 18 मई से फरार चल रहा था। मामला 18 मई 2024 का है, जब बिलग्राम थाने में शिकायत दर्ज कराई गई थी कि कुछ लोग एक ट्रक में अवैध रूप से गोवंश भरकर ले जा रहे हैं। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए ट्रक को पकड़ लिया था। ट्रक से बरामद गायों को गौशाला भेज दिया गया था। इस घटना में तीन गायों की मौत हो गई थी।पुलिस ने इस मामले में गोहत्या निवारण अधिनियम की धारा 3/5/8 और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की धारा 11 के तहत एफआईआर दर्ज की थी। आरोपी की गिरफ्तारी में इंस्पेक्टर राकेश कुमार के नेतृत्व में अति निरीक्षक हाकिम सिंह, हेड कांस्टेबल रजनीश और कांस्टेबल शिव कुमार व विवेक कुमार की टीम शामिल रही। बिलग्राम पुलिस अब आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर रही है। पुलिस की इस कार्रवाई से गोवंश तस्करी जैसी गैरकानूनी गतिविधियों पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी।

बिना जल निकासी ढहने लगी नाले की दीवार मानकविहीन आरसीसी नाला बनाए जाने से लोगों में रोष

हरदोई, चसं। कस्बे पिहानी के मोहल्ला मुरीद खानी से समूची पिहानी की बरसात में जल निकासी होती थी। पक्का नाला निर्माण न होने के कारण लोगों के घरों में पानी घुसता था ,इस समस्या को संज्ञान लेकर नगर पालिका परिषद अधिकारी अधिकारी अमित कुमार सिंह ने ऋषि के मकान से बच्चा बाबू के खेत तक 300 मीटर नाला व रामलीला में रोड पर 77 मीटर नाला का नाला नगर पालिका परिषद से पास कर दिया। अधिशासी अधिकारी ने मोहल्ले की लोगों की समस्या को देखते हुए तत्काल निर्माण के निर्देश भी दे दिए। परंतु नाला के ठेकेदार ने टेंडर के अनुकूल न तो सरिया डाली न सीमेंट और न ही मोरंग। फिर क्या होना था आगे आगे नाला बन रहा है पीछे-पीछे नाल टूट रहा है। नाले में पानी अभी से भर गया है। बरसात की बात दूर। लाखों रुपया खर्च हो जाने के बावजूद भी मोहल्ले में जल निकासी की समस्या आगामी दिनों में दूर होने वाली नहीं है।आरसीसी नाला मानक विहीन बनने के कारण नल की दीवाल अभी से गिरने लगी है। पानी जल निकासी की बजाय अपनी वापसी आ रहा है। ठेकेदार में उनके कर्मचारी सस्ती घटिया सीमेंट व मोरंग इस्तेमाल कर अपना काम कर पल्ला झाड़ रहे हैं। अमित कुमार सिंह अधिशासी अधिकारी ,नगर पालिका परिषद पिहानी ने बताया कि मुख्यमंत्री कार्यक्रम में ड्यूटी लगी है। जल्द ही मैं इस नाले का निरीक्षण करुंगा, गड़बड़ी नजर आने पर कार्रवाई की जाएगी। मोहल्ले के लोगों को जल निकासी की समस्या नहीं रहेगी।

पच्चीस हजार के इनामी दो शातिर चोर गिरफ्तार

हरदोई, चसं। पिहानी थाना क्षेत्र में पिछले वर्ष हूं चोरियों के मामले में कोतवाली पुलिस ने पच्चीस पच्चीस हजार रुपए के दो इनामी शातिर चोरों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।प्राप्त विवरण में पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन द्वारा जनपद के विभिन्न थानाक्षेत्रों में हो रही चोरियों पर अंकुश लगाने हेतु चोरी के सफल अनावरण तथा वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीमों को गठित कर लगाया गया था । दिनांक 15.04.2025 को प्रभारी निरीक्षक थाना पिहानी जनपद हरदोई मय पुलिस टीम द्वारा कस्बा पिहानी क्षेत्र में भ्रमणशील थे।

संक्षिप्त समाचार

अभिषेक शर्मा को रोक सकती है मुंबई की तेज गेंदबाजी तिकड़ी

मुंबई, एजेंसी। आईपीएल 2025 में गुरुवार को मेजबान मुंबई इंडियंस (एमआई) का सामना सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) से वानखेड़े स्टेडियम में होगा। दोनों टीमें छह मैचों में चार-चार मैच हारकर अंक तालिका के निचले हिस्से में विराजमान हैं और इस मैच में अच्छा प्रदर्शन कर वे इस स्थिति को सुधारना चाहेंगे। आइए डालते हैं इस मैच के कुछ प्रमुख आंकड़ों और मैच-अप्स पर नजर। अभिषेक शर्मा बनाम मुंबई की तेज गेंदबाजी तिकड़ी

बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा पंजाब किंग्स के खिलाफ एक आतिशी शतक लगाकर आ रहे हैं, जहां उनकी टीम को एक लगभग असंभव जीत भी मिली थी। हालांकि एमआई के खिलाफ उन्हें संघर्ष करना पड़ सकता है, क्योंकि एमआई की तेज गेंदबाजी तिकड़ी दीपक चाहर, जसप्रीत बुमराह और ट्रेंट बोल्ट के खिलाफ वे दो-दो बार आउट हुए हैं और चाहर के खिलाफ 158 के स्ट्राइक रेट को छोड़ दिया जाए, तो बाकी दोनों के खिलाफ उनका स्ट्राइक रेट 100 से भी कम का है। बुमराह के खिलाफ तो अभिषेक सिर्फ 59 के स्ट्राइक रेट से रन बनाते हैं। मोहम्मद शमी का इस साल का आईपीएल बहुत मिला-जुला रहा है और एमआई के खिलाफ यह मैच भी मिला-जुला रह सकता है क्योंकि एमआई के कुछ बल्लेबाजों के खिलाफ तो वह बेहतरीन रिकॉर्ड रखते हैं, लेकिन कुछ बल्लेबाजों ने उनकी जमकर खबर भी ली है। रोहित शर्मा शमी के खिलाफ ढ्ढक्रमें तीन बार आउट हो चुके हैं, जबकि रोहित उन पर सिर्फ 112 के स्ट्राइक रेट से रन बना पाते हैं। एमआई के कप्तान हार्दिक भी उनके खिलाफ तीन बार आउट हो चुके हैं, हालांकि वह शमी पर 180 के स्ट्राइक रेट से रन बनाते हैं। हालांकि सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा के खिलाफ शमी का स्ट्राइक रेट 200 से अधिक है, जो कि उनके लिए चिंता वाली बात होगी।

क्या एसआरएच सुधार पाएगा मुंबई में अपना रिकॉर्ड : एसआरएच और एमआई के बीच अब तक हुए 23 मुकाबलों में 13 में मुंबई जबकि हैदराबाद ने 10 मैचों में जीत हासिल की है। हालांकि वानखेड़े में मुकाबला एकतरफा ही रहा है, जहां मुंबई की टीम आठ में से छह मुकाबले जीती है। एसआरएच ने वानखेड़े में 13 मुकाबले खेले हैं, जिसमें उन्हें 11 में हार का सामना करना पड़ा है। यहां पर उनकी जीत का प्रतिशत सिर्फ 15 है, जो कि आईपीएल टीमों में सबसे कम है। अपने विस्फोटक बल्लेबाजी की मदद से एसआरएच की टीम इस रिकॉर्ड को सुधारना चाहेगी।

लखनऊ पीएसी स्टेडियम में 80 साल तक पेंशनर पुलिसकर्मी दौड़े, कुर्सी पर लड़े, गोला-चक्का फेंका

लखनऊ, चसं। उम्र महज एक संख्या है-यह बात सच साबित कर दी प्रदेश के पूर्व पुलिसकर्मियों ने। बुधवार को लखनऊ के महानगर स्थित 35वीं वाहिनी पीएसी स्टेडियम में उत्तर प्रदेश पुलिस पेंशनर कल्याण संस्थान द्वारा आयोजित खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित हुई। बुजुर्ग पेंशनरों ने जोश और जुनून का ऐसा प्रदर्शन किया कि देखने वालों ने तालियां बजाई। 35वीं वाहिनी पीएसी के मैदान में आयोजित खेलकूद प्रतियोगिता में पेंशनरों ने दिखाई फुर्ती, पहली बार महिला पेंशनरों ने भी ओपन कैटेगरी में शानदार प्रदर्शन किया। खेलों में 3 किमी वॉक रेस, गोला फेंक, चक्का फेंक, रस्साकशी और म्यूजिकल चेयर रेस जैसे रोचक मुकाबले शामिल रहे। वॉक चाल (70-80 आयु वर्ग) में श्री कृपाशंकर सिंह पहले और मिथलेश दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि 60,70 आयु वर्ग में एस.डी. सिंह पहले, राकेश राय दूसरे और अवधेश पांडेय तीसरे स्थान पर रहे। गोला फेंक और चक्का फेंक में अनिल कुमार सिंह ने दोहरी जीत दर्ज की। रस्साकशी में सुलखान सिंह के नेतृत्व वाली टीम ने बाजी मारी जबकि पूर्व अपर पुलिस महानिदेशक रामेश्वर दयाल की टीम उपविजेता रही। म्यूजिकल चेयर रेस में श्याम सुंदर ग्रोवर, सर्वेश कुमारी और ब्रह्मदेव यादव ने क्रमशः पहला, दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया।पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में सुलखान सिंह, रामेश्वर दयाल और महासचिव आर.के. चतुर्वेदी ने विजेताओं को सम्मानित किया। प्रतियोगिता के संचालन की जिम्मेदारी सेनानायक अनूप कुमार के निर्देशन में सहायक सेनानायक रंजीत यादव और उनकी टीम ने बखूबी निभाई। पूरे आयोजन में पुलिस पेंशनरों का उत्साह देखने लायक था।

तेजी से भाग रहा सोना, 18,327 रुपए महंगी हुई पीली धातु, चांदी फिर छू सकती है 1 लाख का आंकड़ा

मुंबई, एजेंसी। 2025 की शुरुआत से अब तक सोने और चांदी की कीमतों में जबरदस्त तेजी देखने को मिली है। वैश्विक आर्थिक हालात, डॉलर-रुपया में उतार-चढ़ाव और घरेलू मांग जैसे कई कारणों से दोनों धातुएं लगातार महंगी हो रही हैं। 1 जनवरी से अब तक सोने का दाम 18,327 रुपए बढ़ चुका है। 16 अप्रैल को सोने ने नया ऑल टाइम हाई छू लिया है। डब्ï पर गोल्ड 95,000 प्रति 10 ग्राम के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,387 की तेजी के साथ 94,489 पर पहुंच गया है। इससे पहले इसकी कीमत 93,102 थी। वहीं चांदी की कीमत में भी तेजी देखी गई है। एक किलो चांदी का भाव 373 बढ़कर 95,403 प्रति किलो हो गया है, जो पहले 95,030 प्रति किलो था। एमसीएक्स पर चांदी 96,300 का पार कारोबार कर रही है। गौरतलब है कि 28 मार्च को चांदी ने 1,00,934 प्रति किलो और 11 अप्रैल को सोने ने 93,353 प्रति 10 ग्राम का उच्चतम स्तर छुआ था। अमेरिका की नई टैरिफनीति के चलते वैश्विक स्तर पर ट्रेड वॉर का खतरा बढ़ गया है। इसका असर इकोनॉमी की रफ्तार पर पड़ सकता है और ग्लोबल मंदी की संभावना भी बढ़ गई है। ऐसे माहौल में निवेशक सुरक्षित विकल्प के तौर पर सोने की ओर रुख कर रहे हैं, क्योंकि मंदी के समय सोना एक भरोसेमंद निवेश माना जाता है। डॉलर के मुकाबले रुपए में कमजोरी आई है, जिससे सोने की कीमतों में तेजी देखने को मिल रही है। जब रुपया कमजोर होता है, तो सोने का आयात महंगा हो जाता है। इस साल रुपए में लगभग 4ः की गिरावट आई है, जिससे सोना महंगा हुआ है। शादी का मौसम करीब है, और इससे गहनों की मांग में उछाल आया है। मुंबई, दिल्ली और चेन्नई जैसे शहरों में ज्वैलर्स का कहना है कि ऊंचे दामों के बावजूद बिक्री बढ़ रही है, क्योंकि लोग सोने को सिर्फआभूषण नहीं, बल्कि निवेश और समृद्धि का प्रतीक मानते हैं। इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 18,327 रुपए बढ़कर 94,489 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 9,386 रुपए बढ़कर 95,403 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं पिछले साल यानी 2024 में सोना 12,810 रुपए महंगा हुआ था। अमेरिकी-चीन के बीच बढ़ते ट्रेड वॉर और मंदी की आशंकाओं के कारण इस साल सोना 3,700 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच सकता है। इंटरनेशनल रेट के हिसाब से कैलकुलेट करें तो भारत में 10 ग्राम सोने के दाम 1.10 लाख रुपए तक जा सकते हैं। विदेशी इन्वेस्टमेंट बैंक गोल्डमैन सैक्स ने ये अनुमान जारी किया है।

हरे निशान पर बाजार बंद, सेंसेक्स 77,044 के स्तर पर, निफ्टी 23,430 के पार

मुंबई, एजेंसी। शेयर बाजार आज यानी बुधवार (16 अप्रैल) को हरे निशान पर बंद हुआ। सेंसेक्स 309 अंक की तेजी के साथ 77,044 के स्तर पर और निफ्टी में करीब 108 अंकों की तेजी रही, ये 23,437 के स्तर पर बंद हुआ। चीन का शंघाई कंपोजिट में 0.92ः की गिरावट है, ये 3,237 पर कारोबार कर रहा है। हॉन्गकॉन्ग के हैंगसेंग इंडेक्स में 2.59ः गिरावट है, ये 20,910 पर कारोबार कर रहा है। 15 अप्रैल को विदेशी निवेशकों ने 6,065.78 करोड़ के शेयर खरीदे। जबकि भारतीय यानी घरेलू निवेशकों ने 1,951.60 करोड़ रुपए के शेयर बेचे। शेयर बाजार में कल यानी मंगलवार, 15 अप्रैल को बड़ी तेजी रही। सेंसेक्स 1578 अंक (2.10ः) चढ़कर 76,735 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 500 अंक (2.19ः) की तेजी रही, ये 23,329 के स्तर पर बंद हुआ।

सुपर ओवर मुकाबले में जीती दिल्ली, राजस्थान को रौंदा

चर्चित राजनीति। एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में बुधवार को राजस्थान रॉयल्स और दिल्ली कैपिटल्स की बीच हुआ मैच बेहद रोमांचक रहा। 189 रन चेज करने उतरी राजस्थान को आखिरी ओवर में जीत के लिए 9 रनों की दरकार थी। दिल्ली के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क की सटीक यॉर्कर के चलते राजस्थान 20वें ओवर में 8 रन ही बना सकी। ऐसे में 18वें सीजन का पहला सुपर ओवर फैंस को देखने को मिला। सुपर ओवर में दिल्ली ने जीत दर्ज की और अब अक्षर पटेल की कप्तानी वाली टीम प्वाइंट्स टेबल में टॉप पर पहुंच गई है। सुपर ओवर में 2 ही विकेट गिर सकते हैं।

> दिल्ली कैपिटल्स ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खराब शुरुआत के बावजूद पहली पारी में 4 विकेट खोकर 188 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज जैक फ्रेजर मैकगर्क के जल्दी आउट होने के बाद लोकेश राहुल और अभिषेक पोरल ने साझेदारी कर पारी को संभाला। अक्षर पटेल और ट्रिस्टन स्टब्स ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाज़ी कर टीम को 188 पहुंचाया।

राजस्थान के रियान पराग और शिमरोन हेटमायर बल्लेबाजी करने आए। पराग अपनी गलती से रन आउट हुए ऐसे में यशस्वी को मैदान पर आना पड़ा। यशस्वी भी 5वीं गेंद पर रन आउट हो गए। राजस्थान टीम 11 रन पर ढेर हो गई और दिल्ली को 12 रन का टारगेट मिला। सुपर ओवर में दिल्ली की ओर से मिचेल स्टार्क ने कमाल की गेंदबाजी की। राजस्थान की ओर से संदीप शर्मा ने सुपर ओवर किया। वहीं केएल राहुल और ट्रिस्टन स्टब्स बल्लेबाजी के लिए उतरे और उन्होंने

दिल्ली को जीत दिला दी। दिल्ली कैपिटल्स ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खराब शुरुआत के बावजूद पहली पारी में 4 विकेट खोकर 188 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज जैक फ्रेजर मैकगर्क के जल्दी आउट होने के बाद लोकेश राहुल और अभिषेक पोरल ने साझेदारी कर पारी को संभाला। राहुल के आउट होने के बाद अक्षर पटेल और ट्रिस्टन स्टब्स ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाज़ी कर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। राहुल की पारी भले ही थोड़ी धीमी रही, लेकिन करुण नायर और फ्रेजर मैकगर्क के जल्दी आउट होने के बाद उन्होंने जिम्मेदारी संभाली। यदि उनके और पोरल के बीच यह साझेदारी न होती, तो दिल्ली की टीम इस स्कोर तक नहीं पहुंच पाती। हालांकि, पोरल अर्धशतक से सिर्फ एक रन दूर रहकर आउट हो गए। अक्षर पटेल जब मैदान में उतरे तो उन्होंने पहले से ही तय रणनीति के तहत बल्लेबाजी की। उन्होंने न सिर्फ तेजी से रन बनाए, बल्कि राजस्थान के गेंदबाजों की लाइन और लेंथ भी बिगाड़ दी। स्टब्स के साथ उनकी साझेदारी ने टीम को मजबूती दी। यह कहना गलत नहीं होगा कि अक्षर ने कप्तानी की जिम्मेदारी को बल्लेबाजी में भी बखूबी निभाया। पहले 10 ओवरों में दिल्ली ने केवल 76 रन बनाए थे और ऐसा लग रहा था कि टीम 150 का स्कोर भी नहीं बना पाएगी। लेकिन अंतिम 10 ओवरों में दिल्ली ने 112 रन जोड़कर स्कोर को 189 तक पहुंचाया। राजस्थान के गेंदबाज संदीप शर्मा आखिरी ओवरों में लय में नजर नहीं आए। उन्होंने चार वाइड और एक नो बॉल फेंकी, जिससे उनके ओवर में कुल 19 रन बने। दिल्ली की शुरुआत बेहद खराब रही। जैक फ्रेजर मैकगर्क को लगातार छठी बार ओपनिंग का मौका मिला, लेकिन वह एक बार फिर फ्लॉप रहे। आक्रामक बल्लेबाज के रूप में पहचाने जाने वाले मैकगर्क ने मात्र 9 रन बनाए और 2.3 ओवर में टीम के 34 रन के स्कोर पर आउट हो गए। अब तक खेले गए छह मैचों में उनके स्कोर क्रमशः 1, 36, 0, 7, 0 और 9 रहे हैं। यानी कुल मिलाकर उन्होंने केवल 55 रन बनाए हैं। इसके बावजूद टीम प्रबंधन उन पर भरोसा जताता रहा है। हालांकि फाफ डु प्लेसिस के बाहर होने के बाद उन्हें ओपनिंग की जिम्मेदारी दी गई थी, लेकिन वह अब तक उस पर खरे नहीं उतर सके हैं। इस मैच में तेज गेंदबाज जाफर आर्चर ने उनकी पारी पर जल्दी विराम लगा दिया। फ्रेजर के आउट होने के बाद उम्मीद थी कि अनुभवी करुण नायर टीम को संभालेंगे, लेकिन रनिंग बिटवीन द विकेट्स की खराब समझ के कारण वह बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। अभिषेक पोरल के साथ तालमेल की कमी का खामियाजा उन्हें रन आउट होकर चुकाना पड़ा। संदीप शर्मा ने उन्हें रन आउट किया। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का निर्णय लिया, जो पूरी तरह सफल रहा। टीम ने पावरप्ले में ही 46 रन देकर दिल्ली के दो अहम विकेट चटकाए। आर्चर ने अपनी तेज गेंदबाजी से शुरू से ही दबाव बनाया, वहीं नायर को रन आउट कर दिल्ली की स्थिति और कमजोर कर दी। राजस्थान के गेंदबाजों ने पूरी पारी में सटीक लाइन और लेंथ पर गेंदबाजी की। पावरप्ले के बाद उन्होंने दिल्ली के बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का कोई मौका नहीं दिया। तेज और स्पिन, दोनों गेंदबाजों ने मिलकर रनगति पर अंकुश लगाया और नियमित अंतराल पर विकेट झटके। हालांकि, अंतिम ओवर्स में टीम के गेंदबाज संजू की रणनीति पर खरे नहीं उतरे। टीम ने जमकर रन लुटाए। दो विकेट जल्दी गिराने के बाद भी गेंदबाज इस शानदार शुरुआत को भुनाने में नाकाम रहे। 189 रन चेज करने उतरी राजस्थान को यशस्वी जायसवाल और संजू सैमसन ने मजबूत शुरुआत दी। छठे ओवर में संजू सैमसन कुछ तकलीफ में नजर आए। ऐसे में वह रिटायर आउट हो गए। संजू ने 19 गेंदों पर 31 रन जड़े। इसके बाद बल्लेबाजी करने आए रियान पराग को दिल्ली के कप्तान अक्षर पटेल ने बोल्ड किया। रियान ने 11 गेंदों का सामना किया और 8 रन बनाए। अर्धशतक लगाने के बाद यशस्वी जायसवाल ज्यादा देर क्रीज पर नहीं टिके। कुलदीप यादव की गेंद पर वह मिचेल स्टार्क को कैच थमा बैठे। जायसवाल ने 37 गेंदों का सामना किया और 51 रन बनाए। अपनी इस पारी में उन्होंने 3 चौके और 4 छक्के भी लगाए। नीतीश राणा ने फिफ्टी लगाई। उन्होंने 28 गेंदों पर 51 रन ठोंक दिए। 20वें ओवर की आखिरी गेंद पर ध्रुव जुरेल 26 के स्कोर रन आउट हुए। ऐसे में राजस्थान भी 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 188 रन ही बना सकी और मुकाबला सुपर ओवर में पहुंच गया। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 का पहला सुपर ओवर बुधवार को अरुण जेटली स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच खेला गया। इस सुपर ओवर में दिल्ली कैपिटल्स ने जीत दर्ज की। इसके पहले 189 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए, राजस्थान ने 4 विकेट पर 188 रन बनाए, जिसमें यशस्वी जायसवाल और नितीश राणा के 51-51 रन थे। राजस्थान की टीम ने लक्ष्य का पीछा करते हुए शानदार शुरुआत की, संजू सैमसन और जायसवाल ने मुकेश कुमार की गेंदों पर शानदार शॉट्स खेले। 20 रन पर आशुतोष शर्मा द्वारा ड्रॉप किए जाने के बाद, सैमसन ने विप्रज निगम की गेंद पर दो पुल शॉट लगाए, जिसमें छह और चार रन शामिल थे। लेकिन निगम की कट-ऑफ खेलने से चूकने के बाद, सैमसन को पसलियों में चोट लग गई और वे 31 रन बनाकर मैदान से बाहर चले गए। आरआर ने पावर-प्ले 63 रन के साथ खत्म किया। इसके बाद अक्षर पटेल ने रियान पराग को धीमी गेंद पर आठ रन पर आउट कर दिया। नितीश राणा ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया। उन्होंने कुलदीप की गेंद पर पुल और रिवर्स स्वीप करके छक्का और चौका लगाया, इसके बाद 26 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। गेंदबाजी मोर्चे पर आए स्टार्क ने एक बेहतरीन यॉर्कर फेंकी और राणा को 51 रन पर एलबीडब्ल्यू आउट किया। जिससे डीसी को वापसी की उम्मीद जगी। ध्रुव जुरेल और शिमरोन हेटमायर ने दो-दो चौके लगाकर सुनिश्चित किया कि आरआर जीत दर्ज करे, लेकिन स्टार्क ने अंतिम ओवर में पांच सटीक यॉर्कर फेंकी। जिससे यह सुनिश्चित हो गया कि मैच का विजेता सुपर ओवर के बाद ही निकलेगा। सुपर ओवर में दिल्ली कैपिटल्स ने राजस्थान रॉयल्स के हाथों से मैच छीन लिया।

■ प्वाइंट्स टेबल पर दिल्ली टाप पर

दिल्ली अब पांच जीत के साथ प्वाइंट टेबल पर टॉप पर पहुंच गई है। दिल्ली कैपिटल्स 20 ओवर में 188/5 (अभिषेक पोरेल 49, केएल राहुल 38; जोफ्रा आर्चर 2-32, वानिंदु हसरंगा 1-38) और राजस्थान रॉयल्स 20 ओवर में 188/4 (नीतीश राणा 51, यशस्वी जयसवाल 51; अक्षर पटेल 1-23, कुलदीप यादव 1-33)।

टी20 की बढ़ती साख के बीच रोहित ने वनडे क्रिकेट का किया समर्थन : टीम इंडिया क्रिकेट के कप्तान रोहित शर्मा ने वर्तमान युग में वनडे क्रिकेट की स्थिरता का समर्थन किया है। वो भी तब जब टी-20 क्रिकेट की साख तेजी से बढ़ रही है। रोहित ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क के साथ एक पॉडकास्ट में बताया कि किस तरह आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी अभियान के दौरान उनकी टीम को चुनौतियों का सामना करना पड़ा।

बियॉन्ड23 क्रिकेट पॉडकास्ट पर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क के साथ बातचीत में रोहित ने इस बात पर जोर दिया कि मौजूदा व्यवस्था में टी20 क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता के बावजूद, वनडे क्रिकेट के प्रारूपों में से एक है। उन्होंने बताया कि 50 ओवर के प्रारूप से उनका जुड़ाव गहरा है, जो एक क्रिकेटर के रूप में उनके प्रारंभिक वर्षों से जुड़ा है। रोहित ने कहा, मुझे पता है कि वनडे क्रिकेट पर काफी सवाल उठ रहे हैं। यह टिकाऊ प्रारूप है या नहीं। देखिए, हम सभी 50 ओवर का विश्व कप देखते हुए बड़े हुए हैं। जब हमने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी खेली थी, तब ये मैच काफी रोमांचक होते थे। मुझे पता है कि यह काफी लंबा होता है, क्योंकि लोग टी-20 क्रिकेट देख रहे हैं। लेकिन, 50 ओवर के क्रिकेट की अपनी चुनौतियां हैं। गौरतलब हो कि भारत की चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की जीत में रोहित शर्मा ने पांच मैचों में 180 रन बनाए। फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 83 गेंद पर 76 रन की उनकी पारी ने भारत को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई। जब वनडे की बात आती है, तो रोहित लंबे समय से भारत के सबसे सफल बल्लेबाजों में से एक रहे हैं। रोहित शर्मा ने 273 मैच में 11,138 रन बनाए हैं। यह एक ऐसी उपलब्धि है जो इस प्रारूप में उनकी निरंतरता और प्रभाव को दर्शाती है। रोहित ने भारत के 2023 वनडे विश्व कप अभियान में उम्दा प्रदर्शन किया था। अपनी बल्लेबाजी क्षमता से रोहित ने सभी को प्रभावित किया था। वर्तमान में, रोहित अपनी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में व्यस्त है। मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हुए वह फिलहाल खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं। स्टार सलामी बल्लेबाज ने पांच मैच में 11.20 की औसत से सिर्फ 56 रन बनाए हैं। फैंस उनके फॉर्म में लौटने की उम्मीद कर रहे हैं।

इंग्लैंड दौरे पर रोहित शर्मा ही होंगे कप्तान : इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के बाद भारतीय टीम इंग्लैंड का दौरा करेगी। इस दौरे पर दोनों टीमों के बीच 5 टेस्ट मैचों की सीरीज खेली जाएगी। इस सीरीज के साथ ही भारतीय टीम नए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप साइकिल की शुरुआत करेगी। सीरीज की शुरुआत से पहले रोहित शर्मा की फॉर्म और भारतीय टीम के सिलेक्शन पर चर्चा होने लगी है। फैंस को इंतजार है कि क्या सिलेक्टर फिर से रोहित शर्मा पर भरोसा जताएंगे। 2024-25 सत्र के दौरान रोहित का बल्ला खामोश रहा था। रोहित शर्मा का टेस्ट फ्यूचर अटकलों का विषय बन गया है, लेकिन ऐसा लगता है कि भारतीय कप्तान पहले से ही इंग्लैंड में 20 जून से शुरू होने वाली सीरीज के लिए तैयार हैं। बियॉन्ड23 क्रिकेट पॉडकास्ट में ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क से बात करते हुए रोहित ने कहा कि उन्हें बहुप्रतीक्षित टेस्ट सीरीज में टीम से एक मजबूत प्रदर्शन की उम्मीद है। रोहित ने भारत की सफलता के लिए पूरी तरह से फिट जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी और एक मजबूत पेस यूनिट के महत्व पर जोर दिया।

उन्होंने उम्मीद जताई कि टीम के प्रमुख तेज गेंदबाज आईपीएल 2025 अभियान से बिना किसी नुकसान के निकलेंगे। रोहित शर्मा ने कहा, ÷बिल्कुल भारत के पास इंग्लैंड को इंग्लैंड में हराने का एक बड़ा मौका है। पिछली बार जब हमने इन खिलाड़ियों के साथ खेला था तो यह 2-2 था। हमें इनमें से कुछ खिलाड़ियों (बुमराह और शमी) को 100 प्रतिशत फिट होने की जरूरत है। रोहित ने कहा, हमें बस यह सुनिश्चित करना है कि वे आईपीएल से वास्तव में अच्छा प्रदर्शन करें।

बीडब्ल्यूएफ सुदीरमन कप फाइनल 2025 के लिए 14 सदस्यीय भारतीय टीम घोषित

चर्चित राजनीति। एजेंसी

नई दिल्ली। बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (बीएआई) ने बीडब्ल्यूएफ सुदीरमन कप फाइनल 2025 के लिए 14 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा की है, जिसमें दुनिया की 10वें नंबर की पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी चोट के बाद वापसी कर रहे हैं। टीम में पूर्व विश्व चैंपियन पीवी सिंधु, विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता लक्ष्य सेन और एचएस प्रणय भी शामिल हैं। द्विवार्षिक टूर्नामेंट, जो विश्व मिश्रित टीम चैंपियनशिप है, 27 अप्रैल से 4 मई तक चीन के जियामेन में आयोजित किया जाएगा।

भारत ने अपनी विश्व रैंकिंग के आधार पर प्रतिष्ठित मिश्रित टीम चैंपियनशिप के लिए अर्हता प्राप्त की और पहले ग्रुप डी लाइनअप से अपने नॉकआउट स्थान को सुरक्षित करने की कोशिश करेगा जिसमें पूर्व चैंपियन इंडोनेशिया, दो बार के उपविजेता डेनमार्क और इंग्लैंड भी शामिल हैं।

चयनकर्ताओं ने कुछ चोटों की चिंताओं के बावजूद सभी पांच श्रेणियों में सर्वश्रेष्ठ संभव संयोजन चुना है। बीएआई के महासचिव संजय मिश्रा ने कहा, %%हम अब टाई जीतने के लिए एक या दो मुकाबलों पर निर्भर नहीं हैं और यह हमें किसी भी टीम इवेंट में एक दुर्जेय शक्ति बनाता है। हमें विश्वास है कि टीम न केवल ग्रुप चरणों में अपनी छाप छोड़ेगी बल्कि पदक जीतकर इतिहास रच सकती है। हाल ही में संपन्न बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में मजबूत प्रदर्शन के बाद टीम का मनोबल ऊंचा है, जहां पीवी सिंधु ने बहुमूल्य मैच अभ्यास हासिल किया, जबकि ध्रुव कपिला और तनिषा क्रैस्टो की मिश्रित युगल जोड़ी ने क्वार्टर फाइनल में पहुंचकर प्रभावित किया। हालांकि, चोटों के कारण गायत्री गोपीचंद और ट्रीसा जॉली की महिला युगल जोड़ी बाहर हो गई। भारत की शीर्ष वरीयता प्राप्त महिला जोड़ी पिछले सप्ताह बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में भी नहीं खेली थी।

सेन और प्रणय, जो टीम स्पर्धाओं में दमदार प्रदर्शन करने के लिए जाने जाते हैं, टीम में अमूल्य अनुभव लेकर आएंगे। इस बीच, सात्विक और चिराग, जो पिछले सप्ताह बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में नहीं खेल पाए थे, को हरिहरन अम्साकरुनन और रुबन कुमार रेथिनासाबापति की बैकअप जोड़ी का समर्थन प्राप्त होगा। पूर्व राष्ट्रीय चैंपियन अनुपमा उपाध्याय, जो विश्व में 45वें स्थान पर हैं, टीम में दूसरी महिला एकल खिलाड़ी होंगी। इसके अलावा, प्रिया कोनजेंगबाम और श्रुति मिश्रा की युवा जोड़ी भी शामिल है।

सुदीरमन कप में प्रत्येक मुकाबले में पांच मैच होते हैं - पुरुष एकल, महिला एकल, पुरुष युगल, महिला युगल और मिश्रित युगल। सुदीरमन कप के 19वें संस्करण में कुल 16 टीमें हिस्सा लेंगी। ड्रॉ के दौरान चार वरीयता प्राप्त टीमों को अलग-अलग समूहों में रखा गया था, जिसमें गत चैंपियन और मेजबान चीन ग्रुप ए में शीर्ष वरीयता प्राप्त है। सुदीरमन कप में भारतीय बैडमिंटन टीम का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2011 और 2017 में आया था, जब वे क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे। पिछले संस्करण में, भारत मलेशिया और चीनी ताइपे से हारने के बाद ग्रुप चरण में ही बाहर हो गया था। सुदीरमन कप के लिए भारतीय टीम- पुरुष : लक्ष्य सेन, एचएस प्रणय, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी, चिराग शेट्टी, हरिहरन अम्साकरुनन, रुबन कुमार आर, ध्रुव कपिला, सतीश कुमार करुणाकरण। टीम महिला में पीवी सिंधु, अनुपमा उपाध्याय, तनिषा क्रैस्टो, प्रिया कोनजेंगबाम, श्रुति मिश्रा, आद्या वरियाथ शामिल हैं।

ब्रिजस्टोन इंडिया ईवी-रेडी टायरों के साथ बाजार विस्तार की तैयारी में

चर्चित राजनीति। एजेंसी

नईदिल्ली। ब्रिजस्टोन इंडिया, यात्री और वाणिज्यिक वाहनों के लिए टायर निर्माता कंपनी, अपनी ट्यूरांज़ा 6द्ब और ड्यूलर ऑल टेरेन 002 टायर श्रृंखला का विस्तार करने के लिए तैयार है।

कंपनी विभिन्न वाहनों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए इन लोकप्रिय श्रेणियों में नए आकार पेश करेगी। कंपनी के कार्यकारी निदेशक राजर्षि मोइत्रा के अनुसार, ट्यूरांज़ा 6द्ब टायर एसयूवी, सीयूवी, सेडान और हैचबैक जैसे वाहनों के लिए डिज़ाइन किया गया है और वर्तमान में 14 से 20 इंच के आकार में उपलब्ध है। वहीं, ड्यूलर 002 विशेष रूप से 4x4 वाहनों के लिए बनाया गया है। मोइत्रा ने बताया कि कंपनी ने पिछले साल इन श्रेणियों में कुछ आकार लॉन्च किए थे और अब 2025 में मई से अक्टूबर के बीच कई नए विकल्प पेश किए जाएंगे। भारतीय टायर बाजार लगभग 4.4 करोड़ यूनिट का है, जिसमें ओईएम (ओरिजिनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर) खंड में 2 करोड़ यूनिट और आफ्टरमार्केट खंड में 2.4 करोड़ यूनिट शामिल हैं। ब्रिजस्टोन इंडिया का आफ्टरमार्केट खंड में 20त्न बाजार हिस्सेदारी का दावा है और यह मारुति सुजुकी, हुंडई, टाटा मोटर्स और महिंद्रा जैसे प्रमुख कार निर्माताओं के साथ काम करती है। मोइत्रा ने अगले पांच वर्षों में आफ्टरमार्केट खंड में 6-8त्न वार्षिक वृद्धि का अनुमान जताया और कहा कि कंपनी अपनी 20 फीसदी हिस्सेदारी बनाए रखने और उससे आगे बढ़ने पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

लखनऊ में 19 अप्रैल से खिलाड़ियों का सांसद खेल महासंग्राम, रक्षा मंत्री करेंगे उद्घाटन

लखनऊ, चसं। राजधानी लखनऊ में खेल प्रतिभाओं को मंच देने और युवा ऊर्जा को दिशा देने के उद्देश्य से सांसद खेल महाकुंभ 2024 का आयोजन 19 से 22 अप्रैल तक किया जा रहा है। आयोजन का शुभारंभ केडी सिंह बाबू स्टेडियम में होगा, जहां योग सत्र के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की जाएगी।

उद्घाटन समारोह में रक्षा मंत्री और लखनऊ सांसद राजनाथ सिंह मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। इस बार आयोजन को व्यवस्थित और भव्य बनाने के लिए जिले को 8 जोनों में बांटा गया है। चार दिनों तक चलने वाले इस खेल महाकुंभ में वॉलीबॉल, कबड्डी, फुटबॉल, हॉकी, बॉक्सिंग और ताइक्वांडो जैसे प्रमुख खेलों के मुकाबले होंगे। भाजपा लखनऊ शहर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने बताया, करीब 2400 खिलाड़ी इस बार हिस्सा लेंगे। आयोजन का उद्देश्य युवाओं को खेलों से जोड़ना और फिटनेस को बढ़ावा देना है। सांसद खेल महाकुंभ में प्रत्येक खेल की विजेता और उपविजेता टीमों को नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। आयोजकों के अनुसार, कार्यक्रम के दौरान सभी मुकाबलों की निगरानी अनुभवी रेफरी और प्रशिक्षकों की देखरेख में की जाएगी। बीजेपी महानगर अध्यक्ष ने बताया कि खिलाड़ियों में प्रतियोगिता को लेकर खासा उत्साह है। सभी जोनों में प्रतिभागी टीमें तैयार हैं और लखनऊ में इस बार खेल के सबसे बड़े मंच पर खुद को साबित करने को बेताब हैं।

मयंक यादव ने की लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम में वापसी

लखनऊ, चसं। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) को बड़ी राहत मिली है, क्योंकि तेज गेंदबाज मयंक यादव टीम में वापसी कर चुके हैं। उम्मीद है कि वह शनिवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ होने वाले मैच में खेलते नजर आएंगे। एलएसजी ने मयंक की वापसी की जानकारी एक खास वीडियो के जरिए अपने सोशल मीडिया पर दी, और कैप्शन में लिखा -मयंक यादव लौट आए हैं।

मयंक को पीठ में चोट लगी थी, जिसकी वजह से वह बाहर थे। इस सीजन की शुरुआत में उनकी वापसी लगभग तय थी, लेकिन अचानक पैर की उंगली में उन्हें फिर से चोट लग गई। इस चोट में इंफेक्शन हो गया और उनकी वापसी और टल गई। मयंक पिछले साल बांग्लादेश के खिलाफ तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलकर टीम इंडिया में शामिल हुए थे। इसके बाद वह पूरे घरेलू सीजन से बाहर रहे और बेंगलुरु में बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में इलाज और ट्रेनिंग करते रहे। एलएसजी के कोच जस्टिन लैंगर पहले ही मयंक की वापसी को लेकर उत्साहित थे। उन्होंने कहा था, मयंक अब दौड़ने और गेंदबाजी करने लगे हैं, जो कि भारतीय क्रिकेट और आईपीएल दोनों के लिए बहुत अच्छी बात है। मैंने एनसीए में उनकी गेंदबाजी का वीडियो देखा, जिसमें वह लगभग 90 से 95 प्रतिशत फिट नजर आ रहे थे। पिछले सीजन में मयंक ने अपनी तेज रफ्तार और विकेट लेने की क्षमता से सबको चौंका दिया था। वह लगातार 150 किलोमीटर प्रति घंटा से तेज गेंद फेंक रहे थे। उन्होंने एलएसजी के लिए सिर्फ चार मैच खेले थे, लेकिन फिर भी उन्हें बड़े खिलाड़ियों के साथ रिटेन किया गया था।

अर्जुन कपूर ने बताया, मेरा पहला प्यार फिल्म निर्माण था

तेवर, सिंघम अगेन जैसी फिल्म में शानदार काम कर दर्शकों के पसंदीदा अभिनेता बने अभिनेता अर्जुन कपूर ने बताया कि एक्टिंग से पहले उनका सपना फिल्म मेकिंग का था। अर्जुन कपूर ने बताया कि उनका पहला प्यार फिल्म निर्माण था। अभिनेता ने हाल ही में फिल्म निर्माण के प्रति अपने शुरुआती जुनून के बारे में बताया, उन्होंने बताया कि कैसे अभिनय के उनके जीवन के केंद्र में आने से पहले कहानी सुनाना और निर्देशन उनका पहला प्यार था। अर्जुन ने बताया, यह सिनेमा की जादुई चाल है जो मुझे आकर्षित करती है। हर चीज तार्किक नहीं होना चाहिए। वास्तव में विश्वास ही भ्रम को बेचता है। मुझे कोरियाई और यूरोपीय फिल्में देखना बहुत पसंद है। मैं एक फिल्म निर्माता बनना चाहता था। उस समय आरकेआरसीकेआर सबसे महंगी फिल्म थी। मैं इससे मोहित हो गया था और फिल्में बनाना चाहता था। मैं जानना चाहता हूं कि फिल्म कैसे बनती हैं और यह प्रक्रिया मुझे खुशी देती है। अभिनेता ने यह भी बताया कि अपने पिता और फिल्म निर्माता बोनी कपूर को रूप की रानी चोरों का राजा के विजन को देखकर उनके मन में फिल्म को लेकर और उत्सुकता बढ़ गई थी। अभिनेता वर्तमान में एडी रेडमैन स्टारर द डे ऑफद जैकल देखने में व्यस्त हैं। उन्होंने टॉप गन फ्रेंचाइजी के बारे में भी अपने विचार साझा किए। जब उनसे पूछा गया कि उन्हें कौन सी फिल्म पसंद है, तो अर्जुन ने कहा, टोनी स्कॉट की फिल्म ओजी है। मुझे उनकी फिल्में पसंद हैं। फिर डेविड फिंचर की फिल्में सेवन और फाइट क्लब जैसी फिल्में भी हैं। अभिनेता ने आधुनिक फिल्म ट्रेलर्स पर निराशा व्यक्त की, क्योंकि वे कहानी का बहुत अधिक हिस्सा इसमें बता देते हैं। इसके साथ ही उन्होंने 'पद्मावत', 'एनिमल' और 'बाजीराव मस्तानी' के टीजर में बनाए गए रहस्य की सराहना की। कपूर ने कहा, एनिमल का टीजर और ट्रेलर बहुत बढ़िया था! पद्मावत का ट्रेलर बहुत खूबसूरत था। आप केवल खूबसूरत शॉट्स ही देख सकते हैं। यहां तक कि बाजीराव मस्तानी का ट्रेलर भी बेहतरीन था। वर्कफ्रंट की बात करें तो अर्जुन कपूर पिछली बार मेरे हसबैंड की बीवी में रकुल प्रीत सिंह और भूमि पेडनेकर के साथ नजर आए थे।

बेटी दुआ के साथ नए आलीशान घर में नई शुरुआत करेंगे दीपिका-रणवीर, सामने आई आशियाने की पहली झलक

बॉलीवुड के सबसे चर्चित और पसंदीदा जोड़ों में से एक दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह ने इन दिनों अपनी जिंदगी का सबसे खूबसूरत फेज एंजॉय कर रहे हैं। यह कपल 8 सितंबर 2024 को एक प्यारी सी बेटी दुआ के माता-पिता बने थे, जिसे पाकर दोनों की खुशी का कोई ठिकाना नहीं रहा। वहीं, अपनी लाडली के स्वागत के लिए रणवीर और दीपिका ने मुंबई के पॉश इलाके में एक बेहद आलीशान क्वाड्रुप्लेक्स अपार्टमेंट खरीदा है, जो शाहरुख खान के बंगले श्मन्नतश् के बिल्कुल पास स्थित है। इस अपार्टमेंट की अब एक खूबसूरत झलक भी सामने आई है। बेटी के लिए खरीदे गए दीपिका-रणवीर के इस अपार्टमेंट की खासियत यह है कि यह एक ही इमारत की 16वीं से लेकर 19वीं मंजिल तक फैला हुआ है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस शानदार अपार्टमेंट की कीमत 100 करोड़ रुपए से भी अधिक बताई जा रही है। इसे इस तरह डिजाइन किया गया है कि घर से समुद्र का शानदार दृश्य साफदिखाई दे। हाल ही में एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें इस इमारत की झलक दिखाई गई है कृ जिसमें चार फ्लोर एकसाथ जुड़े हुए नजर आते हैं।बता दें, मातृत्व के इस नए सफर से पहले दीपिका पादुकोण को आखिरी बार रोहित शेट्टी की फिल्म 'सिंघम अगेन' में देखा गया था, जिसमें उन्होंने डीसीपी शक्ति शेट्टी का दमदार किरदार निभाया था। मां बनने के बाद दीपिका ने अब तक अपने अगले प्रोजेक्ट की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है। वहीं रणवीर सिंह इस समय आदित्य धर की अपकमिंग फिल्म 'धुरंधर' की शूटिंग में जुटे हैं, जिसमें उनके साथ संजय दत्त, आर. माधवन, अक्षय खन्ना और यामी गौतम भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। इसके अलावा वह जल्द ही फरहान अख्तर के निर्देशन में बनने वाली फिल्म 'डॉन 3', पॉपुलर सुपरहीरो प्रोजेक्ट 'शक्तिमान', और संजय लीला भंसाली की मेगा फिल्म 'बैजू बावरा' में भी दिखाई देंगे।

मां बनी चक दे इंडिया की एक्ट्रेस सागरिका घाटगे जहीर खान के घर गूंजी नन्हें शहजादे की किलकारी

बी-टाउन और क्रिकेट वर्ल्ड से बेहद ही प्यारी खबर सामने आई है। खबर है कि चक दे इंडिया की एक्ट्रेस सागरिका घाटगे और पूर्व भारतीय क्रिकेटर जहीर खान मम्मी-पापा बन गए हैं। जी हां, सागरिका घाटगे और पूर्व भारतीय क्रिकेटर जहीर खान के घर नन्हें शहजादे की किलकारी गूंजी है। इस कपल ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर दो तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें उनके बेटे की झलक दिखाई दे रही है। कपल ने अपने बेटे का नाम भी बताया है। इस खबर को सुनकर फैंस काफी ज्यादा खुश हैं और कपल को बधाई दे रहे हैं।कपल ने जो तस्वीरें शेयर की हो वो दोनों ही ब्लैक एंड वाइट है। एक फोटो में कपल पोज देते हुए नजर आ रहे हैं और जहीर खान अपनी गोद में बेटे को रखे हैं। वहीं दूसरी तस्वीर में बेबी और माता-पिता का हाथ दिखाई दे रहा है। इस फोटो को शेयर करते हुए कपल ने कैप्शन में लिखा-प्यार, कृतज्ञता और दिव्य आशीर्वाद के साथ हम अपने प्यारे छोटे बच्चे स्वागत करते हैं।

'हजारों ख्वाहिशें ऐसी' के 20 साल पूरे, चित्रांगदा सिंह ने बताया, कैसी थी शूटिंग के वक्त हालत

सुधीर मिश्रा की फिल्म 'हजारों ख्वाहिशें ऐसी' के बुधवार को रिलीज होने के 20 साल पूरे हो गए। अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह ने पुरानी यादों को ताजा करते हुए बताया कि इस फिल्म ने उन्हें सिनेमा की दुनिया से परिचित कराया था। सेट पर अपने पहले दिन को याद करते हुए, चित्रांगदा ने एक दिल छू लेने वाला वाकया शेयर किया।

उन्होंने कहा, पहली बार मैंने एक सही मूवी कैमरा देखा था, वो भी शूटिंग के अपने पहले दिन। यह वह सीन था, जहां केके का किरदार गेस्ट हाउस में गीता से मिलने आता है। यह एक भावनात्मक क्षण था, जिसे लेकर मैं घबराई हुई थी। मैं उस एहसास को कभी नहीं भूल सकती। मुझे लगता है कि मैंने दो या तीन टेक में शॉट ओके कर दिया। सुधीर मिश्रा ने बस इतना ही कहा, चित्रांगदा, फिल्मों में आपका स्वागत है। मुझे आज भी वह दिन बहुत स्पष्ट रूप से याद है। सुधीर मिश्रा के निर्देशन में बनी, हजारों ख्वाहिशें ऐसी एक कल्ट क्लासिक बन गई, जिसे इसकी कहानी और मजबूत अभिनय के लिए सराहा गया। गीता के रूप में चित्रांगदा के चित्रण ने एक स्थायी छाप छोड़ी और दो दशक बाद भी इसकी सफलता का जश्न मनाया गया। भारतीय इमरजेंसी की पृष्ठभूमि पर आधारित, हजारों ख्वाहिशें ऐसी 1970 के दशक के तीन युवाओं के इर्द-गिर्द घूमती है, जब भारत बड़े पैमाने पर सामाजिक और राजनीतिक बदलावों से गुजर रहा था। फिल्म का टाइटल उर्दू शायर मिर्जा गालिब के शेर से लिया गया है। चित्रांगदा अपनी पहली फिल्म में केके मेनन और शाइनी आहूजा के साथ नजर आई थीं। हाल ही में, चित्रांगदा को नेटफ्लिक्स सीरीज खाकी : द बंगाल चैप्टर में देखा गया था, जिसमें वह निबेदिता बसाक की भूमिका निभा रही हैं। इसके बाद, वह अक्षय कुमार के साथ बहुप्रतीक्षित सीक्वल हाउसफुल 5 में नजर आएंगी। इसमें चित्रांगदा के साथ रितेश देशमुख, संजय दत्त, फरदीन खान, नाना पाटेकर, जैकी श्रॉफ, डिनो मोरिया, जैकलीन फर्नांडीज, नरगिस फाखरी, सोनम बाजवा, सौंदर्या शर्मा और चंकी पांडे जैसे एक्टर्स मुख्य भूमिकाओं में हैं। नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट बैनर के तहत साजिद

नाडियाडवाला ने हाउसफुल 5 का निर्माण किया है। फिल्म 6 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बता दें कि अपनी पहली ही फिल्म 'हजारों ख्वाहिशें ऐसी' में गीता राव के किरदार से लोगों का दिल जीतने वाली एक्ट्रेस चित्रांगदा सिंह स्क्रीन पर काफी कम नजर आती हैं। चित्रांगदा इसकी वजह मनमाफिक फिल्में न मिलना बताती हैं। इन दिनों वह अपनी डेब्यू वेब सीरीज खाकी : द बंगाल चैप्टर को लेकर चर्चा में हैं। बातचीत में चित्रांगदा सिंह ने बताया कि हां, मेरा काम थोड़ा काम है। मैं ये मानती हूं कि अभी तक का मेरा बॉडी ऑफ वर्क इतना ज्यादा नहीं है, लेकिन फिर भी दर्शकों ने मुझे याद रखा है। वे अभी तक मुझे भूले नहीं हैं। ऐसा नहीं है कि मैं काम करना नहीं चाहती हूं या ऐसा सोचकर चलती हूं कि कम काम करना है, मगर अच्छा काम या जो काम मैं करना चाहती हूं, वो मिलता नहीं है और जो नहीं करना चाहती हूं, वैसा ही काम आता है। वो होता है ना कि जो आप नहीं करना चाहते, वही ज्यादा आता है। लेकिन अभी मेरी दो और फिल्में (हाउसफुल 5 और रात अकेली है 2) आएंगी तो प्लीज उन फिल्मों को देखिए और मुझे सपोर्ट कीजिए,क्योंकि थोड़ा अभी काम आ रहा है तो अब आप मुझे ज्यादा देखेंगे। शुरुआत खाकी-द बंगाल चैप्टर से हुई है, जो मेरी डेब्यू सीरीज है। मेरा बड़ा मन था कि मैं नीरज पांडे के साथ काम करूं, तो साल की शुरुआत में वो हुआ है। अभी दो और फिल्में आनी हैं, तो मैं बहुत उत्साहित हूं। ऐसा नहीं है कि मैं काम करना नहीं चाहती हूं या ऐसा सोचकर चलती हूं कि कम काम करना है, मगर अच्छा काम या जो काम मैं करना चाहती हूं, वो मिलता नहीं है।

चित्रांगदा ने बताया कि सूरमा के बाद हम अभी एक और बायोपिक पर काम कर रहे हैं। इसके अलावा, एक वेब सीरीज भी प्रड्यूस कर रही हूं, जो मैंने लिखी भी है तो उसे लेकर भी मैं बहुत एक्साइटेड हूं। इनमें से एक प्रोजेक्ट में मैं हूं, जबकि दूसरे में मैं फिट नहीं होती हूं। उन्होंने बताया कि मुझे सच में लगता है कि गीता राव अगर आज होती तो वहीं होती, जहां पर इस सीरीज का मेरा किरदार निवेदिता है। वह भी कॉलेज के दिनों में राजनीतिक चीजों में इन्वॉल्व थी। एक आदर्शवादी समाज के सपने के लिए सवाल खड़े करना, प्रोटेस्ट करना और बेहतर कल के लिए लड़ना, ये चीजों दोनों में हैं। फिर जो लुक था, कॉटन साड़ी और जब मैंने अपने बाल बांधे तो मुझे लगा कि ओह गॉड, अभी लगभग बीस साल हो गए हैं, मगर दोनों में कितनी समानता है, तो निश्चित तौर पर इसमें मुझे गीता राव की झलक दिखी। उन्होंने कहा कि रियल लाइफ नेता तो नहीं, मगर सुचित्रा सेन की जो फिल्म है आंधी, अगर उसका रीमेक हो, तो वो जरूर करना चाहूंगी। उन्होंने इतनी खूबसूरती से वो किरदार निभाया है, वो इतनी कमाल की ऐक्ट्रेस हैं और यह सिर्फ राजनीतिक किरदार निभाने की बात नहीं है, उसकी निजी जिंदगी में भी जो चीजें होती हैं, मतलब वो मर्दों की दुनिया में एक औरत की जंग वाली बात है। ऐसा अगर कुछ किरदार हो तो जरूर करना चाहूंगी। चित्रांगदा ने बताया कि मैं सुधीर (डायरेक्टर सुधीर मिश्रा) को बोलती रहती हूं। हमने हाल ही में फिल्म के निर्माता प्रीतिश नंदी को खो दिया। उनका बहुत मन था कि हजारों ख्वाहिशें ऐसी का सीक्वल बने। जब मैं उनकी फिल्म मॉडर्न लव कर रही थी, तो सेट्स पर बहुत उत्साह से कहते थे कि वह बहुत चाहते हैं कि हजारों ख्वाहिशें का सीक्वल बने। उन्होंने सुधीर से भी सीक्वल के लिए बात की थी, पर पता नहीं ऐसा कब होगा। दबंग चुलबुल पांडे, वह बहुत ही एंटरटेनिंग पुलिसवाले हैं। मैं दिल्ली से हूं। मैंने मेरठ में वक्त बिताया है, पढ़ाई-लिखाई की है, तो यूपी का जो करेक्ट फ्लेवर उन्होंने पकड़ा था, वो बहुत कमाल था। बातचीत में चित्रांगदा सिंह ने बताया कि कमजोर पल वही होता है, जो परिवार से जुड़ा होता है।

फैमिली को लेकर आप बहुत भावुक होते हैं, तो जब उसमें कुछ गलत होता है तो बहुत गहरा असर पड़ता है और वह असर बहुत समय तक रहता है। वह आपको तोड़ देता है। वहीं, मजबूत पल वही रहा, जब उस चीज से बाहर निकलकर आई। वो जरूरी भी है क्योंकि जब भी आप टूटते हैं, तो उस दौर से और ज्यादा मजबूत होकर उभरते हैं। उन्होंने बताया कि पश्चिम बंगाल बहुत अद्भुत है। खासतौर से कोलकाता शहर। इस शहर से मेरी तमाम यादें पहले की भी जुड़ी हैं। दुर्भाग्य से इस बार वेब सीरीज 'खाकी : द बंगाल चैप्टर' में मेरे हिस्से की अधिकतर शूटिंग यहां मुंबई में ही अधिक हुई। हां, कुछ दिन के लिए गई थी मैं कोलकाता, इस सीरीज की शूटिंग करने। फिल्म 'बॉब बिस्वास' के लिए गई थी मैं वहां। और, अभिषेक बच्चन, फिल्म के हीरो, मेरे साथ थे ही।

चित्रांगदा ने कहा, पहली बार मैंने एक सही मूवी कैमरा देखा था, वो भी शूटिंग के अपने पहले दिन। यह वह सीन था, जहां केके का किरदार गेस्ट हाउस में गीता से मिलने आता है। यह एक भावनात्मक क्षण था, जिसे लेकर मैं घबराई हुई थी। मैं उस एहसास को कभी नहीं भूल सकती। मुझे लगता है कि मैंने दो या तीन टेक में शॉट ओके कर दिया।

आम को यूं ही नहीं कहते फलों का राजा

आम को गर्मियों में फलों का राजा यूं ही नहीं कहा जाता, यह स्वाद के साथ-साथ सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। स्वाद और पोषण से भरपूर आम को खाने से हमें एक नहीं कई फायदे मिलते हैं, हालांकि कुछ चीजें ऐसी होती हैं जिन्हें आम के साथ या तुरंत बाद में नहीं खाना चाहिए, वरना यह पाचन, त्वचा या स्वास्थ्य पर बुरा असर डाल सकती है। गर्मियों में शरीर जल्दी थकता है। आम में प्राकृतिक शर्करा होती है, जो तुरंत ऊर्जा देती है और थकान दूर करती है। आम में फाइबर होता है जो कब्ज की समस्या को कम करता है और पाचन क्रिया

दुरुस्त करता है। आम में विटामिन सी प्रचुर मात्रा में होता है, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है और संक्रमण से बचाता है। आम में मौजूद एंटीऑक्सिडेंट्स, विटामिन और त्वचा को ग्लोइंग बनाते हैं और बालों की जड़ों को पोषण देते हैं। गर्मी में हीट स्ट्रोक, डिहाइड्रेशन और शरीर में जलन जैसी समस्याएं होती हैं, लेकिन आम में मौजूद तत्व शरीर को ठंडक और तरावट देते हैं।

आम को खाने से पहले कम से कम 30 मिनट पानी में भिगोकर रखें। इससे उसमें मौजूद अतिरिक्त गमी कम हो जाती है। आम स्वादिष्ट होता है, लेकिन एक बार में 1/2 आम ही खाएं। ज्यादा खाने से गर्मी या गैस हो सकती है।

आम में नेचुरल शुगर होती है, इसलिए मधुमेह के रोगियों को डॉक्टर की सलाह लेकर ही इसे खाना चाहिए। कड़वे और खट्टे फल (जैसे नींबू, संतरा, अनानास)रू आम स्वभाव से गर्म और मीठा होता है, जबकि ये फल खट्टे और एसिडिक होते हैं। इन्हें साथ खाने से एसिडिटी, पेट में जलन या डाइजेशन प्रॉब्लम हो सकती है।

12 साल में की 100 फिल्में, मौत के वक्त दो महीने की प्रेग्नेंट थीं 'सूर्यवंशम' फेम सौंदर्या

मुम्बई, एजेंसी। 17 अप्रैल 2004 वो काला दिन था, जब साउथ फिल्म इंडस्ट्री की सबसे कामयाब अभिनेत्री में से एक सौंदर्या या सौम्या सत्यनारायण की प्लेन क्रैश में मौत हो गई थी। महज 31 साल की उम्र में सूर्यवंशम की राधा ठाकुर दुनिया को अलविदा कह गई। अभिनेत्री की सफलता का आलम तो यह था कि वह 12 साल में 100 से ज्यादा फिल्मों में काम कीं। बताते हैं कि मौत के वक्त अभिनेत्री दो महीने की प्रेग्नेंट थीं। सौंदर्या को न केवल साउथ सिनेमा में, बल्कि बॉलीवुड में भी उनके काम के लिए दर्शक काफी पसंद करते हैं। अमिताभ बच्चन स्टारर सूर्यवंशम में राधा ठाकुर का किरदार उन्होंने बखूबी पर्दे पर निभाया। हिंदी के साथ ही राधा तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और मलयाली समेत अन्य भाषाओं में भी कई फिल्में कीं। 12 साल के करियर में लगभग 100 फिल्में करने वाली सौंदर्या ने साल 2003 में एक इंजीनियर से शादी की थी। उन्होंने मौत से कुछ दिन पहले ही एक फिल्म निर्देशक को अपनी प्रेग्नेंसी की जानकारी दी थी और कुछ दिनों के लिए ब्रेक लेने की बात कही थी। लेकिन इससे पहले उनकी प्लेन क्रैश में मौत हो गई। सौंदर्या का जन्म 18 जुलाई 1972 को बेंगलुरु में हुआ था। उनके पिता का नाम केएस सत्यनारायण था, जो लेखक और फिल्म निर्माता थे। सौंदर्या ने साल 1992 में कन्नड़ फिल्म 'बा नाना प्रिथीशु' से अभिनय की दुनिया में कदम रखा था।

प्रथम पृष्ठ का शेष समाचार

देश को मिलेगा

संजीव खन्ना के रिटायरमेंट के बाद होगा। बता दें कि जस्टिस गवई इस पद पर पहुंचने वाले दूसरे दलित प्रमुख न्यायाधीश होंगे। इससे पहले जस्टिस केजी बालाकृष्णन इस सम्मानित पद पर आसीन हो चुके हैं जो अनुसूचित जाति वर्ग से थे। जस्टिस गवई का यह पदभार संभालना न्यायपालिका में दलित समुदाय की महत्वपूर्ण उपस्थिति को दर्शाता है। जस्टिस गवई की कार्यशैली और न्याय के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के कारण उन्हें एक सक्षम और निष्पक्ष न्यायधीश माना जाता है। उनके द्वारा लिया गया यह बड़ा कदम भारतीय न्यायपालिका के लिए एक नया अध्याय साबित हो सकता है।

आर्टिकल 26 धर्मनिरपेक्ष

यूजर संपत्तियां गलत हैं। बहस के दौरान सिंघवी ने यह भी कहा कि उन्हें यह तक सुनने में आया है कि संसद भवन की जमीन भी वक्फकी है।

मोदी ने फिनलैंड

साझेदारी के लिए अपने मजबूत समर्थन और हमारे लोगों के लाभ के लिए विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की पुष्टि की। हमने आपसी हितों के क्षेत्रीय और वैश्विक विकास पर भी चर्चा की।

फारूख अब्दुल्ला ने

विरोधियों ने तीखी प्रतिक्रिया दी और फारूक अब्दुल्ला पर 'विश्वासघात' का आरोप लगाया है। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख एवं पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती की पुत्री इल्तिजा ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ए.एस. दुलत के खुलासे से साफहो गया है कि फारूक अब्दुल्ला ने अनुच्छेद 370 हटाने के दिल्ली के फैसले का समर्थन किया था। फारूक साहब ने जम्मू-कश्मीर के संविधान को खत्म करने और उसके बाद हुए विश्वासघात को सामान्य बनाने में मदद करने के लिए संसद के बजाय कश्मीर में रहना चुना। पीपुल्स कॉन्फ्रेंस अध्यक्ष सज्जाद लोन ने अनुच्छेद 370 पर दुलत के खुलासे पर कहा कि उन्हें कोई हैरानी नहीं हुई। उन्होंने पूर्व रॉ प्रमुख को फारूक अब्दुल्ला का करीबी और उनका श्वैकल्पिक स्वरूपश् बताते हुए बयान को विश्वसनीय बताया। लोन ने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस इसे साजिश बताकर खारिज करेगी और हमेशा की तरह खुद को पीड़ित दिखाने की कोशिश करेगी।

हैदराबाद में पेड़ों

और जैव विविधता को नुकसान पहुंचेगा। सुप्रीम कोर्ट ने इस पूरे मामले का 3 अप्रैल को स्वतः संज्ञान लिया और मामले को गंभीर बताया। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई की तारीख 15 मई तय की है। तब तक के लिए सभी संबंधित गतिविधियों पर रोक लगाई गई है और कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि यथास्थिति बनी रहनी चाहिए।

चुनाव आयोग ने

नियम 1960, चुनाव संचालन नियम 1961 और ईसीआई के दिशा-निर्देशों के तहत अपनी जिम्मेदारियों को बेहतर ढंग से निभाने में मदद करेगा। बीएलए को कानूनी ढांचे के अनुसार उनकी नियुक्ति, भूमिका और जिम्मेदारियों के बारे में जानकारी दी गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम में बीएलए को निर्वाचन प्रक्रिया के विभिन्न पहलुओं से परिचित कराया गया, जिसमें मतदाता सूचियों की तैयारी, अपडेट और संशोधन तथा संबंधित प्रपत्र और प्रारूप शामिल हैं। मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त बीएलए जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 के प्रावधानों के अनुसार बिना गलती के वोटर लिस्ट सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाते हैं। इसके अलावा, अंतिम वोटर लिस्ट प्रकाशन के बाद असंतुष्ट होने पर जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 24(ए) और 24(बी) के तहत पहली और दूसरी अपील के प्रावधानों के उपयोग के बारे में भी प्रशिक्षित किया गया।

सीएम योगी बोले

वाराणसी और प्रयागराज नगर निगम का म्युनिसिपल बॉन्ड जारी होने वाला है। इसी वित्तीय वर्ष में गोरखपुर, मेरठ और कानपुर नगर निगमों का म्युनिसिपल बांड भी जारी करने की तैयारी करें। स्ट्रीट डॉग के काटने की समस्या गंभीर होती जा रही है, इसका स्थायी समाधान करें। नगर निकायों में मैनपॉवर की कमी नहीं होनी चाहिए। रिक्त पदों पर तत्काल भर्ती करें। जहां आउटसोर्सिंग से तैनाती होनी हो, बिना विलंब प्रक्रिया पूरी करें। बरसात शुरू होने से पूर्व सभी नगरीय निकायों में ड्रेनेज व्यवस्था को बेहतर कर लिया जाए। कहीं भी जलभराव न हो। योगी ने कहा कि प्रयागराज में वेस्ट मैटीरियल से तैयार शिवालिक पार्क श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए आकर्षण के केंद्र का अच्छा मॉडल है। इसी तर्ज पर वेस्ट और धातु अपशिष्ट का सदुपयोग करते हुए मथुरा-वृंदावन में भव्य %कृष्ण लोक% पार्क तथा अयोध्या में लवकुश पार्क एवं श्री पुरुषोत्तम दर्शन अनुभव केंद्र तैयार करना चाहिए। यहां भगवान राम, भगवान कृष्ण तथा लवकुश के जीवन चरित्र से जुड़ी कथाओं को दर्शाया जाए। थ्री-डी इंटरैक्टिव मॉडल, लाइट एंड साउंड शो हो।

कांग्रेस ने ईडी

दावा किया है कि नेशनल हेराल्ड को लेकर गांधी-नेहरू परिवार की नीयत पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं को भी संदेह था। वहीं, केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने राजनीति पर तंज कसा- जिन्होंने देश का लूटा है, उन्हें लौटाना ही पड़ेगा। पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद रविशंकर प्रसाद ने सवाल उठाया कि नेशनल हेराल्ड मामले में कानून अपना काम कर रहा है तो कांग्रेस धरना-प्रदर्शन क्यों कर रही है? जबकि पिछले चार वर्षों से राहुल गांधी और सोनिया गांधी इस मामले में संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए हैं। मामले के तकनीकी पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए सांसद प्रसाद ने कहा कि वर्ष 2008 में नेशनल हेराल्ड का प्रकाशन बंद हो गया, क्योंकि उसके प्रबंधक अखबार को चला नहीं पाए। इसके बाद कांग्रेस ने नेशनल हेराल्ड को ऋण के रूप में 90 करोड़ रुपये दिए। यह रकम असोसिएटेड जर्नल लिमिटेड को दी गई थी, जो इसका प्रकाशन करता था। कहा कि जब लोन वापस नहीं किया जा सका तो एक कॉर्पोरेट साजिश रची गई, ताकि एजेएल की पूरी संपत्ति उनके नियंत्रण में आ जाए। इसके लिए यंग इंडिया नाम की एक कंपनी बनाई गई। जिसमें सोनिया गांधी के पास 38 प्रतिशत और राहुल गांधी के पास 38 प्रतिशत शेयर थे। 50 लाख रुपये में 90 करोड़ रुपये का ऋण माफ कर हजारों करोड़ रुपये की संपत्ति पर मालिकाना हक प्राप्त कर लिया गया। रविशंकर प्रसाद ने सरदार पटेल द्वारा पंडित जवाहर लाल नेहरू को लिखे गए पत्र के हवाले से आरोप लगाया कि पटेल ने कहा था कि जिन लोगों से चंदा लिए जा रहे हैं, वह तरीका ठीक नहीं है और चिंता का विषय है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे चंद्रभानु गुप्ता ने इस अखबार के लिए बहुत सारे पैसे जुटाए थे। उन्होंने कहा था कि यह अखबार देश की आवाज बनने के लिए था, लेकिन इसे नेहरू और उनके परिवार की आवाज बना दिया गया।

सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि दरअसल, कांग्रेस और उसके नेता नहीं चाहते थे कि अखबार चले। इस नीयत पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं सरदार वल्लभ भाई पटेल, चंद्र भानु गुप्ता, पुरुषोत्तम दास टंडन आदि को बहुत पहले से संदेह था। वहीं, केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने एक्स पर पोस्ट में लिखा- कांग्रेस के एक विशेष परिवार को भारतीय न्याय व्यवस्था पर रत्ती भर भी भरोसा नहीं है, इसलिए जब भी बात इस परिवार के भ्रष्टाचार पर कार्रवाई की आती है या यूं कहें कि नेशनल हेराल्ड का नाम सुनते ही शहजादे और शाही परिवार को सांप सूंघ जाता है। समय का चक्र देखिए, दूसरों को आरोपी बनाने का षड्यंत्र रचने वाले आज खुद बेल पर हैं।

फरार चल रहे

घोषित अपराधियों की गिरफ्तारी को प्राथमिकता दी गई है। प्रत्येक इनामी अपराधी की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमों का गठन किया गया है। इन टीमों को अपराधियों की गतिविधियों, नेटवर्क और ठिकानों की विस्तृत प्रोफाइलिंग यानी श्जन्म कुंडलीश् बनाने का जिम्मा सौंपा गया है। पुलिस का कहना है कि केवल अपराधियों ही नहीं, बल्कि उन्हें सहयोग देने वालों और शरण देने वालों के खिलाफ भी कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस विशेष अभियान में स्वाट टीम और सर्विलांस यूनिट के दक्ष अधिकारियों की मदद भी ली जा रही है।

वक्फ कानून पर

हैं, लेकिन अंततः यह वैधानिक द्वारा शासित होता है। सीजेआई ने कहा कि हमें एक उदाहरण दें। मेहता ने कहा ठीक है इस पर नहीं जाते हैं।

एसजी तुषार मेहता : आप कानून से निपट रहे हैं। एक संयुक्त संसदीय समिति थी। 38 बैठकें हुईं। इसने कई क्षेत्रों का दौरा किया।। इसने 98।2 लाख ज्ञापनों की जांच की। फिर यह दोनों सदनों में जाता है और फिर कानून पारित किया गया। एसजी- उपयोगकर्ता द्वारा वक्फ के संबंध में सीजेआई- क्या आप एससी फैसले द्वारा स्थापित उपयोगकर्ता द्वारा वक्फ कह रहे हैं और कोई विवाद नहीं हैज् यह अब शून्य है? मेहता ने कहा कि संयुक्त संसदीय समिति ने 38 बैठकें कीं और संसद के दोनों सदनों द्वारा इसके पारित होने से पहले 98।2 लाख ज्ञापनों की पड़ताल की। प्रधान न्यायाधीश खन्ना ने यह भी कहा कि एक उच्च न्यायालय को इन याचिकाओं पर विचार करने के लिए कहा जा सकता है। उन्होंने कहा, ''दो पहलू हैं जिन पर हम दोनों पक्षों से बात करना चाहते हैं। सबसे पहले, क्या हमें इस पर विचार करना चाहिए या इसे उच्च न्यायालय को सौंप देना चाहिए? दूसरा, संक्षेप में बताएं कि आप वास्तव में क्या आग्रह कर रहे हैं और क्या तर्क देना चाहते हैं? हम यह नहीं कह रहे हैं कि कानून के खिलाफ याचिकाओं पर सुनवाई करने और निर्णय लेने में उच्चतम न्यायालय पर कोई रोक है। याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने वक्फ संशोधन अधिनियम का हवाला दिया और कहा कि वह उस प्रावधान को चुनौती दे रहे हैं, जिसमें कहा गया है कि केवल मुसलमान ही वक्फ कर सकते हैं। सिब्बल ने पूछा, ''सरकार कैसे तय कर सकती है कि मैं मुसलमान हूं या नहीं और इसलिए वक्फकरने का पात्र हूं या नहीं? उन्होंने कहा, ''सरकार यह कैसे कह सकती है कि केवल वे लोग ही वक्फकर सकते हैं जो पिछले पांच वर्षों से इस्लाम का पालन कर रहे हैं? कुछ याचिकाकर्ताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने कहा कि वक्फअधिनियम का प्रभाव पूरे भारत में होगा और याचिकाओं को उच्च न्यायालय को नहीं भेजा जाना चाहिए। वक्फअधिनियम का विरोध करते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता हुजेफा अहमदी ने कहा कि उपयोगकर्ता द्वारा वक्फकरना इस्लाम की एक स्थापित प्रथा है और इसे छीना नहीं जा सकता। केंद्र ने हाल ही में वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 को अधिसूचित किया, जिसे दोनों सदनों में तीखी बहस के बाद संसद से पारित होने के बाद पांच अप्रैल को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी मिल गई। राज्यसभा में विधेयक के पक्ष में 128 और विरोध में 95 सदस्यों ने मत दिया। वहीं, लोकसभा में इसके पक्ष में 288 तथा विरोध में 232 वोट पड़े। इस तरह यह दोनों सदनों से पारित हो गया था।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक विजय शंकर शर्मा द्वारा ग्रुप 5 प्रकाशन 55-बी, वजीर हसन रोड, लखनऊ से मुद्रित एवं डी-206-सी, विभूतिखण्ड गोमती नगर लखनऊ से प्रकाशित। सम्पादक- विजय शंकर शर्मा
(M.)- 9628478339, 9335322739 Ph: 0522- 4075237 Fax: 0522- 2306048 Email- charchitrajnit@gmail.com

आगरा के पर्यटन स्थलों, मंदिरों व स्मारकों के निर्माण व सौन्दर्यीकरण के लिए लाखों रुपये मंजूर

आगरा में सैलानियों की आमद को देखते हुए तेजी से लागू की जा रही पर्यटन विकास की सुविधायें

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश में पर्यटन विकास की परियोजनायें तथा अवस्थापना संबंधी कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी जनपदों में पर्यटन विकास की योजनायें स्वीकृत की जा रही हैं। साथ ही उन परियोजनाओं के सापेक्ष धनराशि भी जारी की जा रही है। ताज नगरी आगरा के पर्यटन विकास के लिए 11828.75 लाख रूपये की 13 परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान की गयी है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि आगरा में तीन यूनेस्को साइट के अलावा विभिन्न पर्यटन स्थल, दर्शनीय स्थल, प्राचीन मंदिर है। इन स्थानों के दर्शनार्थ वर्षभर देशी-विदेशी पर्यटकों का आना जाना लगा रहता है। विश्व प्रसिद्ध ताजमहल को देखने दुनियाभर से लोग आते हैं।

हर साल पर्यटकों की संख्या में बढ़ोत्तरी हो रही है, इसको दृष्टिगत रखते हुए पर्यटक स्थलों पर बुनियादी सुविधाओ को बढ़ाने के लिए राज्य सरकार लगातार प्रयास कर रही है। यूपी को विदेशी पर्यटकों के मामलों में भी पहले स्थान पर स्थापित करना है।विधायक डा धर्मपाल सिंह के प्रस्ताव पर खेड़ी में धाकम माता मंदिर के पर्यटन विकास हेतु 88.30 लाख रूपये, आगरा में कैलाश मंदिर का पर्यटन विकास कार्य के लिये 1526.24 लाख रूपये, पर्यटन कार्यालय के प्रस्ताव पर आगरा के प्रमुख पर्यटन स्थलों, मंदिरों, स्मारकों पर साइनेज की स्थापना के लिये 205.62 लाख रूपये तथा विकासखंड बाह ग्राम पंचायत होलीपुरा स्थित साइनेज की स्थापना के लिये 12.48 लाख रूपये,विधायक योगेन्द्र उपाध्याय के प्रस्ताव पर दरियानाथ मंदिर परिसर का पर्यटन विकास के लिए 106.66 लाख रूपये की धनराशि स्वीकृत की गयी है। पर्यटन कार्यालय आगरा द्वारा बटेश्वर में भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्व अटल बिहारी बाजपेयी की जन्मस्थली पर स्मारक निर्माण के लिये 2276.73 लाख रूपये की धनराशि मंजूरी हुई है। एमएलए पुरूषोत्तम खंडेलवाल के प्रस्ताव पर आईटीआई के निकट बलकेश्वर मंदिर के पर्यटन विकास हेतु147.89 लाख रूपये, विधायक डा जीएस धर्मेश के प्रस्ताव पर शहीद पार्क दशरथ कुंज मंदिर के पर्यटन विकास के लिए 95.11 लाख रूपये, एमएलए छोटेलाल वर्मा के प्रस्ताव पर शिव मंदिर का पर्यटन विकास के लिए 88 लाख रूपये की धनराशि स्वीकृत की गयी है।

विधायक पक्षालिका सिंह के अनुरोध पर प्राचीन शिव मंदिर के पर्यटन विकास के लिए 72.60 लाख रूपये की धनराशि स्वीकृत की गयी है। बटेश्वर का समेकित पर्यटन विकास हेतु 7150.84 लाख रूपये, जिलाधिकारी आगरा के प्रस्ताव पर बादशाही बाग में प्रवेश द्वार के सौन्दर्यीकरण हेतु 49.92 लाख रूपये तथा आगरा में कोषागार परिसर में कलेक्ट्रेट बार के समीप अति प्राचीन हनुमान मंदिर के सौन्दर्यीकरण हेतु 8.46 लाख रूपये की धनराशि जारी की गयी है। इन कार्यों को पूरा करने के लिए यूपी प्रोजेक्ट्स कॉरपोरेशन लि. को जिम्मेदारी दी गयी है।

वाराणसी के पर्यटन विकास हेतु 7431.75 लाख रुपये की 14 परियोजनाये मंजूर : भोलेनाथ की नगरी काशी में श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को आकर्षित किये जाने के उद्देश्य से और उन्हें सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए पर्यटन विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 में जनप्रतिनिधियों के प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान करते हुए 14 परियोजनाओं के लिए 74.31 करोड़ की धनराशि स्वीकृत की है। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि पर्यटन कार्यालय वाराणसी के प्रस्ताव पर दशाश्वमेध घाट से काशी विश्वनाथ मंदिर घाट के माध्य घाटों को जीर्णोद्धार एवं पर्यटन सुविधाओं के विकास के लिए तथा जल निकासी आदि कार्यों के लिए 616.06 लाख रुपये की धनराशि मंजूर की गई है। इसी प्रकार अस्सी घाट से दशाश्वमेध घाट के मध्य पर्यटन सुविधाओं के विकास एवं सौन्दर्यीकरण हेतु 614.92 लाख रुपये स्वीकृत किए गये हैं। इसके अलावा दशाश्वमेध

- विधायक पक्षालिका सिंह के अनुरोध पर प्राचीन शिव मंदिर के पर्यटन विकास के लिए 72.60 लाख की धनराशि स्वीकृत

घाट का जीर्णोद्धार एवं अन्य कार्यों के लिए 827.59 लाख रुपये। इसके अतिरिक्त अस्सी घाट के जीर्णोद्धार एवं आरती स्थल, पूजा स्थल, वीआईपी मण्डप आदि के कार्य हेतु 620.56 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। पर्यटन कार्यालय के प्रस्ताव पर गोलाघाट से नमो घाट के मध्य घाटों का जीर्णोद्धार पर्यटन सुविधाओं के विकास, जलनिकासी, पत्थर की कलाकृतियों, साइनेज आदि के लिए 617.56 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है। अस्सी घाट से रविदास के मध्य घाटों का जीर्णोद्धार एवं पर्यटन सुविधाओं के विकास आदि के लिए 824.43 लाख रुपये की धनराशि मंजूर की गई। विधायक त्रिभुवन राम विधान सभा अजगरा के शिव मंदिर का पर्यटन विकास के लिए 106.60 लाख रुपये के पर्यटन कार्यालय के प्रस्ताव पर, पिण्डरा में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के ग्राम करखियावं के सौन्दर्यीकरण के लिए 1825.65 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है। मंत्री अनिल राजभर के ग्रामसभा मुस्तफाबाद में दुर्गा मंदिर का पर्यटन विकास हेतु 72.06 लाख रुपये, पुरातत्व विभाग के प्रस्ताव पर गुरूधाम मंदिर वाराणसी में पाथवे, बेंच, सोलर प्रकाश आदि के लिए 95.66 लाख रुपये, कर्दमेश्वर महादेव के पर्यटन विकास आदि के विभिन्न कार्यों के लिए 486.70 लाख रुपये, पर्यटन कार्यालय के प्रस्ताव पर थाईवट टेंपुल बुद्धा स्टैचू पर लाइटिंग कार्य हेतु 128.08 लाख रुपये, डॉ सुनील पटेल के प्रस्ताव पर शूलकंटकेश्वर महादेव मंदिर के परिसर का सौन्दीकरण हेतु 95.90 लाख रुपये तथा वाराणसी के विभिन्न घाटों पर पर्यटकों की सुविधा के लिए 07 जेक्टी, चेंजिंग रूम आदि के निर्माण के लिए 500 लाख रुपये की धनराशि मंजूर की गई है। इन परियोजनाओं के पूरा होने के प्रदेश में पर्यटन अवस्थापना सुविधाओं में बढ़ोत्तरी के साथ-साथ पर्यटकों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई। इन समस्त कार्यों के लिए पूरा कराने की जिम्मेदारी उत्तर प्रदेश प्रोजेक्टस कारपोरेशन लि.को दी गयी है।

विश्व धरोहर दिवस कल, करिए हेरिटेज वॉक : विश्व धरोहर दिवस 18 अप्रैल के अवसर पर उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम लिमिटेड द्वारा राज्य के पांच प्रमुख ऐतिहासिक स्थलों-वाराणसी, लखनऊ, प्रयागराज, झांसी और आगरा में विशेष हेरिटेज वॉक का आयोजन किया जा रहा है। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि इसका उद्देश्य आम लोगों, विशेषकर युवाओं को राज्य की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत सेजोड़ना है। हेरिटेज वॉक के माध्यम से प्रतिभागियों को इन शहरों की गौरवशाली विरासत, स्थापत्य कला और सांस्कृतिक महत्व से परिचित कराया जाएगा। कार्यक्रम में स्थानीय गाइड, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और पारंपरिक व्यंजनों का भी समावेश किया गया है। राज्य सरकार का उद्देश्य पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ-साथ धरोहर स्थलों के संरक्षण और जागरूकता को सुदृढ़ करना है। 18 अप्रैल को यूपीएसटीडीसी की अपटूअर्स ट्रैवल डिवीजन द्वारा हेरिटेज वॉक का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के तहत प्रतिभागियों को विशेष रूप से प्रशिक्षित गाइड ऐतिहासिक स्थलों की जानकारी देंगे। इस भ्रमण के दौरान पर्यटक न केवल प्रदेश की समृद्ध ऐतिहासिक विरासत से रूबरू होंगे, बल्कि उन्हें स्थानीय लोक कला, संस्कृति, व्यंजन और हस्तशिल्प की विविधता का अनुभव भी मिलेगा। कार्यक्रम का उद्देश्य उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को जन-जन तक पहुंचाना है। प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर हेरिटेज वॉक के आयोजन के लिए विशेष पैकेज तैयार किए गए हैं। हेरिटेज वॉक के दौरान प्रतिभागियों को ट्रांसपोर्ट, गाइड सेवा, प्रवेश शुल्क, नाश्ता आदि की सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। यह वॉक लगभग ढाई से तीन घंटे की होगी।पैकेज शुल्क इस प्रकार निर्धारित की गई है। आगरा 899 रुपए प्रति पर्यटक, वाराणसी 475 रुपए प्रति पर्यटक, झांसी 850 रुपए प्रति पर्यटक, प्रयागराज 500 रुपए प्रति पर्यटक, लखनऊ 800 रुपए प्रति पर्यटक है। शुल्क में जीएसटी शामिल है। पैकेज की बुकिंग यूपीएसटीडीसी की वेबसाइट् .नचेजकब.बव.पद से होगी। उत्तर प्रदेश पर्यटन के क्षेत्र में तेजी से विकास करने वाला राज्य है। अभी हम घरेलू पर्यटन में देश में पहले स्थान पर हैं, विदेशी पर्यटन में भी उपलब्धि हासिल करने का प्रयास किया जा रहा है। पर्यटन स्थलों और पर्यटक सुविधाओं का निरंतर विकास किया जा रहा है। राज्य पर्यटन के क्षेत्र में तेजी से प्रगति कर रहा है। वर्तमान में उत्तर प्रदेश घरेलू पर्यटन में देशभर में पहले स्थान पर है और अब विदेशी पर्यटन में भी यह उपलब्धि हासिल करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। विभाग द्वारा पर्यटन स्थलों और पर्यटक सुविधाओं का लगातार विकास किया जा रहा है ताकि अधिक से अधिक सैलानियों को आकर्षित किया जा सके।

देश-विदेश डायरी

पाकिस्तान एयरफोर्स का मिराज विमान खेतों में क्रैश, विस्फोट से दहल गए लोग

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में वायुसेना का एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। एक सरकारी अधिकारी ने बुधवार को यहां यह जानकारी दी। पाकिस्तान वायु सेना (पीएएफ) का प्रशिक्षण विमान मिराज वी.रोस मंगलवार को लाहौर से लगभग 350 किलोमीटर दक्षिण पश्चिम में वेहारी जिले के उपनगरीय क्षेत्र रत्ता टिब्बा के खेतों में दुर्घटनाग्रस्त हुआ। अधिकारी ने बताया, विमान ने वेहारी शहर के पास थिंगी हवाई अड्डे से नियमित प्रशिक्षण उड़ान भरी थी, लेकिन कुछ ही देर बाद यह एक तेल डिपो के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हालांकि, दुर्घटना में न तो कोई हताहत हुआ और न ही किसी इमारत को कोई नुकसान पहुंचा। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि उन्होंने एक जोरदार विस्फोट की आवाज सुनी, जिसके बाद मैदान में धुएं का गुबार छा गया और फिर बचाव दल घटनास्थल पर पहुंचे। 'डॉनश् समाचार पत्र की खबर में बताया गया है कि दोनों पायलटों को मामूली चोट आई और उन्हें सेना के हेलीकॉप्टर से अस्पताल ले जाया गया। खबर में कहा गया है, पीएएफविमान प्रशिक्षण उड़ान पर था, लेकिन कुछ तकनीकी खराबी के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

पाकिस्तान में इजरायल विरोधी प्रदर्शन के दौरान केएफसी कर्मचारी की गोली मारकर हत्या

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में इजरायल विरोधी प्रदर्शन के दौरान अमेरिकी फास्ट-फूड चेन केएफसी के एक कर्मचारी की हत्या कर दी गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह घटना प्रांतीय राजधानी लाहौर से लगभग 50 किलोमीटर दूर शेखपुरा में घटी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने बताया कि, 15 अप्रैल को सुबह-सुबह बड़ी संख्या में तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) के कार्यकर्ताओं ने आउटलेट पर धावा बोल दिया। हमलावरों ने रेस्टोरेंट में तोड़फोड़ करते हुए स्टाफके सदस्यों पर गोलियां चलाई। आसिफनवाज नाम के एक कर्मचारी को गोली मार दी गई, जबकि अन्य भागने में सफल रहे। 45 वर्षीय नवाज को तुरंत स्थानीय अस्पताल ले जाया गया लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।एक अधिकारी ने बताया, पुलिस जब मौके पर पहुंची तो बदमाश भाग चुके थे। उन्होंने बताया कि तीन दर्जन से अधिक संदिग्धों को हिरासत में लिया गया और जांच जारी है। एक दिन पहले ही टीएलपी समर्थकों ने रावलपिंडी में केएफसी आउटलेट को निशाना बनाया था और संपत्ति को नुकसान पहुंचाया था। पिछले सप्ताह कराची और लाहौर में भी इसी तरह के हमले हुए थे, जहां केएफसी आउटलेट के कुछ हिस्सों में आग लगा दी गई। पंजाब पुलिस ने इन घटनाओं के सिलसिले में टीएलपी के 17 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। ऐसा प्रतीत होता है कि पाकिस्तानी सरकार और सुरक्षा एजेंसियां धार्मिक विरोध की आड़ में विदेशी फास्ट-फूड चेन के खिलाफटीएलपी के नेतृत्व में हिंसा की लहर के सामने लाचार हैं। इस महीने की शुरुआत में (7 अप्रैल को) बांग्लादेश में भी इजरायली विरोधी प्रदर्शनों के दौरान भारी हिंसा देखी गई। स्थानीय मीडिया के अनुसार, भीड़ ने गाजा पर इजरायली हमलों के विरोध में बोगरा, सिलहट, कॉक्स बाजार और अन्य जिलों में तोड़फोड़ की। प्रदर्शनकारियों ने बाटा, केएफसी और पिज्जा हट जैसे इजरायली-संबंधित व्यवसायों को निशाना बनाया। उन्होंने कुछ उत्पादों के बहिष्कार की भी मांग की।

नेपाल में स्कूल शिक्षा विधेयक का मुद्दा, प्रदर्शनकारी शिक्षकों की मांगों पर विचार के लिए बुलाया गया संसद सत्र

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल सरकार ने देश में प्रदर्शनकारी शिक्षकों की मांग को पूरा करने और स्कूल शिक्षा विधेयक पारित करने के लिए 25 अप्रैल को संसद का सत्र बुलाया है। स्कूल शिक्षा अधिनियम को तत्काल लागू करने की मांग को लेकर शिक्षकों की देशव्यापी हड़ताल के साथ ही विरोध प्रदर्शन तीसरे सप्ताह में प्रवेश कर गया। शिक्षण पेशे का सम्मान करें और शिक्षा अधिनियम को तुरंत लागू करें जैसे नारे लिखी तख्तियां लेकर शिक्षकों ने सड़क पर अनिश्चितकालीन विरोध प्रदर्शन का ऐलान किया। मंगलवार को नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने सरकार की सिफारिश पर स्कूल शिक्षा विधेयक को मंजूरी दिए बिना ही संघीय संसद सत्र को स्थगित कर दिया, जो डेढ़ साल से सदन की समिति में लंबित था। रिपोर्ट्स से पता चलता है कि देश भर से शिक्षक काठमांडू में स्कूल शिक्षा अधिनियम को लागू करने की मांग को लेकर इक्ट्ठा हुए, जो सरकार की पिछली प्रतिबद्धताओं के बावजूद संसद में लंबित पड़ा हुआ है।

एक बार फिर राजधानी में ट्रेन पलटाने की कोशिश

लखनऊ, चसं। राजधानी लखनऊ के रहीमाबाद रेलवे स्टेशन के पास एक बार फिर से ट्रेन को पलटाने की कोशिश की गई। लोको पायलट की सूझबूझ से एक बड़ा हादसा टल गया। इंजन में पेड़ की डाली फंसने के बाद लोको पायलट ने फौरन इमरजेंसी ब्रेक लगा ट्रेन को रोक लिया। फिर रेलवे ट्रैक पर रखे लकड़ी के भारी-भरकम लठ्ठे को हटाते हुए रेलवे अधिकारियों को सूचना दी। यह कोई पहली घटना नहीं है, पूर्व में भी मलिहाबाद रेलवे स्टेशन के पास कुछ शरारती तत्वों ने ट्रेन को डिरेल करने कोशिश की थी।

- लोको पायलट की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

फिलहाल, पुलिस बीटीएस की मदद से मामले की जांच में जुटी है। रहीमाबाद इंस्पेक्टर आंनद द्विवेदी के मुताबिक, रेलवे के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी (ट्रैकमैन) राजेश राजन ने कुछ शरारती तत्वों के खिलाफकार्रवाई करने की मांग की है। लिखित शिकायत में ट्रैकमैन ने बताया कि मंगलवार रात करीब 02.30 बजे लखनऊ से नई दिल्ली की तरफजा रही आनंद विहार गोरखपुर स्पेशल, गरीब रथ (05577) ट्रेन के आगे किसी ने लड़की का गठ्ठा रखा दिया। ट्रैकमैन का कहना है कि ये लकड़ी उस वक्त ट्रैक पर रखी गई, जब रहीमाबाद रेलवे स्टेशन की अप लाइन से स्पेशल ट्रेन को गुजरना था, लेकिन समय रहते लोको पायलट की नजर ट्रैक पर रखी लड़की का गठ्ठा पर पड़ गई।

पायलट की सूझबूझ से कोई बड़ा हादसा होने से टल गया, हालांकि इमरजेंसी ब्रेक लगाने पर भी लकड़ियां ट्रेन के इंजन में फंस गई। ट्रैकमैन का कहना है कि लड़की के गठ्ठा का वजन करीब 40 किलो के आसपास था। इंजन से उतरने के बाद लोको पायलट ने देखा कि डाउन लाइन पर भी कुछ जगहों पर आम की लड़कियां रखी गई थी। जिस पर एक धार्मिक रंग का प्रतीक का कपड़ा भी रखा गया था। लोको पायलट की सूचना पर मौके पर पहुंची आरपीएफ और पुलिस की टीम ने ट्रैक से लड़कियों को हटाया। इस दौरान ट्रेनों की आवाजाही को रोका गया।

हर माह हो जाये किसानों को दुग्ध भुगतान : धर्मपाल

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने भूसा संग्रहण हेतु गत 15 अप्रैल से प्रारंभ विशेष अभियान के तहत प्रदेश के सभी गोआश्रय स्थलों हेतु भूसे की पर्याप्त व्यवस्था किये जाने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा है कि ब्लाक स्तर, पंचायत स्तर पर विकेन्द्रीकृत रूप से भूसा क्रय किया जाये। सभी मुख्य पशु चिकित्साधिकारी भूसा हेतु जन प्रतिनिधियों, दान दाताओं एवं समाज सेवियों का भी सहयोग जरूर लें।

धर्मपाल सिंह ने कहा है कि गोशालाओं का प्रबंधन व्यवस्थित तरीके से किया जाए। माह अप्रैल, मई व जून की गर्मी के दृष्टिगत गोवंश को धूप व लू से बचाने हेतु शेड की व्यवस्था, स्वच्छ पानी, बिजली, हरा चारा और पर्याप्त औषधियों की व्यवस्था सुदृढ़ की जाए।पशुधन मंत्री ने आज यहां विधान भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में गत

15 दिनों में किए गए कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। गौ-आश्रय स्थलों में निराश्रित गोवंश हेतु भूसे-चारे, पानी, प्रकाश औषधियों की कोई कमी न होने पाये और गोचर भूमियों पर हरा चारा भी उगाया जाय। दवाओं की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाये। तीन माह के निर्धारित लक्ष्य को प्राथमिकता के आधार पर रखते हुए कार्य किया जाये। सड़क दुर्घटनाओं से बचाव हेतु गोवंशों को रेडियम बेल्ट पहनाये जाने के लिए आगामी 20 अप्रैल से एक माह के विशेष अभियान को सभी सीवीओ सफल बनायें।दुग्ध विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए श्री सिंह ने कहा कि दुग्ध उत्पादन में वृद्धि हेतु समितियों की संख्या निरंतर बढ़ाकर उन्हें मजबूत किया जाये। निष्क्रिय समितियों को क्रियाशील कर उन्हें पुनः संचालित कराया जाये। वर्तमान में संचालित समितियां किसी भी कारण से बंद न होने पायें। किसानों को दुग्ध भुगतान प्रत्येक माह सुनिश्चित किया जाये। पराग उत्पादों की मार्केटिंग मजबूत की जाये।

दुग्ध समितियों का भ्रमण एवं अनुश्रवण निरंतर किया जाये। बैठक में प्रमुख सचिव, पशुधन एवं दुग्ध विकास के रविंद्र नायक ने मंत्री को भूसा संग्रहण एवं गोशालाओं में व्यवस्थाओं के संबंध में अवगत कराया।

बंगाल में पार हो रही अराजकता की पराकाष्ठा : भूपेंद्र चौधरी

लखनऊ, चसं। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी द्वारा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफदिये गये बयान पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने पलटवार किया है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने ममता बनर्जी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफबयान की निंदा करते हुए कहा है कि बंगाल में निर्ममता की सरकार चल रही है। मुर्शिदाबाद जल रहा है और ममता बनर्जी कमियां छिपाने के लिए अनर्गल बयानबाजी कर रही हैं।

उत्तर प्रदेश सरकार और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के बीच एमओयू साइन

लखनऊ, चसं। उत्तर प्रदेश सरकार और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ने एमएसएमई के लिए फंड जुटाने की सुविधा हेतु समझौता ज्ञापन एमओयू पर हस्ताक्षर किए। उत्तर प्रदेश लगभग 96 लाख सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों एमएसएमई का घर है और सरकार इनकी वित्तीय और तकनीकी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। विश्व बैंक द्वारा वित्तपोषित कार्यक्रम के तहत एमएसएमई विभाग 500 एमएसएमई चौंपियंस तैयार कर रहा है। एमओयू उत्तर प्रदेश के एमएसएमई को इक्विटी बाजारों तक पहुंच बनाने का अवसर देगा जिससे वे विकास कर सकें। एमएसएमई के लिए पूंजी सृजन और बाजार संपर्क का एक महत्वपूर्ण कदम है।उत्तर प्रदेश सरकार और भारत के प्रमुख स्टॉक एक्सचेंज, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज एनएसई ने राज्य के एमएसएमई को एनएसई इमर्ज के माध्यम से आईपीओ के जरिये फंड जुटाने की प्रक्रिया के प्रतिजागरूक करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

योगी सरकार का लक्ष्य तकनीकी शिक्षा से युवाओं को रोजगार के लिए सक्षम बनाना : आशीष पटेल

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में तकनीकी शिक्षा को अधिक गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी और रोजगारपरक बनाने के उद्देश्य से बुधवार को तिलक हाल विधानसभा लखनऊ में प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक हुई।

बैठक में सचिव, निदेशक, तकनीकी विश्वविद्यालयों और राजकीय अभियंत्रण संस्थानों के अधिकारियों सहित विभिन्न इकाइयों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में डिग्री और डिप्लोमा सेक्टर से जुड़ी चुनौतियों, आवश्यकताओं और सुधार तथा अन्य प्रमुख विषयों पर गहन मंथन किया गया। मंत्री ने कहा कि योगी सरकार का स्पष्ट उद्देश्य है कि तकनीकी शिक्षा केवल डिग्री देने का माध्यम न रहकर, छात्रों को उद्योगों के अनुरूप कौशलयुक्त और आत्मनिर्भर

- आशीष पटेल ने की तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता और पारदर्शिता में सुधार के लिए बैठक
- डिप्लोमा संस्थाओं की रैंकिंग के लिये पोर्टल लांच

बनाए। विश्वविद्यालयों और उनसे संबंधित संस्थानों, राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेजों में शैक्षणिक व गैर-शैक्षणिक रिक्त पदों की अद्यतन स्थिति, प्रोन्नति की प्रक्रिया, तथा आउटसोर्सिंग से भरे गए पदों की पारदर्शिता की समीक्षा की गई।

उन्होंने बल दिया कि लंबित नियुक्तियों और अधियाचनों को समयबद्ध ढंग से पूरा किया जाए।आरक्षण का अनुपालन शतप्रतिशत करें। अप्रैल तक डिग्री सेक्टर में बायोमैट्रिक लागू किया जाए। उन्होंने निर्देश दिये कि 31 मई तक नव निर्मित चारों राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेजों में छात्रों को शिफ्ट कर शैक्षणिक कार्य शुरू किया जाए, इसमें शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जायेगी।राजकीय अभियंत्रण संस्थानों की कार्य परिषद और बोर्ड ऑफगवर्नर्स में नामांकन प्रक्रिया की पारदर्शिता, नियमितता के निर्देश दिए गए। बैठक में निर्णय लिया गया कि इंजीनियरिंग कॉलेजों के लिए एक समान बायलॉज तैयार किया जाए जिससे संचालन में एकरूपता और अनुशासन हो सके।गोंडा, बस्ती, मिर्जापुर और प्रतापगढ़ में प्रस्तावित चार नए इंजीनियरिंग कॉलेजों के निर्माण, पद सृजन और वित्तीय स्वीकृति की प्रगति की समीक्षा की गई। निर्माण कार्य तेज गति से पूर्ण किया जाए ताकि आगामी सत्रों से इनमें शिक्षण कार्य प्रारंभ हो सके। सत्र नियमन, प्रवेश प्रक्रिया की पारदर्शिता और निजी संस्थानों में नामांकन के संबंध में आ रही शिकायतों पर भी विचार हुआ और सुधारात्मक उपायों पर दिशा-निर्देश जारी किए गए। तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हेतु नवाचार आधारित शिक्षण, उद्योग समेकन, फैकल्टी प्रशिक्षण, तथा प्रयोगात्मक शिक्षा को बढ़ावा देने के सुझावों पर संज्ञान लिया गया। अनापत्ति प्रमाणपत्र तथा संबद्धता की प्रक्रिया में पारदर्शिता और गति लाने पर भी चर्चा हुई। एकेटीयू के कुलपति की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा तकनीकी विश्वविद्यालयों और इंजीनियरिंग कॉलेजों की परीक्षाओं की शुचिता और पारदर्शिता के लिए प्रस्तुत रिपोर्ट पर मंत्री ने विस्तृत चर्चा की। उत्तर प्रदेश में तकनीकी परीक्षाओं में गड़बड़ी स्वीकार्य नहीं होगी। डिजिटल निगरानी, गोपनीय नियंत्रण और ऑडिट प्रणाली अपनाई जाएगी। राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेजों को बजट की स्थिति, उपयोग और भविष्य की आवश्यकताओं को देखते हुए आवश्यक निर्देश भी बैठक में दिए गए।